जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 233 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 27 जून, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अक्टूबर-नवम्बर में प्रस्तावित हैं, बिहार एसैम्बली के चुनाव

243 सीटों पर होने वाले इस चुनाव में भाजपा को घटते हुए "वोट शेयर" का सामना करना पड़ेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अक्टूबर-नवंबर में होने जा रहे हैं, जहाँ 243 सीटों पर मुकाबला होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) घटते वोट शेयर के संकट का सामना कर रही है।

- 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी तथा बारह सीटें जीती थी, पर, भाजपा का "वोट शेयर" 2019 के चुनाव के मुकाबले घटा था तथा सीटें भी कम आयी थीं।
- पर, फरवरी 2025 "मूड ऑफ नैशन" सर्वे में यह संभावना सामने आई थी कि एनडीए बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से 33-35 सीटों पर विजयी हो सकता है तथा एनडीए का वोट शेयर 52 प्रतिशत तक पहुँच सकता है।
- भाजपा बड़े आक्रामक तरीके से 2025 के विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। अपना संगठनात्मक ढाँचा मजबूत कर रही है तथा जातिगत समीकरणों को सुदृढ़ करने की दृष्टि से जातिगत नेतृत्व ढूंढ-ढूंढ कर, जातिगत नेताओं को चयनित करके उन्हें पनपा रही है। उदाहरण के लिए, सम्राट चौधरी (ओबीसी नेता) को भाजपा का प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है।
- पर, प्र.मंत्री के, जून माह के मध्य में बिहार के किये गये सघन दौरे व बिहार को लगभग 10,000 करोड़ की सौगातें देने के बावजूद भी पार्टी के गठबंधन में आतंरिक मतभेदों के कारण भय है कि पार्टी का वोट शेयर घटेगा। शायद इसीलिए भाजपा ने नीतीश की पार्टी से सीटों के बंटवारे पर समझौता सा कर लिया है, पर, चिराग पासवान और जीतनराम मांझी से बात नहीं की है।

भाजपा ने बिहार में चुनावी रणनीति के तहत रोहन गुप्ता के नेतृत्व में एक वॉर रूम बनाया है और विशेष ज़िला टीमें गठित की हैं, जो दिवाली-छठ के समय घर लौटने वाले प्रवासियों के साथ संवाद करेंगी।

एनडीए ने सीटों के बंटवारे की रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार, लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान और हम पार्टी के जीतन राम मांझी से इस पर सलाह-मशविरा नहीं किया गया।

ओबीसी नेता सम्राट चौधरी को भाजपा का बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है, ताकि जदयू के नीतीश कुमार को काउन्टर किया जा सके और प्रमुख जातिगत वोट बैंक को साधा जा सके।

26 फरवरी को, नीतीश कुमार की कैबिनेट में भाजपा के 7 विधायकों को शामिल किया गया, जिससे भाजपा को चुनाव से पहले राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिली।

2024 के आम चुनावों में भाजपा ने बिहार की 17 में से 12 सीटें जीतीं, लेकिन 2019 की तुलना में सीटें और वोट शेयर दोनों में गिरावट दर्ज की गई। एनडीए का लक्ष्य विधानसभा चुनावों में 220-225 सीटें जीतना है।

फरवरी 2025 के "मूड ऑफ़ द नेशन" सर्वे के अनुसार, एनडीए को बिहार की 40 में से 33-35 लोकसभा सीटें मिलने की संभावना जताई गई है, और वोट शेयर लगभग 52 प्रतिशत तक पहुँच सकता है।

मोदी ने जून के मध्य में सीवान और जसौली का दौरा किया, जहाँ 9,519

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संविधान सर्वोच्च है, संसद नहीं-सीजेआई गवई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने कहा है कि हालांकि कुछ लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन उनके अनुसार संविधान सर्वोपरि है। मुख्य न्यायाधीश बुधवार को महाराष्ट्र के अमरावती में आयोजित अपने सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भारत का संविधान सर्वोच्च है और लोकतंत्र के तीनों स्तंभ (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) उसके अधीन काम करते हैं।

- चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बी आर गवई ने अमरावती में एक सम्मान समारोह में कहा कि संसद संविधान में संशोधन कर सकती है, पर, मूल स्वरूप को नहीं बदल सकती।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय का हवाला देते हुए कहा, जो बुनियादी ढांचे के सिद्धांत पर आधारित था। उन्होंने कहा कि संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है, लेकिन वह संविधान की मूल संरचना को नहीं बदल सकती।

उन्होंने यह भी कहा कि केवल सरकार के खिलाफ फैसले देने से कोई न्यायाधीश स्वतंत्र नहीं बन जाता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई ने डिजिटल मैसेजों की झड़ी लगाई

जैसा कि विदित ही है, अयातुल्ला लगभग एक सप्ताह से जनता की आँखों से ओझल हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने अपनी अचानक और अस्पष्ट गुमशुदगी की अफवाहों पर "एक्स" के जरिए विराम लगाया है, जिससे एक नई बहस शुरु हो गई है।

- हालाँकि, ईरान सरकार उनकी अनुपस्थिति का कारण सुरक्षा के लिए किये गये कड़े बंदोबस्त को बता रहे हैं। इन सूत्रों का कहना है कि इज़रायल के प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू ने, न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, सार्वजनिक रूप से कहा है कि इज़रायल, अयातुल्ला को "टारगैट" कर सकता है, हालाँकि, अमेरिका ने इस संभावना को अंजाम नहीं देने की सलाह दी है।
- दूसरी ओर यह भी चर्चा है कि अयातुल्ला ने स्वयम् दो वर्ष पहले उच्चस्तरीय धार्मिक नेताओं की एक समिति गठित की थी, जो उनके उत्तराधिकारी का चयन करे तथा उस समिति ने जोर-शोर से अपना काम शुरु कर दिया है।
- ईरान की सुरक्षा से सम्बद्ध एक टॉप अफसर ने ईरान की समाचार एजेंसी को बताया कि अयातुल्ला इस्लामिक गार्ड की विशेष टुकड़ी "वली-ये-अम्र" की सुरक्षा में हैं तथा उनसे व उनके परिवार से ईरान के वरिष्ठतम अधिकारी भी सीधा सम्पर्क नहीं कर सकते हैं। इज़रायल के 13 जून के अटैक, जिसमें ईरान के शीर्षस्थ आर्मी कमांडर व न्यूक्लियर साइंटिस्ट टारगैट करके मारे गये थे, को देखते हुए ईरान अब अपने सुप्रीम कमांडर के बारे में कुछ रिस्क लेने को तैयार नहीं है।

ईरान, जिसने अमेरिकी और इज़रायली हवाई हमलों का सफलतापूर्वक जवाब देते हुए तेल अवीव की सर्वोच्चता को चुनौती दी थी, अब अभूतपूर्व सैन्य वृद्धि और आंतरिक अशांति से जूझ रहा है। लेकिन तेहरान शासन को सबसे ज्यादा परेशान किया, पश्चिमी मीडिया द्वारा अली खामनेई की अचानक और अस्पष्टीकृत गुमशुदगी के बारे में चल रही अटकलों ने।

86-वर्षीय नेता, जो इस्लामिक गणराज्य में सर्वोच्च अधिकार रखते हैं, पिछले एक हफ्ते से सार्वजनिक रूप से न तो कहीं दिखाई दिए और न उनकी आवाज़ सुनाई दी। हालांकि तेहरान स्थित सूत्रों का कहना है कि यह सब उनके जीवन की सुरक्षा के लिए किया जा रहा है, क्योंकि अमेरिका और इज़रायल दोनों ही ईरान में शासन परिवर्तन के लिए लालायित थे।

उनकी चुप्पी ने अफवाहों, चिंताओं और बेचैनी को जन्म दिया है, जो न केवल ईरान में, बल्कि बाहर भी महसूस हो रही है, जैसा कि पश्चिमी मीडिया लगातार कह रहा है।

खामनेई सबकी पहुँच और नज़र से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगले सप्ताह ईरान से वार्ता करेगा अमेरिका, पर वार्ता में समझौता हो यह जरुरी नहीं'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह संकेत दिया कि ईरान को परमाणु महत्वाकांक्षा से पीछे हटने को राजी करना अब अमेरिका की प्राथमिकता नहीं है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे अगले सप्ताह ईरान से बातचीत करेंगे, जबकि ईरान और इज़रायल के बीच संघर्षविराम दूसरे दिन में प्रवेश कर गया है। यह स्पष्ट नहीं है कि इस बातचीत का प्रारूप क्या होगा तथा क्या यह बातचीत ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर किसी प्रकार की रोक लगाने या उसकी सीमा तय करने के बारे में होगी।

- ट्रंप ने जोरदार अंदाज में यह दावा दोहराया कि अमेरिकन हमलों में ईरान की परमाणु सुविधाएँ नष्ट हो गई हैं, खासकर यूरेनियम संवर्धन की सुविधा।
- अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबिओ ने सैटलाइट तस्वीरें जारी कीं, जिनमें ईरान के परमाणु केन्द्रों में भारी तबाही दिख रही थी।

'नाटो' सम्मेलन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान के साथ वार्ताओं का किसी भी समझौते पर पहुंचना जरुरी है। ट्रंप यह संकेत दे रहे थे कि ईरान को परमाणु महत्वाकांक्षा त्यागने के लिए राजी करना अब प्राथमिकता नहीं रही।

ट्रंप ने उस प्रारंभिक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट को भी खारिज किया, जो मंगलवार को जारी हुई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमलों ने सिर्फ कुछ महीनों के लिए ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को पीछे धकेला है।

ट्रंप ने दोहराया कि इन हमलों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जनता जानती है, कुछ लोग कुर्सी के लिए कितना गिर सकते हैं'

जोधपुर/जयपुर, 26 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि "जिसकी कभी फटी ना बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई।" मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग जनता के दुख-दर्द से कभी जुड़े ही नहीं, उन्हें आम जन की पीड़ा का वास्तविक अनुभव कैसे हो सकता है? मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सलाह दी कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को स्वयं को आईने में देखना चाहिए और जनता से भी ईमानदारी से यह प्रश्न करना चाहिए कि उनके शासनकाल में जनता के साथ कितना कुठाराघात और अन्याय हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश की जागरूक जनता भली-भांति जानती है कि कुछ लोग सत्ता की कुर्सी के लिए किस स्तर तक जा सकते हैं। कुर्सी के मोह में वे कितने गिर सकते हैं, यह अब किसी से छुपा नहीं है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने अशोक गहलोत पर तीखा प्रहार किया।

'नैशनल टैस्टिंग एजेंसी असल में नैशनल करप्शन एजेंसी बन गई है'

कांग्रेस ने नीट परीक्षा के फर्जीवाड़े का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य, एन.एस.यू.आई. के प्रभारी तथा एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष ने गुरुवार को नीट परीक्षा के आयोजन पर सवाल उठाए और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए.) को "नेशनल करप्शन एजेंसी" करार दिया।

- कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य और एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने महाराष्ट्र में सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर और आरोपी को जमानत मिलने का मुद्दा उठाया।
- कन्हैया कुमार ने कहा कि गत वर्ष भी नीट परीक्षा में फर्जीवाड़े के आरोप लगे थे। एनटीए के अधिकारियों पर इसके लिए कार्यवाही होनी चाहिए थी, पर, सरकार इन्हें बचा रही है।

ए.आई.सी.सी. के नए मुख्यालय, इंदिरा भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने महाराष्ट्र में सी.बी.आई. द्वारा दर्ज की गई एक नई एफ.आई.आर. का हवाला दिया, जिसमें आरोपी को जमानत पर छोड़ दिया गया।

उन्होंने कहा कि एन.टी.ए. पर पिछले साल भी डेटा लीक के मामले में अनियमितताओं का आरोप लगा था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को संरक्षण देने के बजाय एन.टी.ए. के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और एन.टी.ए. के कामकाज की गहराई से जांच होनी चाहिए।

एन.एस.यू.आई. के ए.आई.सी.सी. इन्चार्ज कन्हैया कुमार ने कहा कि नीट परीक्षा की पारदर्शिता पर उनकी पार्टी ने नहीं, बल्कि सी.बी.आई. ने सवाल उठाया है। दो लोगों को जमानत मिल गई है जबकि तीन अभी भी फरार हैं।

सी.बी.आई. ने महाराष्ट्र में एफ.आई.आर. दर्ज की है, जिसमें दो लोगों को गिरफ्तार किया गया और तीन लोग फरार हैं। जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, उन्हें जमानत मिल गई है और ये गिरफ्तारियां भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत की गई हैं। इससे तीन अहम सवाल उठते हैं:

पहला, सी.बी.आई. कह रही है कि इसमें किसी भी एन.टी.ए. अधिकारी के लिप्त होने की संभावना नहीं है। सवाल यह है कि अगर कोई सरकारी अधिकारी लिप्त नहीं है, तो फिर एफ.आई.आर. भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत क्यों दर्ज की गई?

दूसरा, जब तीन लोग फरार हैं तो दो लोगों को जमानत कैसे मिल गई? और तीसरा, छात्रों के माता-पिता द्वारा दिए गए विवरण, जो मीडिया रिपोर्ट्स में आए हैं, उन्हें देखकर क्या यह संभव है कि इतनी बड़ी अनियमितता किसी वरिष्ठ अधिकारी की संलिप्तता के बिना हो सकती है?

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री परीक्षाओं पर चर्चा करते हैं, लेकिन देश में शायद ही कोई ऐसी परीक्षा हो जिस पर सवालिया निशान न हो। ऐसा कोई साल नहीं जाता, ऐसा कोई राज्य नहीं है, जहाँ प्रश्नपत्र लीक नहीं हो रहे हैं।

कन्हैया कुमार ने कहा, सवाल यह है कि सरकार की प्राथमिकता क्या है। सरकार की प्राथमिकता सिर्फ और सिर्फ वीडियो बनाना है। चाहे वह परीक्षा के नाम पर वीडियो बनाना हो या हादसा होने पर वीडियो बनाना, उन्हें सिर्फ रील्स बनाने में दिलचस्पी है।

एक्सिओम -4 अन्तर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से कनैक्ट हुआ

फ्लोरिडा, 26 जून। एक्सिओम-4 मिशन का स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ गया और इसके साथ ही,भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इतिहास रच दिया। वह आईएसएस में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गये।

- इसी के साथ भारतीय वायु सेना के कैप्टन शुभांशु अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

भारतीय अंतरिक्ष आकांक्षाओं के लिए एक बड़ी छलांग लगाते हुए भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आज इतिहास में तब दर्ज हो गए जब ड्रैगन कैप्सूल आईएसएस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत व अमेरिका में ताबड़तोड़ बातचीत चल रही है, "ट्रेड-डील" फाइनल करने के लिए

सबसे बड़ी रुकावट आ रही है, "फार्म प्रोडक्ट्स" (कृषि उत्पाद) के व्यापार में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। जैसा कि पहले तय हुआ था, एक ट्रेड टीम वर्तमान में अमेरिका का दौरा कर रही है, ताकि दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक समझौते के विवरण को 5 जुलाई की समयसीमा से पहले अंतिम रूप दिया जा सके, जब तथाकथित पारस्परिक शुल्क लागू हो जाएंगे।

हालाँकि वार्ताएँ कई क्षेत्रों में आगे बढ़ी हैं, लेकिन कुछ संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर कृषि उत्पादों के व्यापार में, गंभीर मतभेद उभर कर आए हैं।

किसी भी व्यापार वार्ता में कृषि क्षेत्र सबसे बड़ी बाधा रहा है, भले ही राष्ट्रीय आय में इसका बहुत बड़ा योगदान न हो। इसका कारण यह है कि कृषि से जुड़े मुद्दे अत्यंत संवेदनशील और राजनीतिक रूप से बहुत ही नाज़ुक होते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत में, अमेरिका की भारतीय कृषि बाजार में पहुँच की माँग ही सबसे बड़ी अड़चन बन रही है। अमेरिका मक्का, सोया, गेहूं जैसे उत्पादों का एक विशाल उत्पादक है। भारत भी इन उत्पादों का बड़ा उत्पादक है, लेकिन देश में माँग भी बहुत अधिक है।

दो प्रमुख मुद्दे हैं, पहला है, कृषि सब्सिडी। अमेरिका अपने किसानों को इतनी भारी सब्सिडी देता है, जिसका मुकाबला भारत नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए, अमेरिका के कपास उत्पादकों को 100 अरब डॉलर की सब्सिडी मिल रही है, जो अमेरिकी कृषि का एक छोटा सा हिस्सा हैं। इसी वजह से डब्ल्यु.टी.ओ. में अमेरिका और अफ्रीकी देशों के बीच बातचीत रुक गई थी। पर्यावरण संरक्षण और अन्य उपायों के नाम पर किसानों को अरबों डॉलर की आर्थिक मदद दी जाती है, जिससे वस्तुतः लागत से कम कीमत पर माल बेचकर अमेरिकी उत्पादक बाज़ार पर कब्ज़ा कर सकते हैं।

- अमेरिका, अपने किसानों को अरबों डॉलर की सब्सिडी देता है। "एनवायरमैंट प्रोटैक्शन" (पर्यावरणीय सुरक्षा) आदि के नाम पर। इस सब्सिडी के कारण, अमेरिका के किसान अपना माल बहुत ही सस्ते दामों पर बेचता है। भारत इस सब्सिडी का मुकाबला नहीं कर सकता और उसे बाजार से उखड़ने का डर है, अमेरिकी माल के सामने।
- इसके अलावा, अमेरिका, अन्य देशों में उसके द्वारा विकसित जैनैटिकली मॉडिफाइड (जी.एम.) फसलें बेचना चाहता है, जिसे अन्य देशों के किसान सावधानी से परीक्षण किये बगैर स्वीकार नहीं करना चाहते।
- जापान ने तो व्यापार पर बातचीत करने से इंकार कर दिया था, जब अमेरिका ने अपना चावल उन पर थोपना चाहा था। जापान का तर्क था कि जापानवासी जापान में पैदा हुए "स्टिकी" चावल ही खाते हैं, उन्हें दूसरा चावल भाता ही नहीं।
- हालाँकि, 5 जुलाई से पहले भारत, अमेरिका से व्यापारिक समझौता कर लेना चाहता है, क्योंकि नहीं तो भारत पर भारी "टैरिफ" लगने की धमकी है।
- हालाँकि, कोई भी देश, कनपटी पर बंदूक लगाकर व्यापारिक सौदेबाजी बर्दाश्त करके अपना आत्मसम्मान नहीं खोना चाहेगा।

दूसरा मसला है, अमेरिका में बड़ी संख्या में जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलें उगाई जाती हैं। ऐसे बीजों का प्रसार और सामान्य खेती में उनका घुसपैठ करना भारत की पारंपरिक फसलों के लिए विनाशकारी हो सकता है। इससे देश की स्थानीय किस्मों की जैव विविधता को खतरा हो सकता है। इसलिए ऐसे बीजों को किसी नए पर्यावरण में अपनाने और उपभोग से पहले उचित सावधानी बरतनी आवश्यक है। इस संदर्भ में संरक्षण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

345 राजनैतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द

नयी दिल्ली, 26 जून। चुनाव आयोग ने ऐसे 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की पहचान कर उनको सूची से हटाने का काम शुरु कर दिया है जो पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मिलकर 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस दायरे में वे सभी राजनीतिक दल होंगे, जो 2019 से कहीं भी सक्रिय नहीं हैं। ये सभी पंजीकृत गैर-मान्यताप्राप्त दल देश के विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में मौजूद हैं। आयोग ने कहा है कि उसके संज्ञान में आया है कि वर्तमान में आयोग के पास 2,800 से अधिक पंजीकृत गैर मान्यताप्राप्त दल हैं।

- चुनाव आयोग ने कहा कि इन दलों ने 6 साल से कोई चुनाव नहीं लड़ा है।

विचार बिन्दु

''जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।''

- अरविन्द कटोच

राजनैतिक पार्टियां कब तक संविधान की अवज्ञा करती रहेंगी

देश की राजनैतिक पार्टियां कब तक संविधान की अवज्ञा करती रहेंगी।

देश की राजनीतिक पार्टियां चाहे वे पक्ष की हों अथवा विपक्ष की एक दूसरे पर दोषारोपण कर रही हैं कि वे देश के संविधान को खत्म करने पर आमादा हैं। कांग्रेस हो अथवा भाजपा जब भी वे शासन में रहे, उन्होंने संविधान के अमल में चूक की है।

भारत का वर्तमान संविधान भारत के लोगों ने बनाया है। उन्होंने स्वयं को ही इसे अंगीकृत, अधिनियमित कर आत्म अर्पित किया है। संविधान 26 जनवरी, 1950 से लागू हुआ। इस प्रकार हम भारत के लोगों ने भारत को एक सम्पूर्ण, प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य दिया।

प्राचीन काल में भारत में शासक धर्म से बंधे हुये थे। अत: धर्म की पालना होती थी। वर्तमान में यहां संविधान विधान वाद है। संविधान के अधीन जो कानून संसद द्वारा बनाये जाते हैं, लोकतंत्र उससे शासित होता है। इसका अर्थ है, देश धर्म से नहीं रूल ऑफ लॉ से चलता है। हम लोगों ने देश को धर्म निरपेक्ष माना और शासक के धर्म से अलग कर दिया। सभी नागरिकों को लोक व्यवस्था, सदाचार और संविधान में दिये गये अधिकारों व दायित्वों के अधीन अन्त:करण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार की स्वतंत्रता दी। संविधान निर्माताओं ने हमें सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक न्याय देने की प्रतिबद्धता अभिव्यक्त की है।

संविधान में देश धर्म निरपेक्ष है, किन्तु आज धर्म के नाम पर ही वोट मांगे जा रहे हैं। संविधान ने धर्म, जाति, लिंग के आधार पर भेद का निषेध किया है; किन्तु राजनीतिक पार्टियों ने जाति के आधार पर ही चुनावों में अपने अपने उम्मीदवार खडे.किये। संविधान ने कहा शक्ति का केन्द्र साधारण मतदाता है; किन्तु नेताओं ने मतदाता को शक्तिहीन कर दिया उसे जाति धर्म के नाम पर विभाजित कर दिया। गांधी के समय आन्दोलन अहिंसक थे, वर्तमान में हिंसक होते हैं तोडफोड की जातीी है। संविधान ने बाद हमने जागीरदारी वंशवाद को समाप्त किया। राजाओं के राज्य को छीना और जनता को शासक बना दिया; किन्तु राजनेता ही स्वयं तानाशाह होकर शासन चला रहे हैं। राज्यों में ही नहीं राजनैतिक पार्टियां भी वंशवाद में डूबी हुई हैं। वर्षों से देख रहे हैं, कम पढे.लिखे लोग कानून बनाने वाली संसद में आते हैं, जहां आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की संख्या बढ्र रही है। आचरण की शुद्धता कहीं खो चुकी है। संविधान ने समानता का अधिकार दिया, हमने आरक्षण का विष उसमें डालकर भेदभाव का भूत खड़ा कर दिया। साधरण भाषा में अल्पसंख्यक अभिप्राय मेजोरिटी के विपरीत है। अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग संविधान में अनुच्छेद 29/30 में धार्मिक व भाषायी ग्रुप के रूप में आता है। हमने राजनीतिक अल्पसंख्यक पैदा कर दिये। नेशनल माइनोरिटी अधिनियम, 1992 के माध्यम से हमने अल्पसंख्यक को यह कहकर परिभाषित किया कि अल्पसंख्यक वह ग्रुप है, जिसे केन्द्र सरकार अपनी विज्ञप्ति में अल्पसंख्यक घोषित कर दे। कानून जानने वालों इस ।तइपजतंतल परिभाषा को अवैध घोषित कराना चाहिये। टीएमए पाई के केस में सुप्रीम कोर्ट की वृहद पीठ ने अपने 2002 के निर्णय (2002 (8) एससीसी 481) में स्पष्ट कहा है कि धार्मिक व भाषायी अल्पसंख्यक अनुच्छेद 30 के अन्तर्गत आते हैं और इसका निर्णय राज्यों की इकाई के आधार पर होना चाहिये। यह सच है धर्म और भाषा के आधार पर अल्पसंख्यकों को अपने अपने शिक्षण संस्थानों को संचालित करने का अधिकार है।

> **भारत का वर्तमान संविधान भारत के लोगों ने बनाया है। उन्होंने स्वयं को ही इसे अंगीकृत, अधिनियमित कर आत्म अर्पित किया है। संविधान 26 जनवरी, 1950 से लागू हुआ। इस प्रकार हम भारत के लोगों ने भारत को एक सम्पूर्ण, प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य दिया।**

लोकतंत्र में मतदान सबसे अधिक मूल्यवान अधिकार है; किन्तु वह भी आज उपभोक्ता वाद में फंस चुका है। मतदाता को आसानी से लुभाया जा सकता है। फ्रीबीज भी तो मतदाता को दिया गया प्रलोभन ही है। जो निष्पक्ष भाव से मतदान करते हैं, अपने को ठगा मान रहे हैं। सबके सामने वोट बैंक का प्रश्न है।

सभी राजनैतिक पार्टियां चुनाव घोषणा पत्र जारी करती हैं; किन्तु क्या 5 वर्षों में उन्होंने वायदों की पालना की, कोई पूछने वाला नहीं है। संविधान से शायद वे ऊपर हैं।

क्या उपरोक्त कुछ घटनायें यह साबित नहीं करती कि राजनीतिक पार्टियां नियमित रूप से संविधान की अवज्ञा कर रही हैं।

आइये हम संविधान में शिक्षा, आरक्षण, भाषा, दलीय प्रणाली, लोकतंत्र में व्हिप का प्रयोग नीति निदेशक तत्व, मूल अधिकार व मूल कर्त्तव्यों आदि के बाबत भी चर्चा करें कि क्या देश की राजीनीतिक पार्टियां संविधान के संबंधित प्रावधानों की अवज्ञा तो नहीं कर रही हैं?

संविधान निर्माताओं ने संविधान के लागू होते समय अनुच्छेद 45 में शिक्षा के हेतु निर्देश दिया था कि देश के 14 वर्ष तक के बालकों/ बालिकाओं को संविधान के लागू होने से 10 वर्ष की अवधि में अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा पूरी की जावेगी। किन्तु 10 वर्ष की अवधि में अपने दायित्व को नहीं निभाया, अवज्ञा की। 10 वर्ष की अवधि का यह प्रावधान बाध्यकारी था। संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न भाग था। इसकी असमर्थता को छिपाने के हेतु संविधान का 86वां संशोधन अधिनियम, 2002 लाया गया। इसके अनुसार अनुच्छेद 45 में दिये गये 6 वर्ष तक के बालकों के मौलिक अधिकार छीन लिये गये। एक नया अनुच्छेद 21क संविधान में जोड़ दिया गया और उसमें 6 से 14 वर्ष के बालकों को ही शिक्षा का मूल अधिकार दिया गया। जिन्हें आरटीआई एक्ट 2009 के शिक्षा देने की व्यवस्था की। इसका यह असर है कि आज भी करोड़ों बच्चे जिनकी उम्र 6 वर्ष से कम है, शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाये हैं और अनिवार्य शिक्षा की धज्जियां उडाते हुये चौराहों पर भीख मांगते हुये या ढाबों में काम करते हुये नजर आते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में माना है कि यदि 14 वर्ष से कम आयु का लडका जेल में है तो भी उसकी शिक्षा की व्यवस्था जेल में की जावेगी।

नीति निदेशक तत्वों में अनुच्छेद 37 है, जिसमें कहा गया है कि नीति निदेशक तत्व कोर्ट में प्रवर्तनशील नहीं हैं; किन्तु वे भूल जाते हैं कि अनुच्छेद 41 स्पष्ट करता है कि देश के आर्थिक उत्थान और आर्थिक समृद्धि के हेतु, नीति निदेशक तत्वों के निर्देशों की पालना राज्य करेगा अर्थात् संविधान निर्माताओं ने देश की आर्थिक उन्नति पर भरोसा था कि देश की सरकार अपना यह ध्येय 10 वर्षों में प्राप्त कर लेगी। यों भी भाग 3 व भाग 4 के अधिकार मानव अधिकार हैं जो प्रवर्तनीय हैं। अनुच्छेद 21 की व्याख्या करते हुये माननीय सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में घोषणा की है कि देश के प्रत्येक नागरिक को शिक्षा का अधिकार है चाहे वह तकनीकी हो अथवा उच्च शिक्षा। देश अब तो विश्व की तीसरी आर्थिक इकाई बन चुका है। राजस्थान में 12वीं क्लास तक की शिक्षा अनिवार्य व नि:शुल्क है। कृपया कानून पढ़ें। संविधान में राजनीतिक आरक्षण का प्रावधान चुनाव में अनुसूचित जातियों व जनजाति के लोगो को खडे. होने का अधिकार अनुच्छेद 334 में दिया है। यह व्यवस्था केवल 10 वर्षों की थी और 10 वर्ष पश्चात वह स्वत: ही समाप्त हो चुका है। यह व्यवस्था संविधान के मूल ढांचे का भाग है; किन्तु प्रत्येक दस वर्ष के बाद इस अवधि 10 वर्ष और बढ्रा दिया जाता है। इस प्राकर की व्यवस्था को किये जाने वाले प्रावधान यानी संविधान संशोधन अधिनियम भी अवैध हैं। राज्य का यह कृत्य संविधान की घोर अवज्ञा है। संविधान संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली रिट् याचिकाये ंसन 2002 से लम्बित हैं। समता आन्दोलन समिति, जयपुर की भी एक याचिका है।

नेता लोग आज कल संसद व संसद के बाहर संविधान की पुस्तक लिये दिखाई देते हैं। आरोप लगाते हैं शासन के व्यक्ति संविधान को ही समाप्त करना चाहते हैं, पर वे शायद यह नहीं जानते उन्होंने स्वयं संविधान को शायद पढ्रा ही नहीं है। उनके अनुसार 35ए तथा अनुच्छेद 370 कश्मीर के लोगों को विशेष अधिकार देते हैं, उनके ये अधिकार छीन लिये गये हैं। अनुच्छेद 35ए को संविधान की किसी भी पुस्तक में आप ढूंढते ही रह जाओगे, क्योंकि वह संविधान का भाग है ही नहीं।

व्हिप का प्रयोग एक प्रक्रिया मात्र है इसके पीछे कानून की शक्ति (ँदबजपवद) नहीं है। इसका प्रयोग वहां संभवत: हो सकता है जहां पार्टी के गिरने का प्रश्न पैदा हो रहा हो; किन्तु संविधान संशोधन के हेतु इसका प्रयोग डेमोक्रेसी की हत्या करना है। मतदान का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व मतदाता का विशेषाधिकार है। गोपनीय मतदान के दर्शन के विपरीत है।

अंग्रेजी के मोह व भाषा विवाद के कारण संविधान निर्मात्री सभा ने संविधान का मूल प्रारूप अंग्रेजी में बनाया; किन्तु यह भी स्पष्ट कर दिया कि राजभाषा तो हिन्दी ही होगी। संविधान को जीम ब्वदेजपजनजपवद व प्दकपं नाम दिया और देश का नाम प्दकपं जींज पे ठींतंज रखा। जबकि देश का नाम भगवान ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम से पुकारा जाता रहा है।

इसके प्रमाण पुराणों महाभारत अनेक धर्मग्रन्थों में मिलते हैं। भारत शब्द का अर्थ है, धर्म में लीन (भा रत)। अंग्रेजी भारत देश में बोलने वाली भाषाओं में (मातृ भाषाओं) में नहीं है। संविधान की आठवीं अनुसूची में देश की 22 भाषायें हैं। हाँ, यहां हजारों बोलियां बोली जाती हैं। हमने कभी विचार नहीं किया कि प्दकपं शब्द का क्या अर्थ है। अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश (भाई, भोर्या) में इंडिया का अर्थ भारत है व प्दकपंद शब्द का अर्थ है अमेरिकन आदिवासी। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में एक समय इंडिया उस देश को कहा है जहां अनपढ्र चोर उच्चके आदिवासी रहते थे। संभवत: संविधान निर्माताओं से कहीं चूक हुई है, अत: संविधान संशोधन आवश्यक है। इस हेतु एक प्रतिवेदन भारत सरकार के समक्ष विचार हेतु लम्बित है।

सबको सन्मति दे भगवान!

-अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

युद्ध दो देशों में संघर्ष ही नहीं पारिस्थितिकी तंत्र पर भी डालता है असर

युद्ध के कारण जनहानि के साथ ही करोडों की संपत्ति और युद्ध सामग्री का नष्ट होना भी एक बात है। युद्ध आयुधों के प्रयोग के कारण प्रकृति पर प्रतिकूल असर पड़ता है

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

युद्ध केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं रहकर इसके साईड इफेक्ट जन-धन हानि से भी अति गंभीर होते हैं। युद्ध के चलते जिस तरह के गोला-बारुद और केमिकल युक्त बम, मिसाइलें और ना जाने क्या क्या का उपयोग होता है जो प्रकृति पर दूरगामी नकारात्मक असर छोड़ते हैं। आज भले ही इजरायल-ईरान युद्ध के बीच युद्धविराम हो गया हो और भारत पाक युद्धविराम की तरह इसका श्रेय भी डोनाल्ड ट्रम्प ले रहे हो पर युद्ध के दूरगामी दुष्परिणामों से आने वाली पाढ़ी और प्रकृति किसी को माफ करने वाली नहीं है। हांलाकि इजरायल-युद्ध में दोनों देशों द्वारा ही अपनी अपनी जीत के दावें किये जा रहे हैं पर यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता तो दूसरी और आज के समय में युद्ध किसी निर्णायक स्तर पर पहुंच ही जाये यह भी कहा जाना बेमानी होगा। इजरायल-ईरान युद्ध से पहले इजरायल-हमास युद्ध, भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिन्दूर और लंबे समय से लगातार चला आ रहा रुस-यूक्रेन युद्ध हमारे सामने हैं। आज चल रहे इन युद्धों में से किसी को भी निर्णायक स्तर पर पहुंचते हुए नहीं देखा जा सकता और आज के समय के इन युद्धों को निर्णायक स्तर पर ले जाने की बात करना भी बुद्धिमानी नहीं मानी जा सकती। आज का युद्ध कोई बच्चों का खेल नहीं है। यूक्रेन जैसा छोटा सा देश रुस जैसे बिग गन का पूरे साहस के साथ मुकाबला कर रहा है। देखा जाए तो आज दुनिया के हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। एक और युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं तो दूसरी और दुनिया के देश आंतकवादी गतिविधियों से दोचार हो रहे हैं। बांग्लादेश का तक्ता पलट हमारे सामने है तो पाकिस्तान में औपचारिक रुप से सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के समाचार देर सबेर आने ही है। अमेरिका में दूसरे देशों से शरणार्थी के रुप में आये लोग आये दिन नाक में दम कर रहे हैं। योरोपीय देश खासतौर से फ्रांस इसका भुक्तभोगी रह चुका है। देखा जाए तो दुनिया के अधिकांश देश अशांति के हालात से दो चार हो रहे हैं। युद्ध चाहे आज के जमाने का हो या पुराने जमाने का अपने निशान धरती पर लंबे समय तक के लिए छोड़.जाते हैं। यह कहना कि युद्ध इतिहास की बात रह जाता है, गलत होगा। यह विश्लेषण में युक्तिसंगत नहीं कहा जा सकता कि युद्ध के दौरान अमुख देश के इतने करोड रुपए प्रतिदिन खर्च हो रहे थे या युद्ध के कारण जनहानि के साथ ही करोडों की संपत्ति और युद्ध सामग्री का नष्ट होना भी एक बात है। इसके साथ ही युद्ध में प्रयुक्त सामग्री खासतौर से युद्ध आयुधों के प्रयोग के कारण प्रकृति पर कितना प्रतिकूल असर पड़ता है वह अकल्पनिय होता है। हालिया युद्धों में किस तरह से मिसाईलों का इश्तेमाल किया गया है और दूसरी और उन्हें नष्ट करने के प्रयास हुए हैं। इससे केवल क्षेत्र विशेष ही नहीं अपितु वायु मण्डल, पारिस्थिति तंत्र सहित प्रकृति पर गंभीर दूरगाामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बम, गोलाबारी, धुंआ, रासायनिक तत्वों के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों में बढ्रोतरी हुई है। ग्लोबल वार्मिंग पर इसका सीधा सीधा असर पडेगा। यह तो वायुमण्डल के प्रदूषित होने और ग्लोबल वार्मिंग की बात है दूसरी तरफ रासायनिक बमों के अवशेष और युद्ध के कारण बारुदी सुरंगों या बारुद आदि सामग्री के उपयोग के कारण भूजल, मिट्टी आदि भी प्रदूषित होती है और पानी के प्रदूषित होने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। इसके साथ ही जल, थल और नभ तीनों ही स्थानों पर जैव विविधता प्रभावित होती है। वन्य जीवों के साथ ही पशु-पक्षियों सहित अन्य प्रजातियों की विलुप्ति सहित अनेक दुष्प्रभाव सामने आते हैं। युद्ध के कारण जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों पर विपरीत प्रभाव आता है। पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावित होने के साथ ही युद्ध के कारण जिस तरह से जन-धन हानि और प्रकृति पर विपरीत प्रभाव के साथ ही युद्ध के कारण संसाधनों के नष्ट होने, उन्हें वापिस दुरुस्त करने, आधारभूत संरचना विकसित करने और कुछ कार्य तत्काल दुरुस्त करने के होते हैं तो कुछ सुधार कार्यों में लंबा समय लगना होता है। इस तरह से युद्ध के कारण केवल दो देशों के बीच तात्कालीक संघर्ष और संघर्ष विराम मात्र नहीं होता और युद्ध का असर केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं होता यहां तक कि युद्ध का असर युद्धरत देशों तक ही नहीं होता अपितु युद्ध के कारण प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकांश देश प्रभावित होते हैं और प्राकृतिक संसाधनों पर सीधा असर पडता है। आज जिस तरह से विश्व गांव की बात की जाती है ग्लोबल की बात की जाती तो है यह साफ है कि युद्ध केवल युद्धरत देशों ही नहीं अपितु समूचे विश्व को युद्ध की आंच से दो चार होना पडता है। ऐसे में साम्राज्यवादी सोच और अहम् को त्याग कर उसके स्थान पर आपसी समझ और बातचीत से ही समस्या का समाधान महत्वपूर्ण हो जाता है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
वरिष्ठ लेखक

भारत की पुलिस-का मनोविज्ञान

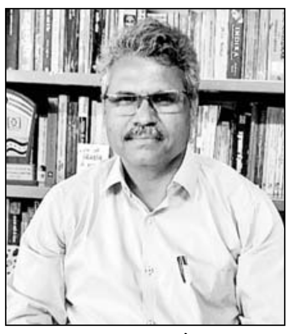

राम निवास बैरवा

राजस्थान के डी.जी.पी. (डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस) रहे थे डॉ. ज्ञान प्रकाश पिलानिया। उनका एक लेख उनकी सेवानिवृति के 15 वर्ष बाद और उन्हें भारतीय जनता पार्टी की तरफ से राज्यसभा का सदस्य बनाये जाने के तत्काल पहले मार्च 2004 में छपा था। 1978-79 में प्रशिक्षण के लिय वे इंगलैण्ड गये थे। वहां की पुलिस व्यवस्था की चर्चा अपने उस लेख में की थी। ाहां लंदन, स्कॉटलैण्ड यार्ड एवं अन्य महानगरों के पुलिस अधिकारियों से हुई बातचीत एवं जानकारी से दो सदाचरण- सत्यनिष्ठा (ईमानदारी) और कार्यकुशलता तथा दो मूल्य जिनके प्रति प्रतिबद्धता है- राजनीतिक तटस्थता एवं जाति-धर्म निरपेक्षता का उल्लेख करते हुए एक संस्मरण भी बताया था-

''-- मैंने मेनचेस्टर के तत्कालीन चीफ पुलिस कमीश्नर एच. एंडरसन से पूछा कि यदि इंगलैण्ड का होम सेक्रेटरी (गृहमंत्री) उन्हें किसी अपराधी, जिसके विरूद्ध चालान करने के पुख्ता सबूत हों, अदालत में चालान न करने की फोन पर सिफारिश करे तो आप क्या करेंगे? उन्होंने आश्चर्य से कहा कि ऐसी परिस्थिति कल्पनीय नहीं है। मैंने कहा, 'मान लीजिए ऐसा हो जाए?' उन्होंने बेहिचक जवाब दिया, 'मैं फोरन प्रेस कांफ्रेस कर यह दुराचरण जग-जाहिर कर दूंगा, जिसके कारण सरकार को इस्तीफा देने को बाध्य होना पडेगा उन्होंने यह भी कहा कि उनको उनके पद से केवल दो परिस्थितियों में ही हटाया जा सकता है; रिश्वत लेने या पागलपन के कारण। डॉ. पिलानिया जैसे कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी है जो रिटायर होने के बाद पुलिस व्यवस्था के बारे में बहुत लिखा है। पुलिस व्यवस्था में सुधार के लिए कई समितियों, आयोगों ने कई सिफारिशें भी की हैं, लेकिन उनका मकसद सिर्फ नये थाने खोलना, संचार व्यवस्थाओं में सुधार और पदोन्नति आदि सेवा शर्तों में सुधार तक ही सीमित रहा है। हालांकि, पुलिस की ड्यूटी की अवस्थाओं, उसका उन पर पड़ने वाले मानसिक असर की बातें भी की हैं- परन्तु किसी भी रिपोर्ट में पुलिस के कांस्टेबल से लेकर उच्चतम पदों पर बैठे आई.पी.एस. अधिकारियों तक के आमजनता के प्रति व्यवहार, अपराधों और अपराधियों के प्रति मनोदशा, मानसिकता के बारे में कभी कुछ नहीं कहा गया। नतीजा, यह है कि अच्छे वेतन, सुविधाओं के बावजूद पुलिस की मानसिकता में कोई बदलाव नहीं हो पाया है। इस प्रकार की मानसिकता के कारणों की पड़ताल आवश्यक है।

1970 के दशक में एक फिल्म आइ थी ''निशान्त''। सामन्तवादी समाज के परिवेश के साथ वर्तमान को भी जोडा गया था उस फिल्म में। उसके कथानक में जमींदार के परिवार के कुछ युवक एक अध्यापक की पत्नी को अपहरण करके ले जाते हैं और उसे निरन्तर बलात्कार का शिकार बनाते हैं, जबकि वे प्रतिदिन अपने खेतों में काम करने वाली औरतों, लडकियों का नियमित उपभोग तो करते ही हैं। अध्यापक की पत्नी के अपहरण को क्यों केंद्र में रखा गया है? इसलिए कि वह समाज को, प्रशासन को आन्दोलित करता है। इसी से पुलिस के व्यवहारिक मनोविज्ञान को समझा जा सकता है। खेतों में काम करने वाली औरतों, लडकियों से बलात्कार समाज को, प्रशासन को आन्दोलित नहीं करता। दरअसल, हमारा भारतीय समाज सामन्तवादी समाज व्यवस्था में जी रहा है। उसमें, नीची, पिछडी, आदिवासी, वनवासी लोगों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार, उनका शोषण, उनकी औरतों-युवतियों, लडकियों का शारीरिक शोषण सामान्य बात है। पुलिस और प्रशासन उसे अपराध नहीं मानता, उनका कोई संज्ञान नहीं लिया जाता। इसके उलट, उन्हें इन सबका आदि या हेबिच्यूअल मानकर उनकी अवहेलना कर दी जाती है, क्योंकि उनके साथ ऐसा व्यवहार करने वाले हमारे सभ्य समाज के वे ही लोग हैं जो किसी न किसी आर्थिक-राजनीतिक या प्रशासनिक प्रयोजन से उनके सम्पर्क में आते हैं।

इनमें उनके साथ सुरक्षा के नाम पर साथ चलने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी होते हैं। अत: उनके प्रति होने वाला प्रत्येक दुर्व्यवहार नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और स्वयं पुलिस को ही अपराधी बनाते हैं, अत: आमतौर पर उन लोगों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार नेताओं, प्रशासनिक के गलियारों को आंदोलित नहीं करता है। ऐसा इसलिए कि प्रशासन और पुलिस की सम्पूर्ण व्यवस्था भी उसी सामंती समाज की प्रतिछाया है, रेप्लिका है, अत: समाज के विभिन्न वर्गों, विभिन्न जातियों के प्रति पुलिस का व्यवहार भी उसी के अनुरूप होता है। अगर आप पुलिस थाने में कोई शिकायत लेकर जाते हैं तो अनकहे ही वे आपकी जाति, धर्म, आर्थिक स्थिति और प्रशासनिक तथा राजनैतिक हैसियत का आंकलन कर लेते हैं तथा उसी अनुरूप आपके प्रति व्यवहार तय कर लेते हैं। दूसरे, पुलिस का एक और मनोवैज्ञानिक सोच है। वह है, देश का हरेक नागरिक, नागरिक होने के पहले एक अपराधी है। यह सोच लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा संवैधानिक मान्यताओं के अनुरूप नहीं है। वैसे तो भारत के विद्यमान सभी कानूनों में ''चूककर्त्ता-डिफॉल्टर'' बनाये जाने के प्रावधानों लिखे गये हैं, जिनके लिए प्रशासनिक अधिकारी सजा देने को तत्पर रहता है और बचने-बचाने के लिए रिश्वतों का लेन-देन किया जाता है। लेकिन पुलिस ीं नजर में आप हर कदम पर अपराधी है, चाहे आप सड़क पर चल रहे हों या किसी सार्वजनिक स्थान पर अपनी मानसिक शान्ति के कुछ पल ढूंढ रहे हों, और कुछ नहीं तो आवारागर्दी की धाराएं बताना शुरू कर देंगे, ट्रैफिक पुलिस किसी तरह से आपको चालान की धमकी देकर और आपका ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर लेने की धमकी से आपको अपराधी बना ही देंगे। यदि आप किसी पुलिस के कांस्टेबल से भी नियम-कानून की बात कहेंगे तो उसका सीधा सा रोबीला जवाब होता हैं-''हमें कानून सिखा रहे हो क्या?'' ऊपर के अधिकारी तो जजों से भी ज्यादा कानून के ज्ञाता मानते हैं अपने आपको- आप अपनी बात कहने की कोशिश करेंगे तो आप ''शान्ति भंग'' के लिए नहीं तो राजकार्य में दखल देने के अपराधी बना दिये जायेंगे।

आप अगर अपनी शिकायत की कोई अन्य प्रकार की जानकारी लेना चाहेंगे तो मौखिक तरीके से ही बताया जायेगा- लिखित में आपको कुछ नहीं देंगे। लिखित में आपको सिर्फ ''थान में हाजिर होने'' का नोटिस ही मिलता है। और सबसे बड़ी बात, पुलिस में दर्ज आपके किसी भी अपराध को न्यायालय तक नहीं बदल सकता है? आपको अदालतों के चक्कर लगाने ही पड़ेंगे और जेल में बंद रहना पड़ा तो वो भाग्य। राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा बाकी लोगों को यही सब भुगतना पडताा है। पुलिस यह भी जानती है कि उनके चंगुल में फंसा हरेक आदमी सुप्रीम कोर्ट, हाई-कोर्ट तो दूर, सेशन कोर्ट तक भी जाने की फीस नहीं जुटा पाता है। यह भी पुलिस की मानसिकता का एक तत्व है। इसी तरह के व्यवहार-व्यवस्था के चलते आज भारत में - दिसंबर 2022 तक- कुल 5,73,220 कैदियों में 4,34,302 यानि कि 75.8 प्रतिशत विचाराधीन कैदी हैं। इनमें 1,63,000 ओबीसी से, 1,00,000 अनुसूचित जातियों, 54,000 अनुसूचित जनजातियों के तथा 1,26,000 अन्य वर्गों, जातियों से संबंधित विचाराधीन कैदी थे। यह पुलिस की उसी मनोदशा को दर्शाता है। आई ए एस, आई पी एस अधिकारियों से विवके का इस्तेमाल करके, जिसे एप्लीकेशन ऑफ माइंड कहा जाता है, निर्णय लेने की, व्यवहार करने की बात होनी चाहिए जो यहां तो कहीं भी देखने को नहीं मिलती।

इंगलैंड में मेट्रोपोलिटन पुलिस एक्ट-1829 में बनाया गया था, लेकिन भारत का पुलिस एक्ट, 1861 ऐसा नहीं बनाया गया क्योंकि भारत में इंगलिश कानून जैसा कानून अंग्रेजों के लिए सुविधाजनक नहीं था।

वैसा कानून बनाना आज भी सरकारों के लिए बहुत ही मुश्किल काम है। 1861 के पुलिस कानून को बदलना सरकारों के लिए सुविधाजनक नहीं है, बेशक, 1860 की भारतीय दंड संहिता, 1872 के साक्ष्य अधिनियम और 1973 के क्रीमिनल प्रोसीजर कोड, इन तीनों को 2023 में बदलकर नये नामों से जारी कर दिया गया है, उक्त तीनों कानूनों के लिए काम करने वाली पुलिस का 1861 का कानून नहीं बदला जा सकता है और न ही बदला जायेगा। क्यों नहीं बदला जा सकता? स्वयं पिलानिया जी ने ही स्पष्ट किया है- ''.......ब्रिटिश राज में बने 1861 के पुलिस एक्ट का जिक्र करना प्रासंगिक होगा जिसमें लिखा है- पुलिस सरकार की नौकर है, कानून की नहीं। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि पुलिस सत्तारूढ्र पार्टी की नौकर है। यह एक अत्यंत भयानक एवं अलोकतान्त्रिक अवधारणा है कि पुलिस कानून की नहीं सरकार की नौकर है। क्या सरकार कानून से ऊपर होती है? सरकार की इच्छानुसार, लाचार पुलिस कानून तोड़ती-मरोड़ती रहती है। पुलिस कर्मचारियों के सिर पर हर समय ट्रांसफर की तलवार लटकती रहती है। जब भी नई सरकार सत्ता में आती है, थोक में ट्रांसफर किये जाते हैं।

कोई राज्य हो, हर जगह यही होता है। पुलिस प्रशिक्षण में दिये जाने वाले तटस्थता, निस्पष्टता जवाबदेही, गरिमा, मानवीय अधिकार, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता संबंधी प्रवर्चन निरर्थक हो जाते हैं।''और डॉ. ज्ञान प्रकाश पिलानिया, पुलिस महानिदेश के सेवानिवृति के बाद की स्वीकारोक्ति पुलिस प्रशासन के धरातल पर तो कोई बदलाव नहीं ला सकती, लेकिन बुद्धिजीवियों को दिल बहलाने का अच्छा मसला तो दे ही देती है।

-राम निवास बैरवा, पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त।

राशिफल शुक्रवार 27 जून, 2025

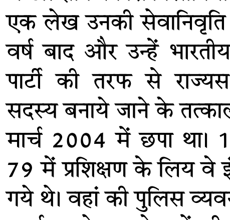

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ मास शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2082, पुर्नवसु नक्षत्र प्रात: 7.22 तक, व्याघात योग रात्रि 9.10 तक, कौलव करण दिन 11.20 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरु-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा।

आज सवार्थ सिद्धि योग प्रात: 7.22 तक है। राजयोग प्रात: 7.22 से सूर्योदय तक है। आज रथ यात्रा उत्सव, मेला आषाढी दशहरा श्रीजगदीश जी रथयात्रा जगन्नाथपुरी है। आज मुर्हरम मु.मास 1 हिजरी सन् 1447 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चट सूर्योदय से 7.22 तक, लाभ-अमृत 7.22 से 10.47 तक, शुभ 12.29 से 2.12 तक, चट 5.37 से सूर्यास्त तक

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष
मित्रों-रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

संक्षिप्त

नवनियुक्त कलक्टर का स्वागत

भरतपुर, (निस)। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा भरतपुर द्वारा भरतपुर में नवनियुक्त जिला कलक्टर कमर उल जमान चौधरी गुर्जर का जिला अध्यक्ष श्रीराम चन्देला के नेतृत्व में साफा, माला व भगवान देवनारायण की तस्वीर भेंट कर ससम्मान स्वागत किया गया। कलक्टर द्वारा वक्त सम्मान गुर्जर समाज को अच्छा महत्व दिया गया। इस मौके पर जिला कलक्टर द्वारा समाज के पिछड़े लोगों को जागरूक कर जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने के लिये महासभा को सुझाव दिया गया। स्वागत करते समय अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के निम्न पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग जिनमें यदुनाथ दारापुरिया, घनसुन्दर दारापुरिया, गोविंद सिंह एडवोकेट, रामस्वरूप कपरौली, विजय सिंह भाटी, राजेन्द्र माढौनी, भीमसिंह पहलवान, सोनू गुर्जर इत्यादि उपस्थित रहे।

8000 ठंडे पानी के पाउच बांटे

भरतपुर (निस)। अलायंस क्लब भरतपुर प्रान्त 120एन भरतपुर द्वारा "प्यास सेवा दी" के संस्थापक एवं अलायंस के प्रान्तपाल ओंकार सिंह संधु के संयोजन व पास्ट इन्टरनेशनल डायरेक्टर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में रेल्वे स्टेशन पर पानी के ठंडे पाउच यात्रियों को देकर प्यास बुझाने का कार्यक्रम किया। संयोजक ओंकार सिंह संधु ने बताया कि आज 8000 पाउचों से सेवा की जा रही है।
इस कार्य में जल वितरण में ओंकार सिंह संधु, हरेन्द्र कुमार शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, सुरेन्द्र गर्ग, अशोक कुमार, आर.एस. गुप्ता, इन्दुसचैन गुलाठी, करतार सिंह, मोहित शर्मा, आशु कुमारी, प्राची कुमारी, देवी सिंह, रूचि खंडेलवाल आदि स्वेच्छिक सेवायें प्रतिदिन वितरण में दे रहे हैं।

कपडे, किताबें और खिलौने किए जा रहे एकत्रित

गंगापुर सिटी । पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के अंतर्गत एक विशेष संग्रहण अभियान चल रहा है। नगर परिषद् की टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र के बारे में जानकारी दे रही है। नगर परिषद् की टीम घर-घर जाकर लोगों से पुरानी वस्तुएं एकत्र कर रही है। इनमें पुराने कपडे, किताबें और बच्चों के खिलौने शामिल हैं। एकत्र की गई सभी वस्तुएं मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र को सौंपी जाएंगी। जरूरतमंद लोग इन वस्तुओं को केंद्र से प्राप्त कर सकेंगे। टीम ने वार्ड नंबर 12 शास्त्री नगर का दौरा किया। वहां निवासियों को केंद्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। स्थानीय लोगों ने अपने घरों से पुराने कपडे और किताबें दान में दीं।
फोटो-6-गंगापुर सिटी। एक घर से पुराने कपडे एकत्रित करते कार्यकर्ता।

महिला मण्डल कार्यकारिणी की घोषणा

गंगापुर सिटी। जिला अग्रवाल समाज संघ ने महिला मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन किया। जिलाध्यक्ष गोविंद प्रसाद बरनाला के नेतृत्व में हुई नियुक्तियों में रेखा गर्ग को जिला अध्यक्ष बनाया गया। संरक्षक पद पर गंगापुर सिटी से सरोज गर्ग और सवाई माधोपुर से सुनीता जैन को चुना गया। सोनिका गोयल को वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। जिला उपाध्यक्ष के रूप में गंगापुर सिटी से चंचल गुप्ता और बोली से मंजू गोयल को मनोनीत किया गया। सवाई माधोपुर की सुनीता अग्रवाल जिला महामंत्री बनीं। गंगापुर से रजनीश सिंघल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अनामिका सिंघल को जिला प्रचार मंत्री और कृष्णा गुप्ता को जिला संगठन मंत्री बनाया गया। रजनी सिंघल को जिला सांस्कृतिक मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। तहसील स्तर पर सुमन आर्य को अध्यक्ष, मिथिलेश को मंत्री और मंजू गर्ग को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। जिलाध्यक्ष गोविन्द बरनाला, प्रचार मंत्री वेदप्रकाश मंगल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं है।

27, 28 और 30 जून का शिविर कार्यक्रम जारी

भरतपुर (निस)। राजस्व विभाग राजस्थान सरकार जयपुर द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाडा 24 जून से 9 जुलाई 2025 तक आयोजित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिला कलक्टर कमर चौधरी ने बताया कि अन्त्योदय सम्बल पखवाडा के तहत 27,28 और 30 जून को आयोजित होने वाले उपखण्डों की ग्राम पंचायतवार कैलेण्डर जारी किया गया है। अभियान जिले की समस्त ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर आयोजित किया जाना है।

चिकित्सा संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने पर जोर

■ अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कम्यूनिटी हैल्थ ऑफिसर, नर्सिंग ऑफिसर, पीएचएम को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया

भरतपुर (निस)। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कम्यूनिटी हैल्थ ऑफिसर, नर्सिंग ऑफिसर, पीएचएम को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में तम्बाकू सेवन से होने वाले हानिकारक दुष्प्रभावों को छोडने के उपाय एवं कोटपा -2003 की विभिन्न धाराओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

प्रशिक्षण मे सभी प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि वे सभी अपने - अपने चिकित्सा संस्थानों को तम्बाकू मुक्त चिकित्सा संस्थान के रूप में स्थापित करे। जिसके अंतर्गत संस्था प्रभारी को तम्बाकू मुक्त चिकित्सा संस्थान का बोर्ड मुख्य गेट पर लगाने हेतु निर्देशित किया। जिससे वहा आने वाले आम नागरिकों को तम्बाकू नियंत्रण से संबंधित जानकारी हो सके साथ ही संस्थान पर आने वाले तम्बाकू उपयोगकर्ता को तम्बाकू से होने वाली समस्त बीमारियों के संबंध में जानकारी देना एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर संचालित डेन्टल यूनिट्स, सैटेलाईट हॉस्पिटल एवं आरबीएम में संचालित तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श केन्द्र पर भेजने हेतु निर्देशित किया।

कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 गौरव कपूर ने कार्याशाला में बताया कि तम्बाकू से प्रतिवर्ष राजस्थान में 50 हजार लोग, भारत में 10 लाख लोग एवं विश्व में 60 लाख लोगो की मृत्यु तम्बाकू सेवन के कारण होती है। धूम्रपान/तम्बाकू से घातक रोग जैसे पेट, गला, मूह श्वास नली, फफडे, लीवर, आमाशय एवं रक्त का कैसर होता है। इसमें कार्सिनोजेनिक (कैसर कारक) पदार्थ पाये जाते है।

इस अवसर पर डॉ0 असित श्रीवास्तव उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। आज समाज में नई-नई युवा पीढी नशे की लत में पढ रही है जो कि बहुत ही चिन्ता का विषय हैं। आज युवा पीढी को समझना होगा कि नशा व्यक्ति को अंदर से धीरे -धीरे खोखला कर देता है एवं बिमारियों की चपेट में आ जाता हैं जिससे परिवार को सामाजिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर कर देता है।

कार्याशाला में जिला कार्यक्रम अधिकारी नीरजा कुंतल, डीपीसी पुरूषोत्तम शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी एनयूएचएम ओमवीर कुंतल, ब्लड सैल प्रभारी पवन शर्मा एवं जिला आईईसी समन्वयक राममोहन जांगिड इत्यादि मौजूद रहे। कार्यशाला के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।

पदाधिकारियों का भव्य स्वागत

भरतपुर (निस)। राजस्थान मंत्रालयिक अधिकारी कर्मचारी संघ सार्वजनिक निर्माण विभाग जयपुर के तत्वावधान में संपूर्ण प्रदेश के जिलों में जिला अध्यक्ष के चुनाव संपन्न करवाने की प्रक्रिया के तहत् 26 जून को भरतपुर जिले में पदस्थापित समस्त मंत्रालयिक कार्मिकों द्वारा एक मीटिंग सा. नि.वि. कार्यालय भरतपुर में आहूत की गई जिसमें समस्त मंत्रालयिक कार्मिकों ने सर्वसम्मति से खेम सिंह सहायक प्रशासनिक अधिकारी' को जिलें का अध्यक्ष निर्वाचित किया। इस दौरान जयपुर अध्यक्ष नवल किशोर सैनी, अम्बा लाल मीणा, दयाराम चौधरी, महेन्द्र सिंह, अनिल शर्मा, नरेन्द्र कुमार, गगन बाजिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को नियुक्ति पत्र प्रदान किया तथा बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की भरतपुर जिलें के कार्मिकों ने जयपुर से आये सभी पदाधिकारीयों का साफा एवं माला पहना कर के बहुत ही जोरदार ढंग से स्वागत किया।

छह साल से फरार दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

हिंडौन सिटी। थाना सदर हिंडौन पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म के मामले में 6 साल से फरार चल रहे वांछित आरोपी रवि कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश, जिला पुलिस अधीक्षक करौली बृजेश कुमार ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत हुई।

जानकारी के अनुसार गत 10 जून को पीड़िता ने थाना सदर हिंडौन में शिकायत दर्ज कराई कि 20 मई को दोपहर 1:30 बजे आरोपी रवि कुमार यादव ने उसके घर में घुसकर उसे डरा-धमकाकर जबरन दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, उसने घटना की वीडियो बनाकर उसे सार्वजनिक करने की धमकी दी और पिछले 6-7 सालों से लगातार उसका शारीरिक शोषण करता आ रहा था। इस मामले में थाना सदर में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान अपराध सिद्ध होने पर थानाधिकारी देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की।

सार-समाचार

सवाईमाधोपुर में कचरे के ढेर से सड़ रहे है मार्ग

सवाई माधोपुर । जिला मुख्यालय पर कई जगह कचरे का ढेर लगा हुआ है जिससे गंदगी का आलम फैला रहता है। जिला मुख्यालय की साफ सफाई का जिम्मा नगर परिषद का होता है। परन्तु यहां सिर्फ जहाँ कोई वीआईपी वही साफ सफाई कराई जा रही है। अधिकारियो का काम पर कम, कमाई पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है की हम तो आदेश की प्रतीक्षा करते है ज़ब अधिकारी ही क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को लेकर कोई आदेश नहीं देंगे तो कौन करेगा साफ सफाई। बजरिया से रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाले मार्ग पर गणेश मंदिर के पास और शर्मा होटल के पास नाला कचरों के ढेर से लबालब हो रखा है और इसी मार्ग से आदेश देने वाले अधिकारी तो आने वाले अथिति निकलते समय बदबू से सडे मार्ग को देख मुँह फेर लेते है। बारिश से पूर्व नगर परिषद द्वारा क्षेत्र के सभी नालो की साफ सफाई करवाई जाती है जिससे वर्षा का पानी आसानी से निकल सके। परंतु अब तक क्षेत्र में नालो की सफाई का कार्य होता नहीं दिखाई दे रहा है। बारिस हो या अन्य मौसम रोड लाईट का हाल बेहाल देखने को मिलता है। सब्जी मंडी की बात की जाये तो अतिक्रमण का ढेर लगा हुआ है जिससे निकलने वाले लोगो को असुविधा का सामना करना पड़ता है। अतिक्रमण को लेकर कई बार स्थानीय विधायक डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने भी स्वयं खडे रहकर कार्यवाही करवाई परन्तु वो कहावत साबित होती है कुछ समय उजाला बाद में अंधेरा। लोग कुछ दिन आदेश की पालना करते है फिर वापस रोड पर अतिक्रमण कर लेते है और नगर परिषद के अधिकारी इस पर ध्यान नहीं देकर अपनी मौज मस्ती कमाई पर ध्यान लगाये हुए है।

ग्रामीणो ने की जिला कलेक्टर से शिकायत

गंगापुर सिटी । तलावडा में तहसीलदार कमल पंचौरी की कार्यप्रणाली से क्षेत्र के लोग नाराज हैं। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, तहसीलदार पिछले 8-1० महीने में केवल 1०-15 बार ही कार्यालय आए। वह भी सिर्फ कुछ घंटों के लिए। इससे फरियादियों को बिना काम के लौटना पडता है। तहसीलदार ने गंगापुर सिटी में अपना समानांतर कार्यालय बना रखा है। वहां से चुनिंदा कर्मचारियों के माध्यम से काम चला रहे हैं। 12 जून 2०25 को राज्य सरकार की जनसुनवाई में भी तहसीलदार मौजूद नहीं थे। इस पर सामाजिक कार्यकर्ता हिम्मत सिंह ने राजस्थान संपर्क पोर्टल 181 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद भी कोई सुधार नहीं हुआ 24 जून 2०25 को तलावडा में आयोजित पंडित दीनदयाल अंत्योदय संबल पखवाडा शिविर में भी तहसीलदार नहीं पहुंचे। इस पर उपखंड अधिकारी गंगापुर सिटी के सामने आमजन ने नाराजगी जताई। सामाजिक कार्यकर्ता हिम्मत सिंह ने जनता की ओर से शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद तहसीलदार ने अपने अधीनस्थ गिरदावर को हिम्मत सिंह के खेतों के आसपास सरकारी जमीन पर फर्जी अतिक्रमण की रिपोर्ट बनाने का दबाव डाला। ताकि हिम्मत सिंह को झूठे मुकदमे में फंसाया जा सके। क्षेत्र के सरपंच, जनप्रतिनिधि और कर्मचारी भी तहसीलदार की कार्यशैली से परेशान हैं। कर्मचारी दबाव में या तो मौन रहते हैं या गलत काम करने को विवश होते हैं। ज्ञापन में तहसीलदार को हटाने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन पर हिम्मत सिंह राजावत, बुधराम खराना, सूरज मल, सत्येन्द्र गौतम, गोपालसिंह, गब्बर सिंह, कैलाश चक, पच्न योगी, रूपचंदा ताली, बतीलाल सहित कई लोगों के हस्ताक्षर हैं।

एबीवीपी ने कॉलेज में किया हैल्पडेस्क का शुरू

गंगापुर सिटी । राजकीय महाविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने छात्रों की सहायता के लिए एडमिशन हेल्प डेस्क शुरू की है। एबीवीपी के खेलो भारत जयपुर प्रांत सह संयोजक मनोज सैनी ने हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया। महाविद्यालय में बीए, एमए, बीएससी सहित सभी वर्षों के एडमिशन फॉर्म 16 जून से ई-मित्र के माध्यम से भरे जा रहे हैं। छात्रों को इन फॉर्म की हार्ड कॉपी 2० जून से 5 जुलाई तक कॉलेज में जमा करनी है। एबीवीपी ने छात्रों की सुविधा के लिए यह हेल्प डेस्क लगाई है। कार्यकर्ता छात्रों के फॉर्म की जांच कर उन्हें जमा कराने में मदद कर रहे हैं। एबीवीपी नगर मंत्री सचिन गुर्जर और नगर सह मंत्री सुरेंद्र पटेल ने छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे अंतिम तिथि से पहले अपने एडमिशन फॉर्म की हार्ड कॉपी जमा करा दें। हेल्प डेस्क पर मनोज सैनी, सचिन गुर्जर, सुरेंद्र पटेल, सचिन दोई, देव गुर्जर, सोया खान सलेमपुर, लक्ष्मी नाम, विनीत खंडिप, गोलू, वीरेंद्र और रिंकू बैरवा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सालोदा रोड पर पानी भरने की समस्या को लेकर तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

गंगापुर सिटी । सालोदा मोड पर पानी भराव की समस्या को लेकर लोगो का आक्रोश फूट पडाऔर वहां के निवासियो ने तहसीलदार को ज्ञापन सौप कर जलभराव से निजात दिलाने की मांग की। वहीं पार्षदों ने भी सालोदा मोड पर नाले से पानी की निकासी न होने की समस्या को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। वार्ड 45 के पार्षद शिवलहरी मीणा और वार्ड 48 के पार्षद विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि उदेई मोड से सालौदा तक बने नाले की सफाई नहीं होने से सडक पर गंदा पानी जमा हो रहा है। ऐसे में यह समस्या आसपास के लोगों, राहगीर और वाहन ड्राइवरों के लिए परेशानी का सबब बन चुकी है। उन्होंने बताया कि कई बार इस समस्या के समाधान की मांग की गई, लेकिन अभी तक नालो की सफाई नहीं की गई है और ड्रेनेज सिस्टम को भी सही नहीं किया गया है जिससे सडक पर जमा पानी होने के कारण लोगों में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण सडक पर पानी भरने के बाद गड्ढों का पता चल नहीं चल पाता है। जिसके कारण दुर्घटना का भी अंदेशा होता है। उन्होंने कहा कि इससे कोई भी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने तहसीलदार से नालों की पूरी तरह से सफाई करवाकर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है।

पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दी

करौली , (निंसं.) भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा करौली शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की अध्यक्षता मे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर बलिदान दिवस भंवर पैलेस करौली में मनाया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने श्यामा प्रसाद की जीवनी पर प्रकाश डाला तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा दिए गए एक राष्ट्र में दो निशान दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे और उन्होंने जम्मू कश्मीर जाकर अपना आत्म बलिदान देकर राष्ट्र की प्रति अपने समर्पण भाव को व्यक्त किया उक्त कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद सिंहल,जिला महामंत्री धीरेंद्र बैंसला,जिला उपाध्यक्ष सुरेश शुक्ला, करौली नगर परिषद सभापति प्रतिनिधि सुशील शर्मा,विद्या देवी वैष्णव,मंडल महामंत्री आशीष जैन, तेजेंद्र सिंह,नितेश,विक्की गुरु, कपिल जिंदल,धनसिंह, धर्मी,कान्हा व्यासअजीत सिंह टटबाई, जीतू शुक्ला, आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रोडवेज बस स्टैंड में गंदगी को देख भड़के उपमुख्यमंत्री

■ करौली दौरे पर आए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री गुरुवार को वापस जयपुर लौटते समय अचानक करौली के केंद्रीय रोड बस स्टैंड पहुंचे जहां उन्होंने गंदगी और अव्यवस्था को देखकर गहरी नाराजगी जाहिर की

करौली, (निंसं.) करौली जिला मुख्यालय पर संविधान हत्या दिवस के अवसर पर लोकतंत्र के सैनानियो के सम्मान कार्यक्रम में भाग लेने आए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा ने रात्रि को करौली के सर्किट हाउस में विश्राम किया गुरुवार को प्रातः उप मुख्यमंत्री बैरवा जन जन के आराध्य देव भगवान मदन मोहन जी महाराज के मंदिर में पहुंचे जहां उन्होंने दर्शन लाभ लेते हुए प्रदेश में अमन चैन और खुशहाली की मनौती मांगी इस दौरान मंदिर ट्रस्ट की ओर से उनको प्रसाद और दुपट्टा भेटकर सम्मान किया वही समाजसेवी बबलू शुक्ला, सनी शर्मा, जीतू शुक्ला आदि लोगों ने भगवान मदन मोहन जी महाराज का चित्रपट्ट भेटकर सम्मान किया प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सर्किट हाउस से जयपुर जाते समय अचानक केंद्रीय रोडवेज बस स्टैंड का निरीक्षण करने पहुंच गए जहां उन्हें भारी अव्यवस्था और गंदगी के ढेर लगे दिखाई दिए उन्होने नाराजगी जाहिर करते हुए उच्च अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए इसके अलावा उन्होंने बस स्टैंड परिसर में रोडवेज डिपो के यार्ड का निरीक्षण किया जहां उन्हें बंद पडी अन्नपूर्णा रसोई के स्थान पर अन्य लोग खाना बनाते मिले जिस पर उन्होंने जांच के निर्देश दिए वहीं प्रत्येक कक्ष का ताला खुलवाकर निरीक्षण किया एव उप मुख्यमंत्री को बसो के शी`ो टूटे मिले वही उप मुख्यमंत्री जयपुर जा रही एक बस मे भी चढ गये जहा उन्होने बस मे बैठी सवारियो से सुविधाओ को लेकर चर्चा कि देखने लायक यह रहा कि उप मुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री के करौली दौर के दौरान प्रोटोकॉल के हिसाब से रोडवेज का एक भी अधिकारी मौके पर उपस्थित नही था ना ही बस स्टैण्ड परिसर कि साफ सफाई कि गई इस दौरान लोगों ने रोडवेज बस स्टैण्ड संबंधी व्यवस्था में सुधार और करौली से रोडवेज डिपो के संचालन के ज्ञापन सौपे इस दौरान करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, नगर परिषद सभापति राजरानी शर्मा, लोकसभा प्रत्याशी इंदु देवी जाटव, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी, सुरेश शुक्ला, जयेंद्र सिंह एडवोकेट, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया,प्रहलाद सिंहल, विद्या वैष्णव सहित कई अन्य भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता साथ रहे।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

करौली । विश्व स्तर पर नशीले पदार्थो के बढ़ते सेवन एवं नशे से उपजने वाले हानिकारक प्रभावो को रोकने, जनजागरूकता पैदा करने हेतु राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला मानसिक स्वास्थ्य ईकाई करौली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस का आयोजन जिला कारागृह करौली मे किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कारठाह मे आवासरत बंदियों को नशीले पदार्थो के सेवन से होने वाले नुकसान के वारे मे बताया। संगोष्ठी मे नशा मुक्ति विशेषज्ञ डॉ प्रेमराज मीना ने युवाओं मे तेजी से बढ़ती नशे की समस्या विशेषकर स्मैक,केमिकल का नशा के बारे मे प्रकाश डालते हुए सम्पूर्ण नशा मुक्ति हेतु पांच प्रमुख स्मार्ट तरीके जिनमे नशा मुक्ति हेतु दृढ निश्चय,नशीले पदार्थो एवं इससे जुड़े दोस्तों से दूरी,परिजनों का सकारात्मक सहयोग, मनोचिकित्सक की सलाह, और सबसे जरुरी किसी ना किसी कार्य मे व्यस्तता जरुरी है।

लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री ने लिया भाग

करौली, (निंसं.) तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा, आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक, चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा, होम्योपैथी आयुष, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग एवं उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि जिले में लोकतंत्र सेनानियों का आपातकाल के दौरान महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उपमुख्यमंत्री बुधवार को करौली कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सूचना केन्द्र के टाउन हॉल में जिला स्तरीय लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि हम सभी को लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा संघर्ष करते रहना चाहिए प्रदेश व देश में जनहित की विभिन्न योजनाऐं जैसे डिजिटल इंडिया, बेटी बचाओ बेटी पढाओं योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन सहित जनहित की योजनाऐं संचालित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र सेनानियों द्वारा मांगे रखी गयी जिन्हे पूर्ण करने का उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि लोकतंत्र को फिर से स्थापित करने में लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को याद रखना चाहिए। इस दौरान लोकतंत्र सेनानी कैलाश चंद शर्मा व केसर सिंह नरूका ने आपातकाल के दौरान के अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी कैलाश चंद शर्मा, ऊधो सिंह,सुरेश चंद गुप्ता,केसर सिंह नरूका व कैलाश चंद शर्मा को उपमुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान लोकतंत्र सैनानीयो के चरण स्पर्श कर और शॉल उडाते हुए सम्मान किया कार्यक्रम के दौरान करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर,सपोटरा विधायक हंसराज मीणा,हिण्डौन की पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव, टोडाभीम के पूर्व विधायक रमेश चंद मीणा, नगर परिषद करौली की सभापति डॉ राजरानी शर्मा सहित जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

साहू महाराज की जयंती पर सामाजिक समता जोर

भरतपुर (निस)। भरतपुर के उच्चौन में बहुजन समाज पार्टी के तत्तवाधान में राजर्शि छत्रपति साहू महाराज का 151वां जन्म दिवस पूरे हर्शोहल्लास के साथ श्यामा ष्याम मन्दिर में मनाया गया इस मौके पर मुख्य अतिथि मोहन सिंह गूर्जर, पूर्व प्रदेष महासचिव बहुजन समाज पार्टी, राजस्थान ने अपने वक्तव्य में कहा कि 26 जुलाई 1902 को छत्रपति साहू महाराज ने अपने राज्य कोल्हापुर में पहली बार आरक्षण की व्यवस्था लागू की जिसमें दलित और पिछड़े समाज के लोगों को पचास प्रतिषत आरक्षण देकर समता मूलक समाज की स्थापना की इस आरक्षण व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा परमपूज्य बाबा अम्बेडकर ने भारतीय संविधान में लागू किया। इसी मौके पर विषिष्ठ अतिथि राजवीर बैंसला ने साहू महाराज के जीवन की खूबियां गिनाते हुये जीवन षैली पर प्रकाष डाला। मीटिंग की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुरेष धर्मपुरा ने की तथा आगामी एक माह में नदबई विधानसभा का संगठन सेक्टर व बूथ स्तर तक मय सदस्यता के सभी कार्यकर्ताओ से बनाने का आ हान किया।

ग्राम पंचायतों में शिविरआयोजित होंगे

करौली, (निंसं.) नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि आज शुक्रवार 27 जून को ब्लॉक करौली की ग्राम पंचायत मांची व गुडला,ब्लॉक मासलपुर की ग्राम पंचायत पिपरानी व खुडा,उपखंड टोडाभीम की ग्राम पंचायत पदमपुरा, गोरडा व निसूरा, उपखंड हिण्डौन की ग्राम पंचायत मोठियापुरा व भंगो, पंचायत समिति श्रीमहावीरजी की ग्राम पंचायत गुनसार व सनेट, उपखंड नादौती की ग्राम पंचायत गुढाचन्द्रजी, तिमावा व धौलेटा, उपखंड मण्डरायल की ग्राम पंचायत रोधई, उपखंड सपोटरा की ग्राम पंचायत बाजना, अमरगढ व अमरवाड के राजीव गांधी सेवा केन्द्रों पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को शिविरों में समय से एवं आवश्यक तैयारी के साथ उपस्थित होने के लिए दिशा प्रदान किये जा चुके है। जिनके अनुसार आपसी समन्वय से सभी विभाग कार्य कर रहे हैं। इन ग्राम पंचायतो में किया गया शिविरों का आयोजन अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि 26 जून को ब्लॉक करौली की ग्राम पंचायत रौडकलां व सैंगरपुरा, ब्लॉक मासलपुर की ग्राम पंचायत कोटा छावर व रतियापुरा, उपखंड टोडाभीम की ग्राम पंचायत नांगल मांडल व नांगल शेरपुर, उपखंड हिण्डौन की ग्राम पंचायत जगर व खीपकापुरा, पंचायत समिति श्रीमहावीरजी की ग्राम पंचायत टोडूपुरा व गांवडमीना, उपखंड नादौती की ग्राम पंचायत रायसना, गढखेडा व जीतकीपुर, उपखंड मण्डरायल की ग्राम पंचायत रानीपुरा, उपखंड सपोटरा की ग्राम पंचायत इनायति, चैडागांव व औडच के राजीव गांधी सेवा केन्द्रों पर शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान संबंधित उपखंड अधिकारियों ने ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों का निरीक्षण किया एवं इस दौरान अधिक से अधिक राज्य सरकार की योजनाओं से आमजन को लाभान्वित करने के निर्देश अधिकारियों व कर्मचारियों को दिये।

जमाबंदी की नकल सौंपी

भरतपुर (निस)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार डीग जिले में प्रतिदिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत समस्त पंचायत समिति के चिन्हित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जा रहे है। जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने प्रत्येक शिविर में व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि शिविर में आने वाले हर व्यक्ति को सम्मानपूर्वक सुना जाए और उनकी समस्या का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाए। इसके साथ ही शिविरों में कर्मचारियों की उपस्थिति, पेयजल और छाया जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। प्रतिदिन शिविरों में आम लोगों की समस्या का समाधान किया जा रहा है। खेड़ा ब्राह्मण में गुरुवार को आयोजित शिविर में ऐसी ही एक कहानी सामने आई।

अहीर महासभा भरतपुर में आठ ब्लॉकों में निर्विरोध चुनाव सम्पन्न

भरतपुर (निस)। जिला अहीर महासभा समिति भरतपुर के जिलाध्यक्ष देवकीनंदन यादव के निर्देशानुसार निर्वाचन अधिकारियों की देखरेख में आठ ब्लॉकों में चुनाव सम्पन्न हुए, जिनमें भरतपुर शहर अध्यक्ष महेन्द्र सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शेरसिंह यादव, उपाध्यक्ष प्रवीण कुमारद यादव, महामंत्री सुरेश चंद यादव, कोषाध्यक्ष प्रताप सिंह यादव को बनाया गया।

भरतपुर ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमसिंह महचौली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद यादव विसदा, उपाध्यक्ष लाल सिंह पीरनगर, महामंत्री दीपक यादव हिडौला, कोषाध्यक्ष बीरवल यादव हिडौला को बनाया गया। ब्लॉक डीग अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेश कुमार यादव, उपाध्यक्ष अमित कुमार यादव, महामंत्री सचिन यादव, कोषाध्यक्ष भूपेश यादव को बनाया गया, ब्लॉक पहाडी अध्यक्ष चेतराम यादव इकलहरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष यादव मातुकी, उपाध्यक्ष राहुल यादव कान्हौर, महामंत्री यादराम यादव चंदूपुरा, कोषाध्यक्ष जीतराम यादव पीपलखेडा को बनाया गया। सभी ब्लॉकों के चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। सभी पदाधिकारियों को निर्वाचन अधिकारियों द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

निर्वाचन अधिकारी के रूप में भरतपुर ग्रामीण में पूरन सिंह पालका, रमेश चंद एवं शहर धर्मवीर यादव महरावर, मनोज यादव ककरारा, ब्लॉक डीग में प्रकाश चंद यादव मैनेजर पीएनबी, जगदीश यादव जयश्री, ब्लॉक पहाडी में सरदार सिंह यादव, धारा सिंह यादव बेरू, अनिल कुमार यादव कांमा, हरवीर यादव अध्यापक द्वारा सकुशल सम्पन्न कराये गये। ब्लॉक कामां से अध्यक्ष हरीशचंद यादव आसूका, वरि0 उपाध्यक्ष दयाराम धिलावटी, उपाध्यक्ष रतन सिंह पथवारी, महामंत्री प्रकाशचंद मैनेजर आसूका, कोषाध्यक्ष राजपाल यादव कामां को बनाया गया। इसी क्रम में ब्लॉक नगर से अध्यक्ष परमलाल दोराला, वरि0उपाध्यक्ष जगदीश पालका, उपाध्यक्ष ऊदल सिंह बल्देववास, महामंत्री दारासिंह वेरू, कोषाध्यक्ष जगदीश गुलपाडा को बनाया गया। आगे ब्लॉक कुम्हेर के अध्यक्ष कमलसिंह यादव महरावर, वरि0उपाध्यक्ष रूपकिशोर नगला मांझी, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार महरावर, महामंत्री पुष्पेन्द्र कुमार नगला सवाईराम, कोषाध्यक्ष पुष्पेन्द्र कुमार नगला मांझी को बनाया गया। ब्लॉक नदबई में अध्यक्ष करन सिंह यादव पहरसर, वरि0उपाध्यक्ष जीत सिंह यादव पहरसर, उपाध्यक्ष मुकुट बिहारी ककराला, महामंत्री मनोज यादव पहरसर, कोषाध्यक्ष लोकेश कुमार यादव ककराला को बनाया गया।

नालों की सफाई का सभापति ने निरीक्षण किया

गंगापुर सिटी । नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल ने थोक फल मंडी के पीछे नहर रोड स्थित नाले का निरीक्षण किया। उन्होंने जलभराव की समस्या को देखते हुए सफाई शुरू करने के निर्देश दिए। सभापति ने सफाई नायकों को नालों में कचरा जमा न होने देने की हिदायत दी। कचरा फेंकने वालों की पहचान कर उन्हें नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए। नहर रोड पर स्थित बाबा श्याम मंदिर की महत्ता को देखते हुए नाले की सफाई को प्राथमिकता दी जा रही है। नगर परिषद ने क्षेत्रवार टीमें गठित की हैं। ये टीमें नियमित सफाई के साथ नालों की विशेष सफाई करेंगी। नालों में कचरा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। सालौदा क्षेत्र में सडकों पर जलभराव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को स्थायी समाधान के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अभियंता तरुण जैन, संवेदक सुरेन्द्र विजयवर्गीय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सेवर पंचायत के कुम्हा गांव की स्वास्थ्य सेवाएं बनीं प्रेरणा का स्त्रोत

■ भरतपुर के गांव कुम्हा में उप स्वास्थ्य केन्द्र बनी मिसाल, शहरों को भी पीछे छोड़ा

भरतपुर (निस)। भरतपुर जिले की सेवर पंचायत समिति के कुम्हा गांव में उप स्वास्थ्य केन्द्र इस समय सुर्खियों में है। जहां अधिकतर ग्रामीण क्षेत्र अव्यवस्था से जूझ रहे हैं, वहीं कुम्हा में उप स्वास्थ्य केन्द्र शहरों को भी मात दे रही है

गांव कुम्हा का उप स्वास्थ्य केन्द्र में स्वच्छता, समय पर चिकित्सा सेवाएं, और दवाइयों की उपलब्धता जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतरीन ढंग से उपलब्ध हैं। यहां कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी और एएनएम कर्मचारी नियमित रूप से मौजूद रहते हैं और मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हैं।

गांव के ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें इलाज के लिए शहर नहीं जाना पड़ता। यहां बच्चों के टीकाकरण से लेकर गर्भवती महिलाओं से संबंधित सभी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिल रही हैं।

जबकि देखा जाए तो भरतपुर जैसे शहरों के अस्पतालों में अक्सर डॉक्टरों की अनुपस्थिति, दवाइयों की कमी और अव्यवस्था की शिकायतें मिलती हैं। ऐसे में कुम्हा गांव का उप स्वास्थ्य केन्द्र एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है। कुम्हा गांव उप स्वास्थ्य केन्द्र इस बात का उदाहरण है कि अगर ईमानदारी और समर्पण हो, तो सीमित संसाधनों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दी जा सकती हैं।

नाम परिवर्तन

मैं सुमन पत्नि योगेश ठठेरा निवासी करौली तह. जिला करौली शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि मेरा सही व वास्तविक नाम सुमन है। मेरे आधार व जन आधार कार्ड में भी सुमन नाम है। लेकिन गलती से मेरी पुत्री वैष्णवी ठठेरा के स्कूल रिकार्ड में मेरा नाम मीना दर्ज करवा दिया गया था। जो गलत है। उक्त गलत नाम से किसी अन्य दीगर महिला का कोई वास्ता नही है। मेरे सभी दस्तावेज में और विद्यालय रिकार्ड में सही नाम सुमन दर्ज किया जावें।

कार्यालय ग्राम पंचायत मूडियॉ पंचायत समिति टोडाभीम जिला करौली

क्रमांक:-ग्रा.पं./निविदा/2025/05 दिनांक: 25.06.2025

निरस्तीकरण ई-निविदा सूचना 02/2025-26

इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 02 दिनांक 06.06.2025 के द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26 को अपरिहार्य (तकनीकी) कारणों के मद्देनजर निरस्त की जाती है।

Online bid no. 2025_PRD_477265_1

UBN NO. ZKR2526A0153 — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत मूंडिया

UBN NO. ZKR2526GLOB00231 — सरपंच, ग्राम पंचायत मूंडिया

रेजिडेंट चिकित्सकों की हड़ताल जारी

लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्यवाही व मुआवजे की मांग

अजमेर, 26 जून (कासं)। गत दिनों उदयपुर के राजकीय अस्पताल में रेजिडेंट चिकित्सक डॉ. रवि शर्मा की करंट लगने से हुई मौत के बाद से लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्यवाही व मुआवजे की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार पर चल रहे रेजिडेंट चिकित्सक गुरुवार को पेनडाउन हड़ताल पर रहे। संभाग के सबसे बड़ जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में हड़ताल का असर दिखने लगा है। मेडिसिन ओपीडी में मरीजों की लाइन लगी है। सीनियर चिकित्सकों ने व्यवस्थाओं को संभाला है। अस्पताल प्रशासन द्वारा कार्मिकों की छुट्टी रद्द कर दी है। गड़बड़ाई व्यस्था के चलते अस्पताल के वार्ड भी खाली होने लगे हैं। अस्पताल आने वाले मरीजों को प्राथमिक उपचार नहीं मिल पा रहा है। छोटे ऑपरेशन नहीं किए जा रहे।

जेएलएन अस्पताल के रेजिडेंट चिकित्सकों की पेन डाउन हड़ताल के कारण गुरुवार को अस्पताल की ओपीडी सामान्य दिनों के मुकाबले कम रही। प्रतिदिन अस्पताल की ओपीडी में साढ़े चार हजार से अधिक की ओपीडी में रहती है, लेकिन दो दिनों में संख्या कम हो चुकी है। कई विभागों में एचओडी ने व्यवस्था संभाल रखी थी, जबकि छोटा ऑपरेशन नहीं किए जा रहे। रेजिडेंट डॉक्टर के अध्यक्ष डॉ. दिलराज मीणा ने कहा कि रेजिडेंट की अस्पताल प्रशासन से वार्ता हुई थी, लेकिन मुआवजे पर कोई सहमति नहीं बनी। मृतक डॉक्टर के परिजन को उसकी हैसियत के हिसाब से मुआवजा देने के साथ ही सरकार से यही मांगे की दोषियों के खिलाफ तुरंत उचित कार्रवाई की जाए। परिवार को न्याय दिलवाया जाए, जब तक मांग पूरी नहीं होगी तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि सभी रेजिडेंट चिकित्सक आपातकालीन ईकाई के बाहर गार्डन में एकत्रित हुए और अस्पताल प्रशासन व सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

डॉ. रवि शर्मा की करंट लगने से हुई मौत के बाद मुआवजे की मांग को लेकर डाक्टरों ने हड़ताल की।

- **हड़ताल का दिखने लगा असर**
- **छोटे ऑपरेशन टले, वार्ड हुए खाली**

वार्ड होने लगी खाली : रेजिडेंट डॉक्टर की हड़ताल को देखते हुए अधिकांश वार्ड खाली हो गए है। भर्ती मरीजों का डिस्चार्ज किया जा रहा है। ऐसे में उनकी परेशानियां बढ़ गई है। सूत्रों का कहना है कि रेजिडेंट डॉक्टर की हड़ताल के चलते मरीजों की देखभाव प्रभावित हो रही हैं।

पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बेचने वाले गिरोह को पकड़ा

सीकर। ''डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है'' का दावा कर पूरे भारत में अवैध रूप से पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बेचने वाले गिरोह का राजस्थान की पीसीपीएनडीटी टीम ने पर्दाफाश किया है। चीन निर्मित इस पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन को बेचने का यह धंधा लंबे अर्से से चलने की जानकारी सामने आने के साथ ही इस मामले में कई अन्य लोगों के लिप्त होने की आशंका है, जिस पर टीम गंभीरता से आगे बढ़ रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई के तहत पश्चिम बंगाल से जयपुर में मशीन बेचने आए गिरोह के एक प्रमुख सदस्य को टीम ने पकड़ा है, वहीं कोलकाता में गिरोह के मुखिया और कंपनी पर कार्रवाई के लिए वहां के स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन को सूचना दी गई है। पीबीआई थाना के एएसपी डॉ. हेमंत जाखड़ ने बताया कि मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि एक गिरोह राज्य में पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन बेचने का धंधा कर रहा है। सूचना की पुष्टि होने के बाद टीम गठित कर करीब दो माह तक मामले में रैकी कर गहनता से पड़ताल की गई। गिरोह से संपर्क होने के बाद सामने आया कि पोर्टेबल मशीन सात से दस लाख रुपए के बीच देश के विभिन्न राज्यों में बेचा जा रहा है। इसके बाद टीम ने पश्चिम बंगाल के हुगली जिला निवासी 45 वर्षीय अमिताभ भादुरी से संपर्क साधा और पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन का सौदा सवा छह लाख रुपए में तय किया।

राजसमंद में हाइवे पर दिनदहाड़े युवक की हत्या का पर्दाफाश

कांकरोली थाना पुलिस ने हत्या काण्ड का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया ।

राजसमंद। कांकरोली थाना पुलिस ने दो दिन पहले मंगलवार दोपहर में प्रतापपुरा ब्रिज पर दिन दहाडे हुई शेरसिंह की हत्या काण्ड का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कांकरोली सीआई हंसाराम सीरवी ने बताया कि 24 जून खाखरमाला निवासी खेमसिंह ने कांकरोली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके भतीजे शेरसिंह पुत्र जोधसिंह को कांकरोली-भीलवाडा फोरलने स्थित प्रतापपुरा ब्रिज पर कार सवार लोगों ने मोटरसाईकिल को टक्कर मारकर उसे निचे गिरा दिया और उसपर धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इस पर कांकरोली पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। मामले की गंभीरता व आरोपियों की धरपकड को लेकर एसपी मनीष त्रिपाटी ने एएसपी महेन्द्र पारीक, डीएसपी विवेकसिंह राव के निर्देशन तथा कांकरोली सीआई हंसाराम सीरवी के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया। इस टीम ने आधुनिक तकनीक और मानवीय सूचनाओं का प्रभावी उपयोग करते हुए युद्धस्तर पर जांच शुरू की। पुलिस ने राजसमंद, उदयपुर और चित्तौडगढ में 200०से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर महत्वपूर्ण सुराग जुटाए। जांच में सामने आया कि निवासी गोदेला जिला उदयपुर का रामसिंह पुत्र हरिसिंह द्वारा अपने साथी शौकिन कुमार (32) पुत्र रामलाल भील एवं दुर्गाप्रसाद पिता राधेश्याम मेघवाल निवासी कारूण्डा थाना छोटी सादडी जिला प्रतापगढ के साथ मिलकर कार में सवार होकर आए और मौका पाकर प्रतापपुरा ब्रिज पर मृतक शेरसिंह पर धारदार हथियार से हमला किया। हमले में शेरसिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उसके बाद आरोपी पुनः उसी कार में बैठकर फरार हो गए। यह कार्यवाही राजसमंद पुलिस के अथक प्रयासों का प्रमाण है। इस महत्वपूर्ण सफलता में थानाधिकारी काकरोली के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल और कांस्टेबलों की टीम ने दिन-रात एक कर दिया। पुलिस ने शौकिन कुमार (32) पुत्र रामलाल भील एवं दुर्गाप्रसाद पिता राधेश्याम मेघवाल निवासी कारूण्डा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से दोनों को पाचं के पुलिस रिमाण्ड पर भेजने के आदेश दिए।

लूट करने का आरोपी पकड़ा

उदयपुर। सूरजपोल थाना पुलिस ने पीडित के साथ मारपीट कर लूट की वारदात करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार पीडित मोईन खान पुत्र इदरीस खान निवासी जरीनानगर कच्चीबस्ती किशनपोल ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 22 जून को मैं व पत्नी नादीरा के साथ बाइक पर भाई के ससुराल मल्लातलाई जा रहा था।

सिटी रेल्वे स्टेशन पर कालु उर्फ नवाब व सलमान ने रोक मारपीट की वरूपये मांगे। मना करने व इसका करने पर प्राणघातक हमला कर जेब से नकदी लेकर फरार हो गए।

मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए नवाब खान उर्फ कालु खान पुत्र हबीब खान निवासी इन्द्रानगर बीडा सूरजपोल हाल 80 फीट मल्लातलाई को गिरफ्तार किया है।

नदबई में खाद्य सुरक्षा टीम का छापा, बिस्किट, आटे के सैंपल लिए

भरतपुर में खाद्य सुरक्षा टीम की कार्रवाई, बिस्किट, आटा, रस्क व ऑयल के सैंपल लिए ।

नदबई भरतपुर (निस)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा टीम ने नदबई क्षेत्र में तीन अलग-अलग जगह कार्रवाई करते हुए चार जांच सैम्पल लिए। विभागीय सूत्रों की मानें तो कुलदीप किराना स्टोर से बिस्किट, अनिल आटा मैसर्स से आटा व सुनील फ्रूड प्रोडक्टस से रस्क व ऑयल का नमूना लिया। इस दौरान विभागीय टीम ने दुकानदारों को शुद्व व गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ रखने व समीपवर्ती क्षेत्र में स्वच्छता रखने की नसीहत दी। कार्रवाई दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश शर्मा व रोशनलाल आदि मौजूद रहे।

हत्या का आरोपी प्रेमी गिरफ्तार

उदयपुर। हिरणमगरी थाना पुलिस ने होटल में प्रेमिका की हत्या कर आत्महत्या का प्रयास करने वाले प्रेमी को चिकित्सालय से छुट्टी मिलने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार 24 जून को परशुराम चौराहे पर स्थित होटल कांसा गोल्ड के कमरे में एक युवती की लाश पडी हुई थी।

इस पर पुलिस उपाधीक्षक छगन पुरोहित, हिरणमगरी थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने मौके पर पहुंच मृतका की शिनाख्त कर उसका पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा कर आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया था।

मामले में अनुसंधान अधिकारी भरत योगी ने युवती की हत्या के आरोपी प्रेमी विजय पुत्र ओकर निवासी भोपामगरी सेक्टर 3 को गिरफ्तार किया। आरोपी युवती की हत्या करने के बाद आत्महत्या करने के लिए हाथ की नस काट कर चिकित्सालय पहुंच कर भर्ती हुआ था। जो पुलिस की निगरानी में उपचाररत था। प्रेमिका की सगाई होने से आरोपी नाराज होकर हत्या करना कबूल किया।

'गांव-गरीब के उत्थान का माध्यम बन रहा 'अन्त्योदय संबल पखवाड़ा'

'अन्त्योदय संबल पखवाड़ा' हमारी संवेदनशीलता का प्रतीक -मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सीएम शर्मा ने अन्त्योदय संबल पखवाड़े के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिये।

- **पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा-**
- **अन्त्योदय का संकल्प राज्य सरकार का मूल मंत्र**
- **मुख्यमंत्री ने जोधपुर के दईजर में किया शिविर का अवलोकन, लाभार्थियों को सौंपे प्रमाण पत्र**

जोधपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित अन्त्योदय का संकल्प हमारी सरकार का मूल मंत्र है। इसी संकल्प की दिशा में हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के माध्यम से समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक केन्द्र व राज्य सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रही है। यह पहल हमारी सरकार की गांव व गरीब के प्रति संवेदनशीलता एवं उनके उत्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

शर्मा गुरूवार को जोधपुर के दईजर में पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जोधपुर की इस ऐतिहासिक भूमि पर 1978 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत ने गरीब को गणेश मानकर अन्त्योदय का उद्घोष किया था। हमारी सरकार भी अन्त्योदय के उस महान दर्शन को धरातल पर मूर्त रूप दे रही है। शर्मा ने कहा कि अन्त्योदय संबल पखवाड़ा गरीब और वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव का जरिया बन रहा है। इसके अन्तर्गत शिविरों के माध्यम से गांवों में भूमि के सीमांकन, नामांतरण, सहमति विभाजन और रास्तों के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। साथ ही, गरीबी मुक्त गांव के लिए बीपीएल परिवारों का सर्वे, किसानों को सशक्त करने के लिए मृदा नमूनों का संग्रहण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया जा रहा है। पशुपालकों की आर्थिक सुरक्षा के लिए मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण का विशेष प्रबंध किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 जून से प्रदेशभर में संचालित इन शिविरों में बड़ला बासनी गांव में पिछले पांच वर्षों से लंबित विवादित भूमि प्रकरण का शांतिपूर्ण समाधान हुआ है। वहीं, पंचायत समिति लूणी के सर गांव में 70 वर्षीय मोहन कंवर, बावड़ी के जोइंतरा गांव में 82 वर्षीय नेत्रहीन फरसाराम, ओसियां के बारा खुर्द गांव में 90 वर्षीय चुतराराम एवं भोपालगढ़ के अरटिया कलां गांव में विधवा कमला सहित विभिन्न लोगों को पेंशन का लाभ प्रदान किया गया है। हमारी सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने आ ान करते हुए कहा कि सभी अन्त्योदय संबल पखवाड़े में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में भागीदार बनें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय पखवाड़ा के तहत आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का निरीक्षण किया तथा लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने दिव्यांगजन को व्हील चेयर व मोटराइज्ड ट्राई साइकिल और अन्तर्जातीय विवाह योजना व सुखद दाम्पत्य जीवन योजना के लाभार्थियों को चैक प्रदान किए गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खेत सिंह निवासी रामनगर, बाडिया पुरोहितान एवं समस्त ग्रामवासियों को नए रास्ते एवं दईजर की ममता को प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, नारायणराम हुडा को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना व धापू को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रमाण-पत्र

अजमेर के यूट्यूबर मिस्टर इंडियन हैकर को धमकी

- **गैंगस्टर लॉरेंस के नाम पर मांगे 80 लाख बिटकॉइन**
- **धमकी भरा भेजा ईमेल, परिवार को नुकसान पहुंचाने की भी धमकी दी**

अजमेर। अजमेर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र निवासी यूट्यूबर मिस्टर इंडियन हैकर को गैंगस्टर लॉरेंस के नाम से धमकी मिलने का मामला सामने आया है। हैकर को ईमेल पर धमकी भेज कर 80 लाख बिटकॉइन की मांग की है, साथ ही परिवार को नुकसान पहुंचाने की भी धमकी दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ए एस पी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि अजमेर आदर्श नगर बडलिया निवासी यूट्यूबर मिस्टर इंडियन हैकर दिलराज का यूट्यूब पर अकाउंट है। पीडित् ने पुलिस थाने में लिखित शिकायत देते हुए धमकी देने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 23 जून को उसे गैंगस्टर लॉरेंस का नाम का एक धमकी भरा ई-मेल आया था, जिसमें 80 लाख बिटकॉइन की डिमांड की है। साथ ही मेल में लिखा कि वह उसकी एक माह से रैकी कर रहे है। गैंगस्टर द्वारा धमकाया कि यदि पुलिस को इसके बारे में जानकारी दी तो परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे। पीडित ने बताया कि इस ई-मेल में उसके परिवार और टीम के सदस्यों को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी है।

यूट्यूबर के करोड़ों सब्सक्राइबर : मिस्टर इंडियन हैकर के नाम से मशहूर फेमस यूट्यूबर दिलराज सोशल मीडिया पर लग्जरी गाडियों को मोडिफाइड कर वीडियो बनाता है। इसके साथ ही अलग अलग आइडिया के साथ यूट्यूब आईडी पर वीडियो पोस्ट किए जाते हैं। यूट्यूब पर उसके 4.58 करोड़ सब्सक्राइबर है, इसके साथ ही इंस्टाग्राम पर 5.1 मिलियन फॉलोअर्स है।

रुद्रप्रयाग में उदयपुर के तीर्थयात्रियों की बस नदी में गिरी, तीन की मौत

उदयपुर। उदयपुर के यात्रियों की एक मिनी बस गुरुवार सुबह अलकनंदा नदी में गिरने से तीन यात्रियों की मृत्यु हो गई ,जबकि 8 रेस्क्यू किए गये है वही 8 यात्री लापता है ।उदयपुर के वकील संजय सोनी और गोगुंदा के ललित सोनी के परिवार 10 दिन पहले चारधाम यात्रा पर निकले थे चालक सहित 19 लोग सवार थे ।

जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में गुरूवार सुबह तीर्थयात्रियों की बस अलकनंदा नदी में गिर गयी। ज्यादातर तीथ्र्यात्री उदयपुर शहर के वकील संजय सोनी और उदयपुर गोगुंदा निवासी सूरत के ज्वैलर ललित सोनी के परिवार से थे। ये सभी 10 दिन पहले चारधाम यात्रा के लिए निकले थे। सभी तीथ्र्यात्री बद्रीनाथ जा रहे थे, तभी इनकी बस को पीछे से एक ट्रक ने टक्कर मार दी। अनियंत्रित बस नदी में गिरी, इस दौरान कुछ यात्रियों ने कूद कर जान बचायी, जिनके चोटें आयी हैं, वहीं 12 लोग बस सहित नदी में गिर गए। जिनमें 3 के शव बरामद हो चुके हैं,जबकि 8 लापता हैं। रूद्रप्रयाग की पुलिस और एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हुई है।

रेस्क्यू किए गए बस चालक ने जानकारी दी कि बस में 17 तीर्थयात्री,एक टूर गाईड और मैं खुद (चालक) सहित 19 लोग सवार थे। सभी आज बद्रीनाथ के लिए रवाना हुए थे। बुधवार को केदारनाथ दर्शन किए थे, इसके बाद रूद्रप्रयाग में स्टे किया था। आज रूद्रप्रयाग से ब्रदीनाथ धाम के लिए निकले थे। रास्ते में पीछे से एक ट्रक ने भीषण टक्कर मारी इससे बस सीधे अलखनंदा नदी में जा गिरी। कुछ लोगों ने बस की खिड़कियों से कूदकर जान बचायी, जो घायल हुए हैं जिन्हें रेस्क्यू कर लिया गया है। बाकि लोग बस सहित नदी में गिरे हैं।

एडवोकेट संजय सोनी के रिश्तेदार कुंदन सोनी और ललित सोनी के बहनोई फतहलाल सोनी ने बताया कि बस में एडवोकेट संजय सोनी,उनकी पत्नी,मां, बेटा रवि,बहन भावना, उनके पति ईश्वर,बेटियां ड्रीमी और चेष्ठा, कंवरसाब ललित सोनी,उनकी पत्नी, दोनों बेटियां मयूरी और मौली,ललित सोनी की बहन मध्यप्रदेश के राजगढ़ निवासी गौरी पत्नी विशाल सोनी और उनका पुत्र पार्थ, अंकल की बेटी सिरोही निवासी टीनू उर्फ दीपिका कुल 17 तीथ्र्यात्री, 1 टूर गाईड और चालक सहित कुल 19 लोग थे। सभी 10 दिन पहले ही चारधाम यात्रा के लिए रवाना हुए थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे में अब तक ललित सोनी की बहनें गौरी, भावना, इनकी बेटियां ड्रीमी,चेष्ठा और बस चालक सहित 8 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है। जबकि 8 लापता हैं और 3 की मौत हो चुकी है। ललित सोनी के भाई विजय सोनी हादसे की सूचना मिलते ही फ्लाइट के जरिए रूद्रप्रयाग के लिए रवाना हो गए हैं।

फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय यात्रा से लौटे देवनानी

अजमेर/ जयपुर, 26 जून (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी की संसदीय परंपराओं और पद्धतियों की सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के बाद गुरुवार को तड़के तीन बजे दिल्ली पहुंचे, जहां से वे वायुयान से जयपुर लौटे। जयपुर हवाई अड्डे पर देवनानी के विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा के साथ विधानसभा के अधिकारियों ने अगवानी की। देवनानी ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वाधान में फ्रांस और जर्मनी की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओ के अध्ययन के लिए यह यात्रा की। इस यात्रा के तहत देवनानी ने दोनों देशों के सदनों के अवलोकन के साथ वहां के ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा भी किया।

इस अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान देवनानी ने न केवल संसदीय संरचनाओं का अध्ययन किया, बल्कि भारतीय दृष्टिकोण से लोकतंत्र, सांस्कृतिक बोध और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावी ढ़ंग से प्रस्तुत किया।

देवनानी ने कहा कि इस अध्ययन यात्रा मैं उन्होंने भारत की चेतना को यूरोप की संसदों में स्पंदित होते अनुभव किया और राजस्थान की मिट्टी की महक वहाँ के लोकतंत्र में घुलती दिखी। राजस्थान केवल भौगोलिक इकाई नहीं बल्कि एक वैश्विक संस्कृति का वाहक है। उन्होंने लोकतंत्र के आधुनिक स्वरूप को भारत की परंपरा, सहिष्णुता और सहभागिता के साथ जोड़ते हुए यूरोप में एक नया विमर्श आरंभ किया।

देवनानी ने फ्रांस और जर्मनी के विभिन्न राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं अकादमिक संस्थानों का दौरा कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, संसदीय कार्यप्रणालियों और सामाजिक विकास के विविध पहलुओं का अध्ययन किया। इस दौरान उन्होंने जर्मनी तथा फ्रांस की लोकतांत्रिक संस्थाओं का अवलोकन किया और वरिष्ठ सांसदों, नीति-निर्माताओं तथा भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद भी किया।देवनानी ने प्रवासी भारतीयों के सुझावों को सुना और संबंधित मंत्रीगण से उनके समाधान कराये जाने का भरोसा दिलाया।

यह यात्रा 'राजस्थान-2047-वैश्विक नेतृत्व की ओर' दृष्टिकोण के तहत राज्य के युवाओं, नीति-निर्माताओं और नागरिक समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गई है।

देवनानी के विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा के साथ विधानसभा के अधिकारियों ने अगवानी की।

- **देवनानी की संसदीय पद्धतियों की अध्ययन यात्रा**
- **विधानसभा अधिकारियों ने देवनानी की जयपुर पहुंचने पर की अगवानी**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, वृत राजसमंद
Phone: 02952-222536, E-Mail: SECIRCLE.RAJ.PHED@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक-एसई/राज/2025-26/982 दिनांक : 12.6.25
ई-निविदा सूचना संख्या 28-32/2025-26
(NIB No PHE2526A1613)
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा सक्षम श्रेणी में पंजीकृत मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदको से ऑन लाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। बिड से संबंधित समस्त जानकारी प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
UBN No.- 1. PHE2526WSOB03568, 2. PHE2526WSOB03569, 3. PHE2526WSOB03570 4. PHE2526WSOB03571, 5. PHE2526WSOB03572
(रामावतार सैनी)
अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, वृत राजसमन्द
DIPR/C/8124/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, P.W.D. VALLABHNAGR
No. 399 Date : 12.06.2025
Notice Invision Bid No. 03/2025-26
NIB No. : PWD2526A1299
Bids for Various works are invited from interested bidders upto 18.06.2025 9.00 AM to 27.06.2025 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal ("http://eproc.rajasthan.gov.in" and "http://sppp.rajasthan.gov.in") of the state, and department website. The approximate value of procurement of 10 Works is Rs. 220.00 Lacs.
UBN No. :-

1.	PWD2526WSOB04483	5.	PWD2526WSOB04489	9.	PWD2526WSOB04493
2.	PWD2526WSOB04485	6.	PWD2526WSOB04490	10.	PWD2526WSOB04494
3.	PWD2526WSOB04487	7.	PWD2526WSOB04491	11.	PWD2526WSOB04495
4.	PWD2526WSOB04488	8.	PWD2526WSOB04492		

DIPR/C/8142/2025 (ACHAL GUPTA), EXECUTIVE ENGINEER, P.W.D. Vallabhnagar

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, P.W.D. DN. KOTRA
No. 205 Date : 12.06.2025
Notice Invision Bid No. 03/2025-26
NIB No. : PWD2526A1302
Bids for Various works are invited from interested bidders upto 16.06.2025 9.00 AM to 30.06.2025 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal ("http://eproc.rajasthan.gov.in" and "http://sppp.rajasthan.gov.in") of the state, and department website. The approximate value of procurement of 15 Works is Rs. 298.00 Lacs.
UBN No. :-

1.	PWD2526WSOB04509	6.	PWD2526WSOB04517	11.	PWD2526WSOB04522
2.	PWD2526WSOB04511	7.	PWD2526WSOB04518	12.	PWD2526WSOB04524
3.	PWD2526WSOB04513	8.	PWD2526WSOB04519	13.	PWD2526WSOB04525
4.	PWD2526WSOB04515	9.	PWD2526WSOB04520	14.	PWD2526WSOB04526
5.	PWD2526WSOB04516	10.	PWD2526WSOB04521	15.	PWD2526WSOB04527

DIPR/C/8160/2025 (KAPIL KUMAR AWASTHY), EXECUTIVE ENGINEER, P.W.D. Dn. KOTRA

जयपुर के ई.एस.आई.सी. हॉस्पिटल को बम से उडाने की धमकी

अजमल कसाब के नाम से ई-मेल आया तो हड़कंप मचा

जयपुर। राजधानी जयपुर के ईएसआईसी हॉस्पिटल को गुरुवार को बम से उडाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। सूचना पर पुलिस, फायर ब्रिगेड, बम स्क्वॉड, सिविल डिफेंस और अन्य टीमें मौके पर पहुंच गईं। पूरे अस्पताल परिसर में तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद हॉस्पिटल में सर्च ऑपरेशन बंद कर दिया गया। मेल की जांच साइबर सेल को सौंपी गई है।

सुरक्षा दस्तों ने ईएसआई अस्पताल परिसर में करीब दो घंटे से ज्यादा समय तक सर्च अभियान चलाया गया। जानकारी के अनुसार हॉस्पिटल को अजमल कसाब के नाम से मेल आया था। मेल मिलते ही अस्पताल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई। साइबर सेल टीम मेल करने वाले व्यक्ति को ट्रेस कर रही है।

पुलिस के अनुसार ई-मेल में लिखा था कि तमिलनाडु के आईपीएस डेविडसन देवश्री बाथम ने अपनी पत्नी की ट्रैवल एजेंसी के जरिए पूर्व लिट्टे सदस्यों को फर्जी पासपोर्ट जारी किए हैं। उन्हें पाकिस्तान द्वारा भर्ती किया गया था। उनके पास मोबाइल फोन, रासायनिक खतरे को ट्रिगर करने वाले फ्यूज हैं। फिलहाल जिस कार में वे यात्रा कर

- **ई-मेल में लिखा था कि ''तमिलनाडु के आईपीएस ने पूर्व लिट्टे सदस्यों को फर्जी पासपोर्ट जारी किए हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने भर्ती किया था।''**

रहे हैं, वह एक बायो बबल है। वे चाहते हैं कि अस्पताल में अधिकतम लोगों पर इसका प्रभाव पड़े। अगर उन्हें संदेह हुआ कि योजना काम नहीं करेगी तो वे फ्यूज से विस्फोट कर देंगे। अस्पताल में सीधे नर्व गैस आईईडी को छोड़ देंगे। कृपया एटीएस को सूचित करें। क्योंकि मैं साजिश में शामिल था। डेविडसन देवश्री बाथम आईपीएस को फोन करें, उन्हें पता है

राजधानी जयपुर के ईएसआईसी हॉस्पिटल को बम से उडाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस, डॉग स्कवॉड और बम निरोधक दस्ते ने अस्पताल परिसर में संदिग्ध वस्तुओं की जांच की।

कि नकली पासपोर्ट किसने जारी किए थे। कृपया इसे पिछली धोखाधड़ी न समझें। मदुरै के असिस्टेंट कमिश्नर इंटेलिजेंस के ठिकानों से फर्जी पासपोर्ट का पता आसानी से लगाया जा सकता है। कुछ ही मिनटों में इसकी पुष्टि की जा सकती है। फिर, जब आप नाम देखें, तो कृपया जल्दी से लेकिन सावधानी से काम करें।

ईएसआईसी अस्पताल के डीन डॉक्टर राजेश चेतीवाल ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग साढ़े 7 बजे हमें ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें अस्पताल को बम से उडाने की धमकी दी गई थी। यह मेल हॉस्पिटल को अजमल कसाब के नाम से आया है। इस बारे में हमने तुरंत संबंधित पुलिस थाने में सूचना दी और मरीजों को बाहर निकाला गया।

लगातार मिल रही इन धमकियों ने शहर में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस और प्रशासन हर बार की तरह इस मामले में भी पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। साइबर सेल इन धमकी भरे ई-मेल्स के स्त्रोत का पता लगाने में जुटी है। स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

गौरतलब है कि 8, 12 और 13 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को उडाने की धमकी दी गई थी। गत 9 मई को जयपुर मेट्रो को बम से उड़ने की धमकी मिली थी। लेकिन जांच में कुछ नहीं मिला था।

देवनानी ने की संसदीय पद्धतियों की अध्ययन यात्रा

-कार्यालय संवाददाता-

- **फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय यात्रा से लौटे देवनानी**
- **विधानसभा अधिकारियों ने देवनानी की जयपुर पहुंचने पर की अगवानी**

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी की संसदीय परंपराओं और पद्धतियों की सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के बाद गुरुवार तड़के 3 बजे दिल्ली पहुंचे, जहां से वे वायुयान से जयपुर लौटे। जयपुर हवाई अड्डे पर देवनानी की विशिष्ट सहायक के.के.शर्मा के साथ विधानसभा के अधिकारियों ने अगवानी की। देवनानी ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वाधान में फ्रांस और जर्मनी की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अध्ययन के लिए यह यात्रा की। इस यात्रा के तहत देवनानी ने दोनों देशों के सदनों के अवलोकन के साथ वहां के ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा भी किया।

इस अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान देवनानी ने न केवल संसदीय संरचनाओं का अध्ययन किया, बल्कि भारतीय दृष्टिकोण से लोकतंत्र, सांस्कृतिक बोध और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

देवनानी ने कहा कि इस अध्ययन यात्रा मैं उन्होंने भारत की चेतना को यूरोप की संसदों में स्पंदित होते अनुभव किया और राजस्थान की मिट्टी की महक वहाँ के लोकतंत्र में घुलती दिखी। राजस्थान केवल भौगोलिक इकाई नहीं बल्कि एक वैश्विक संस्कृति का वाहक है। उन्होंने लोकतंत्र के आधुनिक स्वरूप को भारत की परंपरा, सहिष्णुता, और सहभागिता के साथ जोड़ते हुए यूरोप में एक नया विमर्श आरंभ किया।

देवनानी ने फ्रांस और जर्मनी के विभिन्न राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं अकादमिक संस्थानों का दौरा कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, संसदीय कार्यप्रणालियों और सामाजिक विकास के विविध पहलुओं का अध्ययन किया। इस दौरान उन्होंने जर्मनी तथा फ्रांस की लोकतांत्रिक संस्थाओं का अवलोकन किया और वरिष्ठ सांसदों, नीति-निर्माताओं तथा भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद भी किया।

देवनानी ने प्रवासी भारतीयों के सुझावों को सुना और संबंधित मंत्रीगण से उनके समाधान कराये जाने का भरोसा दिलाया। यह यात्रा 'राजस्थान-2047: वैश्विक नेतृत्व की ओर' दृष्टिकोण के तहत राज्य के युवाओं, नीति-निर्माताओं और नागरिक समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उत्तराखंड बस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया

- **मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के सीएम से की फोन पर वार्ता**
- **धामी ने मुख्यमंत्री को किया आश्वस्त, राहत कार्यों के लिए स्थानीय प्रशासन को दिए है निर्देश**
- **उत्तराखंड की सरकार से निरंतर संपर्क में है राज्य सरकार**

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में मिनी बस के नदी में गिरने से हुए हादसे पर गहरा दु:ख जताते हुए दुर्घटना में हताहत होने वाले लोगों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने संवेदनशीलता के साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर वार्ता की और राहत-बचाव कार्यों को लेकर विस्तृत जानकारी ली। धामी ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि सरकार राहत कार्यों में तत्परता के साथ जुटी हुई है तथा स्थानीय प्रशासन को इन राहत कार्यों में कोई भी कमी नहीं रखने के निर्देश दिए गए है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस हृदय विदारक हादसे में राजस्थान के भी यात्री हताहत हुए है। राजस्थान और उत्तराखंड की सरकारें निरंतर संपर्क एवं समन्वय बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि दु:ख की इस घड़ी में हमारी सरकार प्रभावितों के परिजनों के साथ खड़ी है। शर्मा ने दिवंगत आत्मा की शांति, लापता नागरिकों की सकुशल वापसी और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भी उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में बस के नदी में गिरने से हुए हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

स्पा सेन्टर पर पुलिस की रेड

जयपुर। चित्रकूट थाना पुलिस ने स्पा सेन्टर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच पुरुषों सहित पांच महिलाओं को डिटेन कर स्पा सेंटर संचालक को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम आलोक सिंघल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि चित्रकूट इलाके के एवरशाइन टावर में स्थित रिचुयल सैलून व स्पा में स्पा सेंटर व मसाज की आड़ में अवैध गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। जिस पर पुलिस टीम का गठन कर चित्रकूट में संचालित रिचुयल सैलून एण्ड स्पा सेंटर में छापेमारी की गई तो स्पा एवं मसाज केन्द्र,निर्धारित मापदण्डों पर खरा नही उतरा तथा उसमे नियमों का पालन सम्पूर्ण रूप से नहीं किया जा रहा था। जिस पर स्पा सेंटर के मालिक अमन व संचालक राहुल यादव के कार्रवाई की गई।

देश में 345 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को डी-लिस्ट करने की प्रक्रिया प्रारम्भ

- **राजस्थान में ऐसे 9 दल हटाए जाएंगे, इनमें राजस्थान जनता पार्टी, राष्ट्रीय जन सागर पार्टी, खुशहाल किसान पार्टी, भारत वाहिनी पार्टी, भारतीय जन हितकारी पार्टी, नेशनल जनसत्ता पार्टी, नेशनलिस्ट पीपलस फ्रंट, स्वच्छ भारत पार्टी एवं महाराणा क्रांति पार्टी शामिल है।**
- **डी-लिस्ट में शामिल दल वे हैं, जिन्होंने वर्ष 2019 से पिछले छह वर्षों में कोई भी चुनाव नहीं लड़ा हैं और जिनके कार्यालयों का भौतिक रूप से कोई पता नहीं चल पाया है।**

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में तथा निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में 345 पंजीकृत अमान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों को डी-लिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये वे दल हैं जो वर्ष 2019 से पिछले छह वर्षों में कोई भी चुनाव नहीं लड़े हैं और जिनके कार्यालयों का भौतिक रूप से कोई पता नहीं चल पाया है। ये 345 राजनीतिक दल देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं।

निर्वाचन आयोग के संज्ञान में यह बात आई है कि वर्तमान में पंजीकृत 2800 से अधिक में से कई दल ऐसे हैं जो कि आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं कर रहे हैं। इसी के मद्देनज़र आयोग ने राष्ट्रव्यापी स्तर पर ऐसे दलों की पहचान के लिए एक विशेष अभियान चलाया, जिसके अंतर्गत अब तक 345 ऐसे दल चिन्हित किए जा चुके है।

राजस्थान में आयोग ने डिलिस्ट करने के लिए प्रारम्भिक रूप में राजस्थान जनता पार्टी, राष्ट्रीय जन सागर पार्टी, खुशहाल किसान पार्टी, भारत वाहिनी पार्टी, भारतीय जन हितकारी पार्टी, नेशनल जनसत्ता पार्टी, नेशनलिस्ट पीपलस फ्रंट, स्वच्छ भारत पार्टी एवं महाराणा क्रांति पार्टी का चयन किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी दल अनुचित रूप से डीलिस्ट न हो, संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करें। इसके बाद संबंधित द्वारा इन दलों को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया जाएगा।

पूर्व मंत्री महेश जोशी की जमानत अर्जी पर सुनवाई से इनकार

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुडे ईडी प्रकरण में आरोपी पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने प्रकरण को दूसरी एकलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है।

मामला गुरुवार को जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध हुआ था। प्रकरण का सुनवाई के लिए नंबर आने पर अदालत ने कहा कि वह प्रकरण में सुनवाई नहीं कर रहे हैं और उसे अन्य एकलपीठ में भेजा जाए। अब हाईकोर्ट की दूसरी एकलपीठ जमानत याचिका पर जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में सुनवाई करेगी।

जमानत याचिका में अधिवक्ता स्नेहदीप ने अदालत को बताया कि प्रकरण में उसे फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा ईडी याचिकाकर्ता पर 2.01 करोड रुपए का आरोप लगा रही है। जबकि इसे लेकर ईडी के पास कोई साक्ष्य नहीं है और परिवादी यह राशि कहां से लाया, उसका भी उल्लेख नहीं है। इसके अलावा ईडी ने अपनी रिपोर्ट में बेटे की फर्म में 50 लाख रुपए का लेनदेन बता रही है। यह राशि बेटे की कंपनी ने लोन के तौर पर ली थी और उसे लौटाया भी जा चुका है। वहीं इस राशि को लेकर सिविल केस भी लंबित चल रही है।

ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। गौरतलब है कि ईडी ने मार्च, 2024 में महेश जोशी को समन जारी किया था। वहीं बीते दिनों ईडी ने जोशी को गिरफ्तार किया था। ईडी कोर्ट ने गत दिनों जोशी को जमानत देने से इनकार कर दिया था और उसके बाद ईडी ने जोशी, बेटे रोहित सहित डेढ दर्जन आरोपियों के खिलाफ ईडी कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया था। इस दौरान जोशी की पत्नी का निधन होने पर कोर्ट ने उन्हें दो बार अंतरिम जमानत का लाभ दिया था।

केबल्स चुराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

जयपुर। लालकोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भूमिगत बीएसएनएल तांबे की केबल की चोरी वाले गिरोह के दो शातिर बदमाशों को धर-दबोचा है और उनके पास से खुदाई कर चोरी किये गये केबिल के 10 मीटर टुकडे भी जब्त किए गए है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि लाल कोठी थाना पुलिस ने भूमिगत बीएसएनएल तांबे की केबल की चोरी वाले इब्राहिम शेख (30) और अलाउद्दीन शेख (35) को गिरफ्तार किया है और दोनो ही आरोपित मोथा बाड़ी जिला मालदा (पश्चिम बंगाल) विधाधर नगर जयपुर के रहने वाले है। गौरतलब है कि 25 जून को कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी बीएसएनएल कार्यालय सागानेरी गेट के राजेश सक्सेना ने मामला दर्ज करवाया था कि बीएसएनएल द्वारा सांगानेरी गेट एवं घाटगेट के मध्य समस्त क्षेत्र में बीएसएनएल तांबे की केबल भूमिगत ली हुई है। जिसके द्वारा बीएसएनएल इन्टरनेट एवं अन्य सेवायें प्रदान करता है जहां उन्हे प्राप्त सूचना मिली की अग्रवाल कॉलेज के आसपास संचार सेवाएं ठप है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर और भांकरोटा में जलभराव की स्थिति देखी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को विद्याधर नगर क्षेत्र स्थित सीकर रोड नंबर 14 इलाके का दौरा किया। यहां नाले के पानी की निकासी में आ रही समस्याओं को लेकर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों के साथ हालतो की समीक्षा की और स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

पानी निकासी की वर्षों पुरानी समस्या के स्थायी

- **उन्होंने अफसरों को दो टूक शब्दों में कहा है ''विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, जनता हित सर्वोपरि है''**

समाधान में हो रही देरी को लेकर उपमुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई और स्पष्ट निर्देश दिए कि जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। मीडिया से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा, बजट घोषणाओं और विकास कार्यों की नियमित समीक्षा के लिए अब हर महीने दो बैठकें की जा रही हैं, जिनमें संबंधित विभागों को भी शामिल किया जाता है। कई बार जमीनी स्तर की दिक्कतें सामने आती हैं, इसलिए हम जनता से भी सहयोग की अपील करते हैं। विद्याधर नगर निरीक्षण के बाद

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जे.डी.ए. और एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों के साथ सीकर रोड और भांकरोटा क्षेत्र में जलभराव व विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

उपमुख्यमंत्री भांकरोटा क्षेत्र के लिए रवाना हुईं, जहां उन्होंने रिंग रोड और एनएचएआई द्वारा चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। अजमेर रोड के समीप जलभराव और ट्रैफिक जाम की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिंग रोड का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। इस दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के एसीएस प्रवीण गुप्ता, एनएचएआई के रीजनल अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

घट स्थापना के साथ नवरात्र शुरू

जयपुर। तांत्रिक साधना, शक्ति आराधना और आत्मबल संवर्धन का नौ दिवसीय पर्व गुप्त नवरात्र गुरुवार को आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा को शुभ मुहूर्त में घट स्थापना के साथ शुरू हुआ। गोविंद देवजी मंदिर में अखंड रामायण पाठ शुरू हुए। आमेर के शिला माता , दुर्गापुरा के दुर्गा माता, झालाना के कालक्या माता, घाटगेट श्मशान स्थित काली माता मंदिर में घट स्थापना के बाद दुर्गा सप्तशती पाठ, दुर्गा चालीसा, बीज मंत्रों की साधना शुरू की गई। प्रारंभ में मातारानी का शृंगार कर पूजन किया गया। गुप्त नवरात्र में इस बार कई ज्योतिषीय संयोग देखने को मिलेंगे। 28 जून को गुरु आद्रा नक्षत्र में रहेंगे। 29 जून को शुक्र वृषभ राशि में, 30 जून को मंगल पूर्वा फाल्गुनी में रहेंगे। चार जुलाई, नवमी तिथि को गुप्त नवरात्र का समापन होगा। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा के अनुसार मां दुर्गा का पालकी आगमन हुआ है। इससे तेज बारिश, महामारी और प्राकृतिक परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। ऋतु पुष्पों से किया मां गीता गायत्री का श्रृंगार: गलता गेट स्थित गीता गायत्री मंदिर में शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की गई।

पाक हैंडलर से 2 लाख रु. ले चुका था नौ-सेना कर्मचारी

जासूसी के आरोप में नौसेना भवन का यू.डी.सी. की गिरफ्तारी का मामला

जयपुर। पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों द्वारा की जाने वाली जासूसी गतिविधियों पर सीआईडी इंटेलिजेंस की ओर से जासूसी के आरोप में गिरफ्तार नौसेना भवन दिल्ली में तैनात अपर डिवीजन क्लर्क (यूडीसी) विशाल यादव से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए है।

ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के बदले आरोपी पाकिस्तानी हैंडलर से दो लाख रुपए चुका था। आरोपी विशाल पैसों के लालच में पाकिस्तानी हैंडलर को सूचनाएं दे रहा था। उसने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी जानकारी के बदले उसे आखिर में 50 हजार रुपए मिले थे। आरोपी विशाल यादव को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन के रिमांड पर सौंप दिया गया।

सीआईडी इंटेलिजेंस के सूत्रों ने

आरोपी क्लर्क विशाल यादव

बताया कि विशाल यादव की फेसबुक के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर से दोस्ती हुई थी। आरोपी विशाल यादव को पाक हैंडलर ने प्रिया शर्मा बनकर दोस्ती की रिक्वेस्ट भेजी थी। दोनों में बातचीत

- **आरोपी ने ''ऑपरेशन सिंदूर'' से जुड़ी जानकारी साझा की थी**
- **नौसेना-कर्मचारी से प्रिया शर्मा बनकर बात करती थी पाकिस्तानी हैंडलर**

होने लगी। दोनों ने वॉट्सऐप नंबर भी शेयर कर लिए थे। फिर टेलीग्राम का इस्तेमाल शुरू कर दिया। महीनों तक पाकिस्तानी हैंडलर प्रिया शर्मा बनकर विशाल यादव से बात करती रही। फिर खुद का असली नाम विशाल को बता दिया था। विशाल को पैसे का लालच दिया। इसमें वह फंसता चला गया।

अब तक की पूछताछ में विशाल यादव ने बताया कि इन्फॉर्मेशन देने के लिए प्रिया से पहले 5 से 6 हजार रुपए मिलते थे। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ। प्रिया ने कहा कि तुम्हारी दी गई खबर सी ग्रेड की है, अगर अच्छी खबर दो तो मैं ज्यादा पैसा दूंगी। इस पर विशाल ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी नेवी और अन्य रक्षा संबंधी सूचनाएं महिला पाक हैंडलर को दी थी। इसके बदले उसे एक बार 50 हजार रुपए मिले। विशाल ने डेढ़ से 2 लाख रुपए खुद के खाते में मंगाए। कुछ पैसा क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग अकाउंट में यूएसडीटी के रूप में भी लिया था।

राजस्थान के आईजी सीआईडी (सुरक्षा) विष्णु कांत गुप्ता ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां सेना से जुड़ी जानकारी लेने के लिए कुछ भी कर सकती हैं। ऐसे में हमारी टीम उनकी हर हरकत पर नजर रखती है।

इसी दौरान जानकारी सामने आई कि विशाल यादव (निवासी पुनसिका, रेवाड़ी, हरियाणा) दिल्ली स्थित नौसेना भवन दिल्ली में डायरेक्टेरेट ऑफ डॉकयार्ड में यूडीसी के पद पर कार्यरत था। वह सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की महिला हैंडलर से लगातार कॉन्टैक्ट में था। आरोपी विशाल पैसों के लालच में आकर नौसेना भवन की सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं महिला पाक हैंडलर को दे रहा था। इसके बाद सभी टीमें एक्टिव की गई थी।

लगातार विशाल और उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नजर रखी गई थी। पुष्टि होने पर विशाल यादव को बुधवार जयपुर लाया गया था। यहां करीब सभी एजेंसियों ने विशाल से पूछताछ की और इसके बाद गिरफ्तार कर लिया।

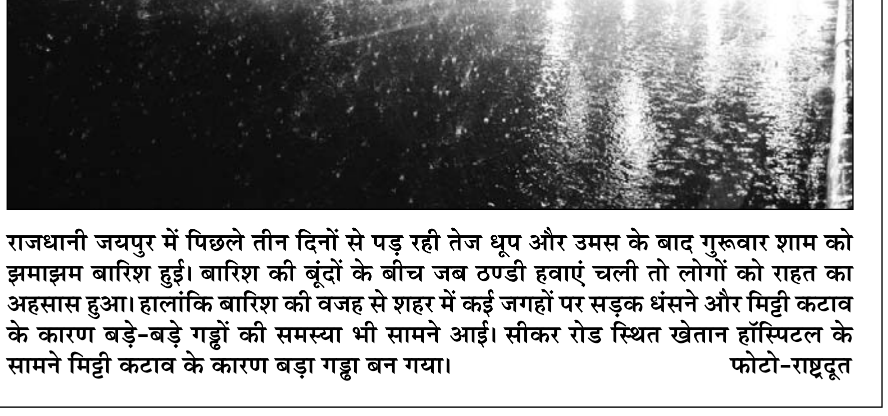

राजधानी जयपुर में पिछले तीन दिनों से पड़ रही तेज धूप और उमस के बाद गुरूवार शाम को झमाझम बारिश हुई। बारिश की बूंदों के बीच जब ठण्डी हवाएं चली तो लोगों को राहत का अहसास हुआ। हालांकि बारिश की वजह से शहर में कई जगहों पर सड़क धंसने और मिट्टी कटाव के कारण बड़े-बड़े गड्ढों की समस्या भी सामने आई। सीकर रोड स्थित खेतान हॉस्पिटल के सामने मिट्टी कटाव के कारण बड़ा गड्ढा बन गया। फोटो-राष्ट्रदूत

स्कूल लेक्चरर व कोच भर्ती परीक्षा में ग्रुप बी के जीके पेपर में 63 फीसदी उपस्थिति

अभ्यर्थियों को चेकिंग के बाद ही सेंटर पर प्रवेश दिया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित स्कूल लेक्चरर एवं कोच (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के चौथे दिन गुरुवार को ग्रुप बी के परीक्षार्थियों की जीके का पेपर हुआ। निर्धारित समय से एक घंटे पहले अभ्यर्थियों को चेकिंग के बाद ही सेंटर पर प्रवेश दिया गया। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित स्कूल लेक्चरर एवं कोच (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के लिए 15 जिलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए और परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए है। दिव्यांग अभ्यर्थियों की प्रमुखता के साथ चेकिंग कर सेंटर पर प्रवेश दिया गया। गुरुवार को ग्रुपी बी में जीके का पेपर एक ही पारी में आयोजित हुई। जबकि दूसरी पारी में पॉलिटीकल साइंस पेपर द्वितीय का पेपर होना था, लेकिन आरपीएससी आयोग द्वारा इसे स्थगित कर दिया और नई परीक्षा तिथि 6 जुलाई तय की गई है। पेपर के लिए अब नया ग्रुप ई बनाया गया है।

परीक्षा केंद्र पर दिव्यांग के दस्तवेजों की जांच की।

आयोग के सचिव ने बताया कि भर्ती परीक्षा 6 जुलाई तक आयोजित की जानी हैं। 2202 पदों के लिए होने वाली भर्ती के लिए प्रदेश के करीब 6 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किए। परीक्षार्थियों की संख्या के मद्देनजर ही पांच चरणों में परीक्षा आयोजित की जा रही है। गुरुवार को आयोजित ग्रुप बी के जीके की परीक्षा में 1 लाख 93 हजार 603 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हुए थे, इसमें से 1 लाख 22 हजार 744 शामिल हुए, वहीं 70 हजार 859 अनुपस्थित रहे, परीक्षा में उपस्थिति 63.40 प्रतिशत रही।

परीक्षार्थियों के लिए ड्रेस कोड: आयोग के सचिव ने बताया कि आयोग द्वारा ली जा रही स्कूल लेक्चरर भर्ती परीक्षा के लिए ड्रेस कोड तय किया गया है। परीक्षा में लाख या कांच की पतली चूड़ियों को छोड़कर किसी भी तरह के जेवरात पहनकर आने की अनुमति नहीं है। घड़ी, धूप का चश्मा, बेल्ट, हैंड बैग, हेयर पिन, ताबीज, कैप, स्कार्फ, स्टॉल, शॉल और मफलर जैसी वस्तुएं भी परीक्षा केंद्र में प्रतिबंधित हैं। इसी प्रकार पुरुष अभ्यर्थियों को हाफ शर्ट, टी शर्ट या कुर्ता, पैंट या पायजामा और स्लीपर पहनकर आना है।

संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ ने संभाला कार्यभार

अजमेर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शक्ति सिंह राठौड़ ने गुरुवार को अजमेर के संभागीय आयुक्त एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रशासक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वे उदयपुर में टीएडी आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की प्रभावी क्रियान्विति सहित विभिन्न प्राथमिकताओं की जानकारी दी।

राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। अंतिम छोर के व्यक्ति तक इनका लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाएगा, उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों से लाभार्थियों को सीधे लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है, उन्होंने कहा कि मानसून को दृष्टिगत रखते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी, बाढ़ नियंत्रण एवं जल संसाधनों के रख रखाव के लिए सुदृढ़ प्रबंधन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता देते हुए सभी स्तरों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर सतत मॉनिटरिंग की जाएगी। राठौड़ ने कहा कि निरंतर निगरानी से सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार किया जाएगा।

पेट स्कैन जांच का भुगतान 10.73 करोड़, जबकि ठेका 4 करोड़ का

- **पीबीएम हॉस्पिटल में कैंसर के उपचार और जांच को लेकर अनियमितताओं का खुलासा । पीपीपी मोड पर पेट स्कैन और गामा से कैंसर मरीजों की जांच कर रही फर्म को अतिरिक्त भुगतान करने का मामला सामने आया है।**

बीकानेर। पीबीएम हॉस्पिटल में कैंसर के उपचार और जांच को लेकर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। पीपीपी मोड पर पेट स्कैन और गामा से कैंसर मरीजों की जांच कर रही फर्म को 4 करोड़ 73 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान करने का मामला सामने आया है। पीबीएम हॉस्पिटल की मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी के तहत पेट स्कैन और गामा कैमरे से कैंसर के मरीजों की जांच करने का काम पीपीपी मोड पर मैसर्स मॉलीक्यूलर साइंटिफिक कोर हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड को 2023 में दिया गया था। टेंडर की अनुमानित लागत चार करोड़ रुपए रखी गई थी, जबकि फर्म को अब तक 10 करोड़ 73 लाख का भुगतान कर दिया गया है।

आरटीपीपी रूल 73(3) के तहत टेंडर राशि 50 प्रतिशत तक ही बढ़ाने का प्रावधान है। इस हिसाब से भुगतान 6 करोड़ तक ही होना था। फर्म को अब तक 4 करोड़ 73 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान हो चुका है, जो वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है और ऑडिट का पार्ट बनता है। फर्म का अभी 4.50 करोड़ का भुगतान और पेंडिंग है। यानी भुगतान 15 करोड़ से ऊपर जाएगा। दरअसल मामले का खुलासा तब हुआ प्रशासन ने अपनी गलती पर पर्दा डालने के लिए नया टेंडर कॉल करने का प्रस्ताव दो महीने पहले फाइनल कर लिया। इसके लिए उपापन समिति की बैठक 28 अप्रैल को हुई, जिसमें सदस्य सचिव डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा, वरिष्ठ लेखाधिकारी अभिषेक गोयल, कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सुरेंद्र बेनिवाल, डॉ. अमित शेखावत, डॉ. मुकेश सिंघल और डॉ. अथिमान एम शामिल हुए। बैठक में पेट स्कैन और गामा की जांच के लिए दो साल का टेंडर करने का निणर्य लिया है, जिसकी अनुमानित लागत 20 करोड़ रुपए रखी गई है। रोचक बात ये है कि इस बैठक से पहले 22 अप्रैल को ही फर्म को लेटर लिखकर कह दिया गया कि उसे अनुमानित लागत से ज्यादा का भुगतान कर दिया गया है। इसलिए आरटीपीपी रूल के तहत नया टेंडर जारी किया जाएगा। तब स्टे के लिए फर्म हाईकोर्ट चली गई। मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी ओर से दिए गए जवाब में स्पष्ट कहा गया है कि निविदा राशि के विरुद्ध भुगतान ज्यादा कर दिया गया है। भास्कर के पास सभी डॉक्यूमेंट मौजूद हैं। पीबीएम हॉस्पिटल के तत्कालीन अधीक्षक डॉ. पीके सैनी ने कैंसर के मरीजों की जांच के लिए 27 जुलाई 23 को गामा कैमरा और पेट स्कैन मशीन का दो साल के लिए टेंडर जारी किया गया था। इसकी अनुमानित लागत चार रोड़ रुपए रखी गई थी। डॉ. सैनी ने 4 अगस्त 23 को ही एक और पत्र जारी कर कार्य अवधि तीन साल कर दी, लेकिन अनुमानित लागत की दर नहीं बढ़ाई। 21 अगस्त को एग्रीमेंट हो गया, जिस पर देवनाराण और गौरी शंकर जोशी ने बतौर गवाह साइन किए। फर्म की कार्य अवधि जुलाई 2026 तक है। दरअसल अनुमानित लागत नहीं बढ़ाकर फर्म को ही अपरोक्ष रूप से लाभ दिया गया था। क्योंकि चार करोड़ की ईएमडी राशि 20 लाख रुपए ही बनती है, जबकि एफडी 12 लाख की ही बताई जा रही है। यदि लागत बढ़ती तो ईएमडी भी फर्म को ज्यादा जमा करानी पड़ती। इस टेंडर में जीवन रक्षा ने भी भाग लिया था, लेकिन टेक्निकली बाहर होने से काम मैसर्स मॉलीक्यूलर साइंटिफिक को ही मिला। कैंसर मरीजों की पेट स्कैन और गामा की जांच का काम मैसर्स मॉलीक्यूलर साइंटिफिक कोर हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड को 2022 में बिना की टेंडर पीपीपी मोड पर जयपुर से दूरभाष पर मिले दिशा निर्देशों के तहत दे दिया गया। एसपी मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ. मोहम्मद सलीम ने इस संबंध में आदेश जारी किए थे।

करोड़ों खर्च करने के बाद भी ठेकेदार ने मिट्टी में मिला दिया सुभाष उद्यान

अजमेर। नगर के सबसे महत्त्वपूर्ण और जनपयोगी सुभाष उद्यान यानि दौलत बाग के विकास पर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत करोडों रूपए की राशि खर्च की गई, किन्तु इस उद्यान को ठेकेदार की मनमानी व लापरवाही ने मिट्टी में मिला दिया, लेकिन नगर निगम के अफसरों को यह देखने की फुर्सत नहीं है कि किस तरह ठेके की शर्तो का उल्लंघन किया जा रहा है।

पार्षद गजेन्द्र सिंह रलावता ने इस आशय का आरोप लगाते हुए नगर निगम को शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि इसके बाद भी निगम के अधिकारी मौके पर जाकर सुभाष उद्यान की बद्त्तर होते हालत को नहीं देख रहे है। जिन शर्तो पर उद्यान ठेके पर दिया गया था उसका पालन नहीं किया जा रहा है और इस मामले में जुर्माने का प्रावधान है।

उन्होंने विधायक व विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को लक्ष्य करते हुए कहा कि वे सर्किट हाउस पर अक्सर अधिकारियों की बैठक लेते है कभी सुभाष उद्यान जाकर देखें कि वहां की क्या हालत हो गई है। सारे फाउन्टेन बंद है और कीचड फैलने से दुर्गन्ध आ रही है। झूले और एक्साइज के उपकरण टूट चुके है। सुभाष उद्यान में अमरबेल का सम्राज्य फैल चुका है जो जिस पौधे पर फैलती है उसे ही नष्ट कर देती है क्योंकि वह परजीवी है। पार्षद रलावता ने शिकायत में कहा है कि बाहर से उद्यान में जाने वालों पर खाद्य सामठी अंदर ले जाने पर रोक है किन्तु ठेकेदार की मनमानी से अंदर नमकीन के पाऊच, खाद्य सामठी सहित अन्य खाने पीने की वस्तुएं बेची जा रही है, जिससे वहां भरमार गंदगी फैली हुई है। इसके अलावा उद्यान में बिजली के तार खुले हुए है जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। पार्षद रलावता आरोप है कि सुभाष उद्यान में शराब का इस्तेमाल किए जाता है अपने खास लोगों को यह सुविधा ठेकेदार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। बरसात के दौरान पूरा सुभाष उद्यान कीचड़ व दुर्गन्ध का बाग बन जाता है। नेताजी सुभाष चंद बोस की प्रतिमा की कभी सफाई नहीं होती।

मेड़ता सिटी में अपराधियों में भय के लिए पुलिस जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला

मेड़ता सिटी। मेड़ता पुलिस व सी आर पी के जवानों के साथ मेडता शहर में गुरुवार को फ्लैग मार्च निकला। शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए चारभुजा चौक सहित अन्य मार्गों पर फ्लैग मार्च निकला गया।

- **जिस शहर में फ्लैग मार्च निकाला जाता है वहां जाकर थाने से अपराधियों की लिस्ट ली जाती है। जिससे भविष्य में किसी अपराधियों द्वारा उपद्रव मचाया जाता है और कोई शांति व्यवस्थाओं को खराब करता है तो पुलिस लिस्ट के अनुसार अपराधियों पर शिंकजा कसती है**

मेड़ता डिप्टी राम करण मिलिंडा ने बताया कि मेड़ता पुलिस व सी आर पी के अधिकारी व जवानों के साथ मेड़ता शहर में फ्लैग मार्च निकला गया जिसमें अपराधियों में भय बढ़ता रहे और शहर में शांति व्यवस्था बनी रहे।

वही सी आर पी के अधिकारी पी बी सिंह ने बताया कि सी आर पी द्वारा जिस शहर में फ्लैग मार्च निकाला जाता है वहां जाकर थाने से अपराधियों की लिस्ट ली जाती है।

शहर में अधिकारियों व जवानों के साथ फ्लैग मार्च निकला जाता है जिससे भविष्य में किसी अपराधियों द्वारा उपद्रव मचाया जाता है और कोई शांति व्यवस्थाओं को खराब करता है तो पुलिस लिस्ट के अनुसार अपराधियों पर शिंकजा कस व्यवस्थाओं को सुधार करने का काम करता हे।

इस मौके पर मेडता पुलिस थाना अधिकारी धर्मेश दायमा, अनीश खान, अशोक मेघवाल, जगदीश, ओम सिंह, श्रवण सहित पुलिस जवान व सी आर पी जवान मौजूद थे।

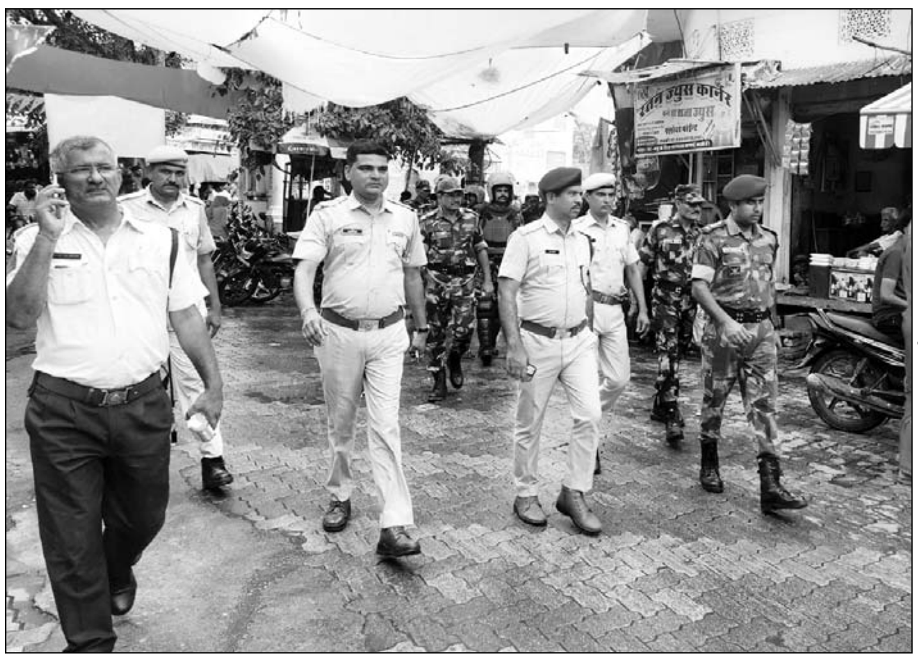

मेड़ता पुलिस व सी आर पी के जवानों के साथ मेडता शहर में गुरुवार को फ्लैग मार्च निकला।

जमीन से रास्ता नहीं देने पर दो पक्ष भिड़े, छह घायल

अनूपगढ़। यहां घड़साना में एक पक्ष ने रास्ता लेने के विवाद में दूसरे पर पक्ष पर जानलेवा हमला कर दिया। एक पक्ष के 40-50 लोगों ने मिलकर पड़ोस के खेत मालिक और उसकी पत्नी पर हमला कर दिया।

अचानक हुए हमले के बाद जब अन्य लोग दंपती को छुड़वाने आए तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। जिससे हमले में तीन महिलाओं सहित कुल 6 व्यक्ति घायल हो गए। घटना बुधवार रात करीब 9 बजे गांव 8 आरजेएम की है।

घायल संदीप कुमार ने बताया कि मुख्य आरोपी शंकर मूंदड़ा उनके पड़ोसी तुलसीराम पंडित के खेत में से रास्ता लेना चाहता थे। रात करीब 9 बजे वह अपने पिता काशीराम, माँ कमला देवी और मौसी इंद्रा देवी के साथ अपने खेत मे काम कर रहा था।

उस समय तुलसीराम (75) अपनी पत्नी सावित्री देवी के साथ अपने खेत मे काम कर रहे थे। उसी समय शंकर मूंदड़ा, प्रदीप सहारण, संतराम सहारण, संजय सहारण, प्रेम सहारण लगभग 40-50 अन्य लोगो के साथ गाडि़यों में सवार होकर आए।

हमलावरों ने आते ही गंडासी, रॉड, और लाठी-डंडों से तुलसीराम और उनकी पत्नी पर हमला कर दिया। हमले में तुलसीराम, सावित्री देवी, सन्दीप यादव, काशीराम, कमला देवी और इंद्रा देवी घायल हुए है। तुलसीराम की पत्नी सावित्री की हालत गंभीर होने पर उसे बीकानेर हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया है पुलिस के द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

वहीं सूचना मिलने पर घड़साना पुलिस थाने के कांस्टेबल सीताराम भी टीम के साथ मौके पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

संदीप ने बताया कि गांव में शंकर मूंदड़ा का शराब ठेका है। उसके ठेके के पास वाली जमीन उनकी है और ठेके के सामने तुलसीराम पंडित की जमीन है। तुलसीराम की जमीन के पीछे शंकर मूंदड़ा की जमीन है।

शंकर मूंदड़ा तुलसीराम की जमीन से रास्ता लेना चाहता था, मगर तुलसीराम अपनी जमीन से रास्ता नहीं दे रहा था। इस कारण से दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। घटना के बाद हमलावार मौके से फरार हो गए। घड़साना एसएचओ महावीर ने बताया कि घायलों की रिपोर्ट के आधार में पुलिस के द्वारा मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस के द्वारा उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

अवैध गांजा सहित तीन गिरफ्तार

उदयपुर। जिला स्पेशल टीम ने कोटड़ा एवं माण्डवा थाना पुलिस के साथ कार्यवाही करते हुए अवैध गांजा व शराब सहित वाहन जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्र सिंह के सुपरविजन में डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह, कोटडा एवं माण्डवा थाना पुलिस ने दो अलग-अलग जगह संयुक्त कार्यवाही करते हुए कोटड़ा थाना क्षैत्र से 25 किलों अवैध गांजा जब्त कर सायबा पुत्र रेशा निवासी डमारिया कोटड़ा से 19 किलों 550 ग्राम व अर्जुनसिंह पुत्र गोपी निवासी जोगीवड़ कोटड़ा से 5.450 किलो गुांजा बरामद किया। इसी तरह माण्डवा थाना क्षैत्र में से 11 कर्टन अवैध शराब के जब्त कर जीप वाहन जब्त कर लाडूराराम पुत्र कसना निवासी जोगीवड़ कोटड़ा को गिरफ्तार किया।

वृद्ध दंपत्ति से लूटी गई राशि बरामद

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर दस दस हजार इनाम की घोषणा

उदयपुर। गोगुन्दा थाना पुलिस ने वृद्ध दंपत्ति से नकदी लूट की वारदात कर खुलासा करते हुए आरोपियों के घर दबीश दे लूट की नकदी बरामद की तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर दस दस हजार रूपये इनाम की घोषणा की।

प्रकरण के अनुसार पीडित सेमड़ सायरा निवासी नाथू सिंह (70)पुत्र दुल्हे सिंह व उसकी पत्नी मोहन कुंवर दोनों मंगलवार को एसबीआई बैंक में एक लाख रूपये नकदी निकाल कर अपने साथ लेकर आए 75 हजार रूपये नकदी बैग में रख कर प्रताप चौक स्थित दुकान पर खरीददारी करने पहुंचे।

जहां अपना नकदी से भरा बैग रख कर खरीददारी कर रहे थे। कुछ ही देर बाद रूपये देने के लिए बैग देखा तो मौके पर नहीं मिला। जिसे अज्ञात चोर चुरा ले गया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। बैंक से नकदी निकालने पहुंचें दंपत्ति के पिछे दो बदमाशों ने निगाह रखना शुरू किया।

एक बदमाश बाहर खड़ा था एवं दूसरा बैंक में था। जहां से पिछा करते बदमाश दुकान तक पहुंचे। जहां मौका मिलते हीं नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। जिसमें नकदी के अलावा दस्तावेज थे।

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठौड़ के सुपरविजन में गोगुनदा थानाधिकारी श्यामसिंह के नेतृतव में एएसआई विनेश कुमार मय टीम ने मामले में अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर 400 किमी पीछा कर बोड़ा थाना जिला राजगढ एमपी के सहयोग से आरोपियों की तलाश कर उसके मकान आरोपी नकुल पुत्र राज कुमार सांसी के घर की तलाशी लेकर 1 लाख 40 हजार रूपये नकदी बरामद की।

पुलिस ने आरोपी नकुल सांसी व कोहिनूर सांसी को नामजद कर गिरफ्तारी के लिए दस दस हजार रूपये इनाम की घोषणा की। नकुल के खिलाफ 7 एवं कोहिनूर के खिलाफ 6 अपराधिक प्रकरण राजस्थान, एमपी व गुजरात में दर्ज है।

परिजनों से छुपकर तुलसी माला बनाना सीखा, आर्थिक स्थिति सशक्त हुई

भरतपुर (निस)। महिलाएं यदि ठान लें, तो क्या कुछ नहीं कर सकतीं. ऐसे में आज हम आपको ऐसी ही एक भरतपुर की महिला ओमवती के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 23 साल पहले एक एक रुपए के लिए मोहताज थी.उन्होंने परिजनों से छुपकर तुलसी माला बनाना सीखा. तुलसी माला के कारोबार से न केवल अपने जीवन को बदला, बल्कि वे आर्थिक रूप से भी सशक्त हुई हैं। इस कारोबार ने उन्हें घर बैठे रोजगार प्रदान किया है. ओमवती की कहानी एक प्रेरणादायक उदाहरण है जिसमें उन्होंने अपने जीवन को बदलने के लिए तुलसी माला बनाने का काम सीखा और आज वह न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी प्रशिक्षण देकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

भरतपुर की महिला ओमवती आज सशक्त स्थिति में है।

नदबई के बैलारा गांव निवासी महिला ओमवती ने बताया कि उनका बेटा मोनू 23 साल पहले मथुरा के जैत से तुलसी की माला बनाने के काम सीख कर आया था.उसके बाद वह घर से ही काम करने लगा.घर पर रखी मशीन को देख मेरे मन में काम करने की इच्छा हुई मैने बेटे से काम सिखाने की कहा लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया.जब बेटा काम करता था तो में उसे ध्यान से देखती थी और पीछे से मशीन को चलाकर माला बनाना सीखती थी.एक माह में बिना किसी प्रशिक्षण के तुलसी की माला बनाना सीख गई.लेकिन अब कच्चा माल और औजार की आवश्यकता थी लेकिन पैसा था नहीं तो जैसे तैसे परिजनों से छुपकर औजार और अरहर की लकड़ी मंगाई उनसे पहली माला बनाई और बाजार में जब तैयार माला को बेचा गया तो 400 रुपए मिले. उन लोगों को देखते ही हमारे मन में और काम के प्रति जिज्ञासा बड़ी क्योंकि हमारी आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी हम लोग एक-एक रुपए के लिए तंग थे. उसके बाद हमने पीछे मुड़कर नहीं देखा दिन रात तुलसी की माला बनाने का काम किया तो अब हम लोग इतने मजबूत हो गए हैं की प्रतिमाह 25 से 30 हजार रुपए कमा रहे हैं.

उनके द्वारा सिर्फ खुद की कहानी नहीं बल्कि अन्य महिलाओं की भी स्थिति में सुधार किया है उनके द्वारा राजस्थान मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश गुजरात हरियाणा महाराष्ट्र उड़ीसा कोलकाता में महिलाओं को संस्था के माध्यम से प्रशिक्षण दिया है जिससे वह आत्मनिर्भर बनकर अपना जीवन यापन कर सकें. उनके काम को चलते कही संस्था और दिल्ली आईआईटी से भी उन्हें तुलसी माला बनाने की मशीन गिफ्ट दी गई। वह कच्चा माल उत्तर प्रदेश के मथुरा के जैत गांव से लाते हैं. तुलसी की तीन चार प्रकार की लकड़ी आती है जिनकी कीमत 200 रू से लेकर के 350 होती है 1 किलो तुलसी की लकड़ी से भजन करने की माला 20, गर्दन में डालने वाली 30 से लेकर 80 माला बनकर तैयार होती है।

- **1 किलो तुलसी की लकड़ी से भजन करने की माला 20 बन जाती है**

उन्होंने कहा है कि मेरे घर के आसपास कहीं ऐसी महिला थी जिनके पति शराब पीते थे उन्हें मैं काम सिखाया और आज वह है आत्मनिर्भर बन चुकी है मैं अन्य महिलाओं से भी अपील करना चाहती हूं जो काम करना चाहती है वह बेझिझक मेरे पास आकर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी सफलता की कहानी लिख सकती है।

महिला की चेन तोड़कर दो बाइक सवार फरार

अजमेर। अलवरगेट थाना इलाके में गुरूवार को सब्जी खरीदती महिला की सोने की चेन को झपट्टा मार कर तोडने के बाद बाइक सवार दो युवक फरार हो गए। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माधव कालोनी जेपी नगर मदार में गुरूवार को सुबह करीब दस बजे मंजीत मेघवाल घर के बाहर खडे टेम्पो से सब्जी खरीद रही थी। इसी बीच दो बाइक सवार युवक वहां पहुंचे और बाइक पर पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मार कर पीछे से महिला की सोने की चेन तोडकर तेज रफ्तार से फरार हो गए।

महिला चिल्लाई जब तक लोग एकत्रित हुए तो आरोपी आंखों से ओझल हो चुके थे। मंजीत ने बताया कि आरोपी युवक काले रंग की स्पेलन्डर बाइक पर सवार थे, जिस पर नम्बर नहीं था। पीछे वाले युवक ने कपडे से मुंह ढक रखा था, जबकि आगे वाला सांवले रंग का दाढी वाला युवक था। महिला के अनुसार चेन की कीमत एक लाख रूपए से अधिक थी।

सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात रिकार्ड हुई है। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

पूर्व आयुक्त के खिलाफ जांच के आदेश

अजमेर। केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने नगर निगम के पूर्व आयुक्त सुशील कुमार यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत के तहत एफआईआर दर्ज करके राज्य के मुख्य सचिव को जांच के आदेश दिए है। वे पूर्व में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सीईओ भी रह चुके है और वर्तमान में बालोतरा में जिला कलेक्टर के पद पर नियुक्त है।

इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्त्ता अशोक मलिक ने एक मई 2025 को केन्द्रीय सतर्कता आयोग के समक्ष याचिका पेश की थी। जिसमें नगर निगम के पूर्व आयुक्त सुशील कुमार यादव पर भ्रष्टाचार करके आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया है। आयोग ने याचिका के दस्तावेजों की प्रारंभिक तौर पर जांच करके 29 मई को एफआईआर दर्ज करने के बाद राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांशु पंत को जांच करने के आदेश दिए है।

उल्लेखनीय है कि पूर्व आयुक्त सुशील कुमार ने अजमेर निगम में अपने कार्यकाल के दौरान अशोक मलिक एवं उनके पुत्र के विरूद्ध एक मामले में मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके फलस्वरूप दोनों को कुछ दिनो जेल में भी रहना पडा था। केन्द्रीय सतर्कता आयोग को दी गई शिकायत में बताया गया है कि पूर्व आयुक्त सुशील कुमार अगस्त 2023 में नगर निगम में तैनात थे और इसी बीच स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सीईओ का कामकाज भी देख रहे थे। उन्होंने जयपुर में वाटिका नामक भूखंड एजेन्सी से पांच सौ 27 गज के नाप का प्लाट खरीदा। जिसकी कीमत 38.82.67 लाख रूपए प्रदर्शित करते हुए दस्तावेज तैयार कराए गए है।

मलिक ने केन्द्रीय सतर्कता आयोग को बताया है कि वाटिका की वेबसाइट पर भूखंड की कीमत 42 हजार पांच सौ रूपए प्रतिगज दर्शायी गई है। इसके अलावा जेएडी और जयपुर आवासन मंडल की रिजर्व रेट बीस हजार रूपए प्रति वर्ग गज है।

इस हिसाब देखा जाए तो पूर्व आयुक्त सुशील कुमार ने जो प्लाट खरीदा है उसकी कीमत एक करोड से दो करोड रूपए के बीच है, लेकिन उन्होंने अपनी आय से अधिक संपत्ति को छिपाते हुए कम लागत के दस्तावेज तैयार कराए है ओर इसमें प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए पद का दुरूपयोग किया है।

बतौर कप्तान मेरे लिए सबसे मुश्किल हरभजन सिंह और अनिल कुंबले में से किसी एक को चुनना होता था। ये वो प्लेयर्स नहीं थे जो पांच दिन के टेस्ट में बाहर बैठकर ब्रेक का मजे लेंगे, ये वो खिलाड़ी थे जो आते थे और पूछते थे कि मैं क्यों नहीं खेलरहा हूं? - सौरव गांगुली

पूर्व भारतीय कप्तान, अपने अनुभवों को साझा करते हुए।

आज का खिलाड़ी

राजिंदर सिंह

भारतीय (महिला और पुरुष) हॉकी टीम के पूर्व कोच और द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित ओलंपियन राजिंदर सिंह ने गुरुवार को यहां सुरजीत हॉकी स्टेडियम में आयोजित वार्षिक सुरजीत हॉकी कोचिंग कैंप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते कहा कि अगर किसी खिलाड़ी को सही समय पर सही रास्ता मिल जाए और सही ट्रैक पर चले तो वह खिलाड़ी निश्चित रूप से अपना लक्ष्य हासिल करता है। सुरजीत हॉकी वार्षिक कोचिंग कैंप में भाग लेना दर्शाता है कि इन खिलाड़ियों ने सही हॉकी ट्रैक चुना है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे तेज 1,000 रन बनाने का रिकॉर्ड फिलहाल डॉन ब्रैडमैन के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि महज 13 पारियों में हासिल की थी।

निसांका के नाबाद शतक की बदौलत श्रीलंका ने बनाई बढ़त

कोलंबो, 26 जून। श्रीलंका ने गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 290 रन बनाये हैं। मेहमान टीम ने अपनी पहली पारी में 247 रन बनाए थे। श्रीलंका ने 43 रन की बढ़त ले ली है और उसके आठ विकेट अभी भी बरकरार हैं। पथुम निसांका ने नाबाद 146 रन बनाए, जबकि दिनेश चांदीमल सात रन से शतक से चूक गए। दूसरे विकेट के लिए 194 रन की साझेदारी करने के बाद वह अंतिम सत्र में आउट हो गए।

बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत 237 रन पर आठ विकेट के साथ की। श्रीलंकाई तेज गेंदबाजों ने एक घंटे से भी कम समय में पारी को समेट दिया। सोनल दिनुशा (22 रन पर तीन विकेट) और असिथा फर्नांडो (51 रन पर तीन विकेट) ने मिलकर छह विकेट लिए। केवल तैजुल इस्लाम (60 गेंदों पर 33 रन) ने कुछ समय तक प्रतिरोध किया। जवाब में श्रीलंका ने शानदार बल्लेबाजी की और बांग्लादेश को शुरुआत से ही दबाव में रखा।

निसांका और लाहिरू उदारा (40) के बीच 88 रनों की ओपनिंग साझेदारी ने मैच की शुरुआत की, लेकिन लंच के तुरंत बाद उदारा को नईम हसन ने एलबीडब्लू आउट कर दिया।

इसके बाद गेंदबाजी का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। निसांका और चांदीमल ने गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाईं और किसी भी गलती का फायदा उठाया। इस जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 194 रन जोड़े, जिसमें चांदीमल अंततः 93 रन पर आउट हो गए, उन्होंने नईम की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने का प्रयास किया, जिनका दिन खराब रहा और उन्होंने 14 ओवर में 45 रन देकर एक विकेट लिया। मेहदी हसन मिराज और तैजुल इस्लाम की अगुआई में बांग्लादेश के गेंदबाजों ने कुछ समय के लिए नियंत्रण बनाए रखा, खासकर लंच के बाद और अंतिम सत्र की शुरुआत में। लेकिन इबादत हुसैन और नाहिद राणा की असंगत सीम गेंदबाजी ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया, जिन्होंने 19 ओवर में मिलकर 87 रन दिए।

वेस्टइंडीज ने दबदबा बनाया मगर ऑस्ट्रेलिया ने की वापसी

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), 26 जून। जेडन सील्स और शमर जोसेफ की घातक गेंदबाजी की मदद से वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट के पहले दिन आस्ट्रेलिया की पहली पारी को 180 रन पर समेट दिया। 1995 के बाद से कैरेबियाई क्षेत्र में आस्ट्रेलिया का सबसे कम पहली पारी का स्कोर है। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला ऑस्ट्रेलिया के लिये कठिन जान पड़ा जब उसके तीन अहम बल्लेबाज मात्र 22 रन पर पवेलियन लौट गये।

हालांकि उस्मान ख्वाजा (56) और ट्रैविस हेड (59) ने 89 रनों की साझेदारी करके पारी को कुछ हद तक संभाला, लेकिन यह वापसी ज़्यादा देर तक नहीं टिक पाई और निचले क्रम के बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गयी। जोसेफ ने 43 रन पर चार विकेट झटके जबकि सील्स ने 50 रन पर पांच विकेट हासिल किये। यह उनका तीसरा टेस्ट पांच विकेट लेने का कारनामा है। जोसेफ़ के चार कैच छूटे नहीं होते तो वे और भी कैच पकड़ सकते थे, जिनमें से दो कैच उन्होंने अपनी गेंदबाजी से छोड़े थे। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने हालांकि मैच में वापसी का सफल प्रयास किया जब मिशेल स्टार्क ने शुरुआत में ही क्रेग ब्रैथवेट और जॉन कैंपबेल को आउट करके मेजबान टीम का स्कोर 16/2 कर दिया। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने दबाव जारी रखा और एक-एक विकेट चटकाए, जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर 55/4 पर पहुंच गया। डेब्यू करने वाले ब्रैंडन किंग ने मुश्किल दिन का सामना किया, उन्होंने तीन कैच छोड़े, जिनमें से दो गली में और एक ख्वाजा का था।

हैम्पशायर ने टी-20 ब्लास्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया के लिन को किया अनुबंधित

लंदन, 26 जून। हैम्पशायर ने अपने शेष टी20 ब्लास्ट ग्रुप मैचों के लिए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज क्रिस लिन को अनुबंधित किया है। हॉक के पास ग्रुप चरण में छह और गेम हैं और लिन का आगमन दक्षिण अफ्रीकी जोड़ी लुआन-ड्रे प्रीटोरियस और डेवाल्ड ब्रेविस के अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप अर्जित करने के बाद हुआ है। दक्षिण अफ्रीका को 28 जून से जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है।

सर्जरी के बाद सूर्यकुमार यादव की सेहत में सुधार

म्यूनिख, 26 जून। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव जर्मनी में हर्निया की सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं और उनकी सेहत में अपेक्षित सुधार है। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया पर खुलासा किया कि उन्होंने यहां सर्जरी करवाई है और वह पहले की तरह ही मैदान पर वापसी के लिए उत्सुक हैं। उन्होने लिखा , पेट के निचले हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सर्जरी के बाद मैं स्वास्थ्य लाभ ले रहा हूं। वापसी का बेसब्री से इंतजार है। भारत के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने भारत के लिए आखिरी बार फरवरी की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेला था।

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, प्रतापनगर, उदयपुर
(विशाल पेट्रोल पम्प के सामने जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण परिसर)

क्रमांक : एफ ()/निविदा /MJSA2.2/PMKSY 2.0/2025-26/436 दिनांक : 19/6/2025

ई निविदा सूचना 22-24/2025-26

पीएमकेएसवाये 2.0 (जलग्रहण घटक) चरण प्रथम परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत गोगुन्दा (कुल 3 पैकेज) में जलग्रहण विकास कार्य / चारागाह विकास कार्य, अनुमानित मूल्य 191.58 लाख रुपये दिनांक 27.06.2025 को दोपहर 5.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती हैं। बोलियों से संबन्धित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in/) पर देखे जा सकते हैं।

यूबीएन संख्या : WSC2526WSOB00563, WSC2526WSOB00564 WSC2526WSOB00565

अतिरिक्त अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर प्रतापनगर, उदयपुर

DIPR/C/8592/2025

कार्यालय नगर परिषद्, झुन्झुनू (राज.)

क्रमांक :-एफ(5)( ) NULM / 2025-26 / 4944 दिनांक :- 25.06.2025

ई-निविदा संख्या 01/2025-26
(NIB Code- DLB2526A2885)
कुल राशि - 36.98 लाख

निविदा की कुल लागत (लाखो में)	3698000 /-
कुल धरोहर राशि 2 प्रतिशत (रूपये में)	73960 /-
निविदा डाउनलोड करने की तिथि	26.06.2025 को सांय 1.00 बजे से 07.07.2025 दोपहर 02.00 बजे तक
निविदा अपलोड करने की तिथि	26.06.2025 को सांय 1.00 बजे से 07.07.2025 दोपहर 02.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	08.07.2025 प्रातः 11.00 बजे

निविदा सूचना इंटरनेट साईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in वेबसाईट पर भी देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद झुन्झुनू

राज.संवाद / सी / 25 / 5095

राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 26 जून। अंडर-16 अरावली कप में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 230 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाए! नितिन ने 61, पुनीत यादव ने 60 और शिफान खान ने 42 रनों

को योगदान दिया। कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से हिमांक और अतर्रे ने दो - दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैंडलविक क्रिकेट एकेडमी 40 ओवर में 135 रन 9 विकेट के नुकसान पर बना सकी। दक्ष पारीक ने 29, हर्षित कुमावत ने 27 और अथर्व अग्रवाल ने 25 रन का योगदान दिया। राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी की ओर से एकलव्य और शुभम गुर्जर ने 4-4 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच एकलव्य को चुना गया।

भारत ने इंग्लैंड को दो विकेट से हराया

लंदन, 26 जून। भारत की मिश्रित दिव्यांग टीम ने ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मिश्रित दिव्यांग विटालिटी टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड को आखिरी ओवर में दो विकेट से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। यह अवसर इसलिए भी ऐतिहासिक रहा क्योंकि पहली बार कोई भारतीय दिव्यांग टीम इस मैदान पर खेल रही थी।तारीख, मैदान और नतीजा तीनों ने 1983 की यादें ताजा कर दीं, जब कपिल देव की कप्तानी में भारत ने 25 जून को लॉर्ड्स में ही विश्व कप जीता था। जीत के बाद भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद के महासचिव रवि चौहान ने कहा कि, हम अपनी टीम की इस ऐतिहासिक जीत को कपिल देव सर की 1983 की विश्व कप विजेता टीम को समर्पित करते हैं। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने भारत के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर दिलीप दोषी के सोमवार को लंदन में निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए काली पट्टियाँ बाँधी थीं। इसके अलावा इस दिन यहां 25 जून को ही विश्व मिश्रित दिव्यांग दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

दूसरे टेस्ट से पहले आर्चर घरेलू मैच खेलें तो बेहतर : माइकल वॉन

लंदन, 26 जून। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलने से पहले लाल गेंद से एक और घरेलू मैच खेलने की सलाह दी है। तेज गेंदबाज आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। आर्चर रविवार से काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स टीम से खेलेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, आर्चर काउंटी मैच में फिट रहे तो दूसरे टेस्ट में उन्हें खिलाया जा सकता है। दूसरा टेस्ट दो जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने भी भारत-इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले बयान दिया था कि 30 साल के आर्चर फिर से टेस्ट जर्सी पहनने के लिए बेताब हैं। आर्चर चार साल से टेस्ट टीम से बाहर हैं।

आर्चर ने इस सप्ताह की शुरुआत में चार साल से अधिक समय के बाद लाल बॉल से अपना पहला मैच खेला।

वह चेस्टर-ले-स्ट्रीट में डरहम के खिलाफ चार दिवसीय मैच में ससेक्स के लिए उतरे और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की झलक दिखाई। आर्चर ने 31 रन बनाए और 18 ओवरों में 32 रन देकर एक विकेट हासिल किया था।

राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने आर्चर के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी को टेस्ट क्रिकेट में वापसी का रास्ता माना था, लेकिन वॉन को भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इस बेहतरीन दाएं हाथ के गेंदबाज को जल्दबाजी में शामिल करने का कोई कारण नहीं दिखता। इंग्लैंड पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाए हुए है। वॉन का मानना है कि आर्चर को रविवार से वारविकशायर के खिलाफ ससेक्स के लिए एक और चार दिवसीय मैच खेलना चाहिए और देखना चाहिए कि वह अपनी चोट से कितने उबर गये है, उसके बाद ही उन्हें टेस्ट टीम में शामिल किया जाना चाहिए।

वॉन ने बीबीसी से कहा, अच्छी बात यह है कि जोफ्रा की वापसी हो रही है, लेकिन मैं उसे एक और चार दिवसीय मैच खेलते देखना चाहूंगा। वह चार साल से लंबे प्रारूप में नहीं खेले हैं, तो डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए एक मैच के बाद आप उसे वापस क्यों बुलाएंगे। उन्होने कहा हम जानते हैं कि टेस्ट मैच के स्तर पर काउंटी क्रिकेट से बहुत अलग होता है। उसे एक और चार दिवसीय मैच खेलने दें। मैं उसी लाइन-अप के साथ जाऊंगा, जब तक कि गेंदबाज ठीक हैं और कोई परेशानी नहीं है तभी उसे खिलाना चाहिये। इंग्लैंड और भारत के बीच दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगा।

विम्बलडन चैम्पियन क्रेजिकोवा चोट के कारण ईस्टबोर्न से बाहर

लंदन, 26 जून। विंबलडन चैंपियन बारबोरा क्रेजिकोवा ने जांघ की चोट के कारण ईस्टबोर्न से नाम वापस ले लिया है। चेक गणराज्य की खिलाड़ी को अपने दोनों मैचों में तीन सेटों तक जाना पड़ा, जिसमें उन्होंने क्रमशः पहले और दूसरे राउंड में ब्रिटेन की हैरियट डार्ट और जोडी बर्रेज को हराया। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना फ्रांस की वरवारा ग्रेचेवा से होना था, लेकिन मैच शुरू होने से पहले ही उन्होंने नाम वापस ले लिया। दो बार की प्रमुख एकल चैंपियन क्रेजिकोवा ने बुधवार को शुरू में समस्या महसूस की जो रात भर में और खराब हो गई। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, मुझे नाम वापस लेने का बहुत दुख है, क्योंकि मेरी दाहिनी जांघ में कुछ दर्द है।

रोनाल्डो ने सऊदी क्लब अल-नासर के साथ किया नया करार

लिस्बन, 26 जून। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी क्लब अल-नासर के साथ दो साल का नया करार किया है जिसके बाद वह अपने 42वें जन्मदिन के बाद तक सऊदी प्रो लीग क्लब के साथ बने रहेंगे। पुर्तगाल के 40 वर्षीय कप्तान मैनचेस्टर यूनाइटेड को खराब परिस्थितियों में छोड़ने के बाद दिसंबर 2022 में रियाद स्थित टीम में शामिल हुए थे। उनका पिछला अल-नासर करार जून के अंत में समाप्त होने वाला था। एक्स पर एक पोस्ट में, रोनाल्डो ने लिखा एक नया अध्याय शुरू होता है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं।

पाक के खिलाफ तीन टी-20 की मेजबानी करेगा बांग्लादेश

ढाका, 26 जून। बांग्लादेश 20 जुलाई से मीरपुर में तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए पाक की मेजबानी करेगा। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान में इतने ही टी20 मैच खेलने वाले दोनों देश एक बार फिर सबसे छोटे प्रारूप में एक दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। पाकिस्तान में सीरीज में क्लीन स्वीप के बाद बांग्लादेश आगामी मुकाबले में जीत की राह पर लौटना चाहेगा।

मुक्केबाजी टूर्नामेंट में लवलीना, निखत करेगी शिरकत

तेलंगाना, 26 जून। दो बार की विश्व चैंपियन निखत ज़रीन, ओलंपिक गेम्स टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो, 27 जून से एक जुलाई तक तेलंगाना के सरूरनगर इंडोर स्टेडियम में खेले जाने वाले एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट में राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली शीर्ष भारतीय महिला मुक्केबाजों में शामिल होंगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और तेलंगाना खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में तेलंगाना मुक्केबाजी महासंघ द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में 15 इकाइयों की मुक्केबाज़ भाग लेंगी, जिसमें आठवीं एलीट महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की शीर्ष 12 टीमें रेलवे, हरियाणा, अखिल भारतीय पुलिस, सेवाएँ, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और सिक्किम शामिल हैं।

कार्यालय नगरपालिका मावली जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक :- न.पा.मा. / स्टोर / 2025-26 / 230 दिनांक :- 25.6.25

-:: ई निविदा सूचना ::-

नगरपालिका मावली द्वारा वार्षिक अनुबन्ध 2025-26 हेतु निम्नांकित कार्यो के लिए पंजीकृत ठेकेदारो एवं अन्य विभागो के निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत नियमानुसार योग्य संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में मुहरबंद ई निविदाये आंमत्रित की जाती है। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण पोर्टल sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

कुल कार्य	1
कार्यो कि कुल लागत	40.00 लाख
ऑनलाईन फार्म मिलने / डाउनलोड करने की दिनांक	दिनांक 26.06.2025 प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 07.07.2025 साय 06.00 बजे तक
ऑनलाईन फार्म जमा कराने की दिनांक	दिनांक 26.06.2025 प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 07.07.2025 साय 06.00 बजे तक
ऑफलाईन निविदा शुल्क, धरोहर, दस्तावेज जमा कराने की अंतिम दिनांक	दिनांक 08.07.2025 प्रातः 11.00 बजे तक।
ऑनलाईन तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 08.07.2025 दोपहर 02.00 बजे से।
ऑनलाईन वित्तिय निविदा खोलने की दिनांक	तकनीकी अर्हता रखने वाले की वित्तिय निविदा खोली जावेगी।
युबीएन कोड	DLB2526SLOB09102

निविदा से संबधित विवरण वेबसाईट http://www.sppp.rajasthan.gov.in व http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।इच्छुक संवेदको को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम सेवेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत होना आवश्यक है।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका, मावली

राज.संवाद / सी / 25 / 5083

पावरग्रिड बीकानेर IV ट्रांसमिशन लिमिटेड
(पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की **100%** पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी)
बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवरिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सूचना

(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (2) के अंतर्गत)

पावरग्रिड बीकानेर IV ट्रांसमिशन लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 में है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत निगमित है, ने पारेषण लाइनों के संबंध में पारेषण लाइसेंस प्रदान करने के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (2) के अंतर्गत प्रक्रिया के अनुसार केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष आवेदन किया है। सब-स्टेशन और अन्य परिसंपत्तियां, जिनका विवरण दिया गया है: -

क्र. सं.	पारेषण परिसंपत्तियों का नाम और स्थान	लाइन की लंबाई /क्षमता	पूरा होने का अनुमान लागत	अनुसूची सीओडी (जोड़ के मामले में)	टिप्पणियां
1.	220 केवी सेक्शनलाइज़र बे, 220 केवी बीसी बे और 220 केवी टीबीसी बे के साथ 2x500 एमवीए (7वां और 8वां), 400/220 केवी आईसीटी का विस्तार	आईसीटीः 2 नग (500 एमवीए), 400/220 केवी 400 केवी आईसीटी बेः 2 नग। 220 केवी आईसीटी बेः 2 नग। 220 केवी बेः 3 नग।	122.88 करोड़	05.02.2027	विनियमित टैरिफ तंत्र के तहत कार्यान्वित किया जाना है
2	3 का कार्यान्वयन। मेसर्स फ्यूरीज़ सोलरेन प्राइवेट लिमिटेड (300 मेगावाट) (1 नग बे) और मैसर्स एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (500 मेगावाट) के इंटरकनेक्शन के लिए 220 केवी लाइन बे (2 नंबर बे) आरई पावर परियोजनाएं 765/400/220 केवी बीकानेर-IV पीएस पर	220 केवी बेः 3 नग।	18.54 करोड़	11.11.2026	विनियमित टैरिफ तंत्र के तहत कार्यान्वित किया जाना है

2. आयोग के समक्ष दायर किए गए पूर्ण आवेदन और अन्य दस्तावेज पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं **www.powergrid.in/subsidiaries** किसी भी व्यक्ति की पहुंच के लिए। आवेदन का निरीक्षण कंपनी के कार्यालय सी/ओ ईडी (टीबीसीबी), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर -29, गुड़गांव 122001 में श्री मनोज कुमार पांडे, परियोजना प्रभारी, पावरग्रिड बीकानेर IV ट्रांसमिशन लिमिटेड या आयोग द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार आयोग के कार्यालय में भी किया जा सकता है।

3. आपत्तियां या सुझाव, यदि कोई हों, समाचार पत्र में नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर आवेदक या उसके प्राधिकृत एजेंट को आपत्ति(ओं)/सुझाव (सुझावों) की एक प्रति के साथ सचिव, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, 6वीं, 7वीं और 8वीं मंजिल, टॉवर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029 के समक्ष दायर किए जाएं।

स्थान : बीकानेर
तिथि : 27.06.2025

परियोजना प्रभारी,
पावरग्रिड बीकानेर IV ट्रांसमिशन लिमिटेड

PG/CC/Notice-22(SPV)/Advt-26/25-26 Centum

जयपुर बना राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड का विजेता

जयपुर, 26 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्माने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के जयपुर में खेले जा रहे मल्टीडेज फाइनल मैच के तीसरे दिन जयपुर ने श्रीगंगानगर टीम को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हारते हुए प्रतियोगिता की चैंपियन बनी।

फाइनल मैच के पुरुस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा रहे व विशिष्ट अतिथि फ़ाइनल मैच के पर्यवेक्षक व सिरोही जिला क्रिकेट संघ सचिव राजेश माथुर थे। साथ ही राजसमंद जिला क्रिकेट संघ सचिव गिरिराज सनाढ्य इस अवसर पर अतिथि के रूप में मौजूद थे। सभी अतिथियों का स्वागत आरसीए द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के पुरुस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि विमल शर्मा, राजेश माथुर ने कॉल्विन शील्ड की विजेता जयपुर, उपविजेता श्रीगंगानगर व प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी व मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

युवाओं को हर स्तर पर खेल सुविधांए उच्च स्तर पर प्राप्त हो जिसके लिए एडहॉक कमेटी हर संभव प्रयास कर रही : विमल शर्मा

प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर मीडिया से बात करते हुए आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने कहा की आरसीए एडहॉक कमेटी का जब से गठन हुआ है तभी से एडहॉक कमेटी अपने संयोजक जयदीप बिहानी के नेतृत्व में कार्य कर रही है जिसका एकमात्र उदेश्य राज्य में क्रिकेट का विकास सहित राज्य के युवा खिलाडियों को हर स्तर पर उच्च स्तरीय खेल सुविधाओं को उपलब्ध कराने की रही है। विमल शर्मा ने विशेष रूप से राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। उनकी मंशाराज्य के हर जिलों में युवाओं को हर स्तर पर खेल सुविधांए उच्च स्तर पर प्राप्त हो जिसके लिए एडहॉक कमेटी हर संभव प्रयास कर रही है।

यूथ राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए जयपुर बालक एवं बालिका टीम की घोषणा

जयपुर, 26 जून। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ एवं जोधपुर बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वाधान में युथ राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन दिनांक 27 जून से 29 जून 2025 तक जोधपुर में किया जा रहा है ! उक्त प्रतियोगिता में जयपुर की बालक एवं बालिका दोनों टीमें भाग लेने जा रही है !

जिला बॉल बैडमिंटन संघ के कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को खेल देकर रवाना किया। जयपुर जिला बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव शौकत अली मंसूरी के अनुसार उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाली जयपुर बालक एवं बालिका टीमें इस प्रकार है :-

बालक वर्ग : नैतिक अग्रवाल (कप्तान), राकेश चौधरी (उप कप्तान), आदित्य शर्म, मिहिर शेखर शर्मा, प्रिंस प्रजापती, रोशन यादव, जतिन, मैथ्यू, निशांत, नितिन, अब्दुल अब्बास (कोच) , अंकित सिंह (मैनेजर)।

बालिका वर्ग : ट्विंकल (कप्तान), कशिश (उप कप्तान) आमना, हेमा, ख़ुशी, इशिका, वेदिका, ऋषिका, पायल, सुगना, खुशबु सिद्दीकी (कोच), कोमल सैन (मैनेजर)।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ(चूरु)राजस्थान

क्रमांकः- न.प.सु / स्टोर शाखा / 2025 / 2628 दिनांकः- 24.06.2025

Corrigendum (शुद्धिपत्र)

नगर परिषद कार्यालय द्वारा ई-निविदा सूचना-2025 कमांक 2146-50 दिनांक 06.06.2025 को जारी की गयी थी उक्त निविदा में दिनांक व शर्तो में संशोधन किया जाता है जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

महत्वपूर्ण दिनांको का विवरण

विवरण	दिनांक / समय
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलना प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	11.06.2025 10:00 A.M.
ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराना प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	11.06.2025 11:00 A.M.
ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक व समय	27.06.2025 12:00 P.M.
ऑन लाईन तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक	30.06.2025 05:00 P.M.
ऑन लाईन वित्तिय निविदा खोलने की दिनांक	30..06.2025 05:00 P.M.
निविदा शुल्क / धरोहर राशि की मूल प्रति नगर परिषद सुजानगढ़ कार्यालय में जमा कराने की दिनांक व समयावधि	27.06.2025 01.00 P.M.

निविदा (NIB) में बिन्दू संख्या 12 पर अंकित शर्तः-(पंजिकरण नियम के अनुसार केवल "ए" एवं "एए" श्रेणी के अन्य विभागों में पंजिकृत संवेदक ही अपनी योग्यता सीमा तक निविदा में भाग ले सकता है।) उक्त शर्त को निविदा में से प्रत्याह्रत किया जाता है।

अतः निविदा में अंकित दिनांक / समय को शुद्धिपत्र (Corrigendum) में दी गई सारणी में अंकित दिनांक / समय के अनुसार पढ़ा जावे।

राज.संवाद / सी / 25 / 5036 आयुक्त, नगर परिषद सुजानगढ

OFFICE OF THE MEDICAL SUPERINTENDENT
RUHS HOSPITAL, Sector - 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033 Ph. : 0141-279577 Email: supdt.hms@ruhsraj.org

No. :- RUHS HMS/Store/2025-26/5349 - 5350 Date :- 25/06/2025

अल्पकालीन दर संविदा सूचना

राज.स्वा.वि.वि. आयुर्विज्ञान चिकित्सालय के लिए कार्य की प्रकृति के आधार पर निम्नांकित सेवाओं के उपापन हेतु वार्षिक दर संविदा के लिए निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-उपापन प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

Sr. No.	Description of Tender	Estimated Cost in Rs.	Bid Security in Rs.	Tender Fee in Rs.	RISL Processing Fee	Bid Submission Start Date/Time	Bid Submission End Date/Time	Bid Opening Date/Time
1.	Annual Rate Contract for Procurement of Skilled Man Power (Security Man) as per nature of work for RUHS Hospital, Jaipur **(CMS2526SLRC00044)**	100.00 Lacs	2.00 Lacs	1000.00	1500.00	25/06/2025 from 3:00 PM onwards	05/07/2025 at 2:00 PM	07/07/2025 at 11:00 AM
2.	Annual Rate Contract for Procurement of Cleaning Work with Machine & Material (Unskilled Services as per nature of work) as per Nature of work at RUHS Hospital, Jaipur **(CMS2526SLRC00045)**	200.00 Lacs	4.00 Lacs	1000.00	2000.00	25/06/2025 from 3:00 PM onwards	05/07/2025 at 2:00 PM	07/07/2025 at 02:00 PM

Details may be seen in the Bidding Document at **https://eproc.rajasthan.gov.in** or on **https://sppp.rajasthan.gov.in.**

Medical Superintendent,
RUHS Hospital, Jaipur

Raj.Samwad/C/25/5061

‘युवा कभी सपने देखना बंद नहीं करें’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आईआईटी जोधपुर के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को पदक दिये

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को आई.आई.टी. जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

जोधपुर/जयपुर, 26 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मील का पत्थर है। यहां से निकलने वाले स्नातक वह युवाशक्ति हैं, जो विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने युवाओं से आ ान किया कि वे कभी सीखना बंद न करें, कभी सपने देखना बंद न करें तथा अपने हर निर्णय में ‘भारत प्रथम’ की भावना को अपनाएं।

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईटी जोधपुर मरुधरा की धरती पर चमकता हुआ मोती है।

शर्मा गुरूवार को जोधपुर में आईआईटी, जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि आपने कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से शिक्षा पूरी कर माता-पिता के साथ समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आईआईटी जोधपुर मरुधरा की इस धरती में एक चमकता हुआ मोती है जो पूरे भारतवर्ष में अपनी चमक बिखेर रहा है।

इस अवसर पर आईआईटी जोधपुर के अभिशासक मंडल अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार ने कहा कि आईआईटी जोधपुर भारतीय उच्च शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता का केन्द्र है। आज यहां से उपाधि प्राप्त स्नातक विद्यार्थियों के लिए देश एवं विश्व में रोजगार के अपार अवसर मिलेंगे।

कार्यक्रम में प्लाक्षा विश्वविद्यालय चंडीगढ के कुलपति प्रो. रूद्रप्रताप ने स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आप केवल डिग्रीधारी नहीं, भारत के भविष्य निर्माता भी हैं।

मुख्यमंत्री ने आईआईटी जोधपुर संस्थान से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियां को उपाधि प्रदान कीं। साथ ही, संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण पदक एवं पुरस्कार प्रदान किए।

भारत व अमेरिका में ताबड़तोड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपायों की गंभीर समीक्षा ज़रूरी है। ऐसे मुद्दे अक्सर मुक्त व्यापार समझौतों को लंबा खींच देते हैं। जैसे जापान के साथ भारत की व्यापार वार्ता में, जापान ने अपने कृषि उत्पादों पर कोई रियायत देने से इनकार कर दिया था, जिससे पूरी बातचीत टूटने के कगार पर पहुँच गई थी। जापान का तर्क था कि वे केवल जापानी किस्म के चिपचिपे चावल का ही सेवन करते हैं, जो भारत में उत्पादित नहीं होता। कई अन्य कृषि उत्पाद भी अड़चन बने थे। एक और महत्त्वपूर्ण मुद्दा यह है कि कई देश केवल माल को अन्य जगह पहुँचाने का जरिया बनकर रह जाते हैं। चीनी उत्पाद नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करते हैं, क्योंकि भारत और नेपाल के बीच व्यापार पर कोई शुल्क नहीं है। वरना इन चीनी उत्पादों

■ पर, भारत को आत्मसम्मान से ज्यादा अभी ‘‘सर्विस सैक्टर’’ जिसमें आईटी सेवा भी शामिल है, पर, भारी टैरिफ लगाए जाने के जोखिम से बचना चाहिए। क्योंकि, यह ‘‘सर्विस सैक्टर’’ ही भारत के अमेरिका को निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा है, उसमें थोड़ा भी नुकसान हुआ, तो भारत को बहुत भारी पड़ेगा।

पर भारत में प्रवेश के समय भारी शुल्क लगाया जाता। इसलिए, वार्ताकारों को उस माल, जिसका व्यापार होता है, पर स्थानीयता के मानक तय करने होते हैं। कहीं यह 80 प्रतिशत तक होता है, तो कहीं केवल 30 प्रतिशत। मैक्सिको और अमेरिका के बीच एक बड़ा विवाद इसी मुद्दे पर है, अमेरिका ने आरोप लगाया कि मैक्सिको को चीन अमेरिका से अपने माल का ट्रांज़िट पॉइन्ट बना रहा है, इन उत्पादों में कोई मैक्सिकन सामग्री नहीं है। लेकिन रैसिप्रोकल टैरिफ टालने के लिए वर्तमान व्यापार वार्ताएँ बंदूक की नोक पर वार्ता जैसी हो गई हैं। बहुत से बारीक और गंभीर मुद्दों को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है, जो भविष्य में बड़े विवाद को जन्म दे सकते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच माल व्यापार दोनों देशों की समग्र अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बहुत बड़ा नहीं है। हालाँकि कुछ क्षेत्रों के लिए यह महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन समग्र रूप में इसका दोनों देशों के लिए बहुत बड़ा आर्थिक प्रभाव नहीं है। भारत के लिए जो क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है, वह है सेवा व्यापार (सर्विस ट्रेड)। भारत का आईटी और आईटी-सेवा क्षेत्र अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। हमारे अधिकतर सॉफ्टवेयर और उनसे संबंधित सेवाएं अमेरिका को निर्यात होते हैं, और इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की रोक भारत के लिए गंभीर संकट खड़ा कर सकती है। वर्तमान वार्ताओं में ध्यान मुख्य रूप से माल व्यापार पर है और सेवा व्यापार को ज्यादा नहीं छेड़ा जा रहा है। इसलिए भारत को चाहिए कि वह सेवा क्षेत्र को लेकर विशेष सावधानी बरते। भले ही कुछ रियायतें देनी पड़ें, लेकिन वर्तमान स्तर को बनाए रखना और, संभव हो तो, आगे बढ़ाना, भारत के लिए बेहद जरूरी है।

एक्सिओम -4 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हार्मनी मॉड्यूल से भारतीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे धीरे-धीरे जुड़ गया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इसकी पुष्टि की है। ग्रुप कैप्टन शुक्ला इस मिशन के पायलट हैं। इस मिशन ने कल फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। मिशन में ग्रुप कैप्टन शुक्ला के साथ पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज़ उज़्नान्स्की-विस्निएव्स्की और हंगरी के टिबोर कपू गये हैं। शुक्ला ने अंतरिक्ष से दिल को छू लेने वाला संदेश भेजा जिसने लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने संदेश में उन्होंने कहा “ आप सभी को अंतरिक्ष से नमस्कार ! मैं यहां बिल्कुल बच्चे की तरह सब कुछ सीख रहा हूं।” भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर बारीकी से नजर रखने वाले वैज्ञानिक ड़ॉ आर सी कपूर ने कहा कि डॉकिंग एक नाजुक ऑपरेशन है।

अक्टूबर-नवम्बर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करोड़ की परियोजनाओं की शुरुआत की, जिनमें वंदे भारत ट्रेन और निर्यात-योग्य लोकोमोटिव शामिल हैं। इसे एनडीए की चुनावी तैयारी का हिस्सा माना जा रहा है।

उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया और भाजपा को सामाजिक न्याय के पक्षधर के रूप में प्रस्तुत किया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव की कथित गड़बड़ियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भाजपा बिहार में चुनावी ‘‘मैच-फिक्सिंग’’ की कोशिश कर सकती है।

अलीनगर से भाजपा विधायक मिश्री लाल यादव को 2019 के एक हमले के मामले में दोषी पाए जाने पर 20 जून को अयोग्य घोषित कर दिया गया। बिहपुर से भाजपा विधायक इंजीनियर शैलेन्द्र ने उस समय विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने कहा कि वे मुस्लिम वोट लेकर जीतने के बजाय हारना पसंद करेंगे।

भाजपा 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों के लिए आक्रामक तैयारी कर रही है। संगठनात्मक ढांचे को मजबूत कर रही है, रणनीतिक जातीय नेताओं को आगे बढ़ा रही है, और प्रधानमंत्री मोदी के हाई-प्रोफाइल अभियान का लाभ उठा रही है।

हालाँकि पार्टी को लॉजिस्टिक लाभ हैं, लेकिन घटता वोट शेयर, सहयोगियों के साथ तालमेल की चुनौती, कानूनी झटके (जैसे विधायक की अयोग्यता), और विवादास्पद बयानों से भाजपा की छवि को नुकसान पहुँच सकता है।

‘अगले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप के दावे को और अधिक विस्तार के साथ सामने रखा। रुबियो ने कहा कि एक ‘‘कन्वर्ज़न सुविधा’’ - जो परमाणु ईंधन को उस रूप में बदलने के लिए अति महत्वपूर्ण होती है, जो रुप परमाणु हथियार बनाने के लिये जरुरी है, नष्ट कर दी गई है। इज़रायल ने भी ट्रंप के दावों का समर्थन करते हुए एक बयान जारी किया।

सैटेलाइट तस्वीरों में भारी तबाही देखी जा सकती है, लेकिन उस स्थल पर या किसी अन्य स्थान पर उसके फिर से निर्माण में कितना समय और संसाधन लगेंगे, यह जान पाना तब तक असम्भव है, जब तक कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरीक्षकों को वहां पहुँचने की अनुमति नहीं दी जाती।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूर भले ही हो गए हों, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने मुख्य मंच की जगह कीबोर्ड को चुन लिया है और डिजिटल विद्रोही बन गए हैं तथा ईरान की ‘‘जीत’’ पर गर्व करते हुए, वाई-फाई की मदद से ‘‘एक्स’’ पर तीखी प्रतिक्रियाएँ दे रहे हैं। खामनेई ने गुरुवार को लिखा, ‘‘इस्लामिक गणराज्य ने अमेरिका के गाल पर एक जोरदार तमाचा मारा। ईरान ने अल-उदीद एयर बेस पर हमला किया और उसे नुकसान पहुँचाया, जो इस क्षेत्र में एक प्रमुख अमेरिकी बेस है।’’ सर्वोच्च नेता ने ईरान के आम नागरिकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा, ‘‘यह तथ्य काफी महत्वपूर्ण है कि इस्लामिक गणराज्य की इस क्षेत्र के अमेरिकी केन्द्रों तक पहुँच है और जब भी इसे आवश्यक लगेगा, कार्रवाई कर सकता है। ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। यदि कोई आक्रमण होता है, तो दुश्मन को उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।’’

उन्होंने लिखा, ‘‘हमारे प्यारे ईरान की अमेरिकी सत्ता पर जीत के लिए मेरी बधाई।’’ ‘‘अमेरिकी शासन सीधे ही युद्ध में इसलिए उतरा, क्योंकि उसे लगा कि अगर वह ऐसा नहीं करेगा, तो यहूदी राज पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। वह युद्ध में यहूदी राज को बचाने के प्रयास में उतरा था, लेकिन कुछ हासिल नहीं कर सका।’’ आक्रामक स्वर को जारी रखते हुए, उन्होंने आगे कहा, ‘‘उस सारी हलचल और सभी दावों के साथ, यहूदी राज को व्यावहारिक रूप से इस्लामिक गणराज्य के प्रहारों ने हरा दिया और कुचल दिया।’’ उन्होंने एक पोस्ट की शुरुआत करते हुए देशवासियों को ‘‘अनैतिक यहूदी शासन पर विजय’’ की बधाई दी।

खामनेई के ये ऑनलाइन बयान एक नाजुक और विवादास्पद युद्ध विराम के बीच सामने आए हैं, जिसकी मध्यस्थता अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने की, एक ऐसी उथल-पुथल के बाद, जिसमें इज़रायली और अमेरिकी सेनाओं ने मिलकर ईरान के तीन प्रमुख परमाणु केन्द्रों पर बमबारी की थी। ईरान ने कतर में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला करके उसका जवाब दिया, जिसे तेहरान ने एक सफल प्रतिशोध के रूप में सराहा। हालांकि ईरानी नेता की ऑनलाइन बयानबाजी जोरों पर है, लेकिन वे सार्वजनिक परिदृश्य से गायब हैं। सरकारी मीडिया ने युद्ध की शुरुआत के बाद से उनकी कोई भी तस्वीर या फुटेज जारी नहीं की है। ‘‘रॉयटर्स’’ के अनुसार, खामनेई के करीबी अधिकारियों का कहना है कि उन्हें एक गुप्त भूमिगत बंकर में ले जाया गया है और वे संभावित हत्या के प्रयासों से बचने के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दूरी बनाये हुये हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कथित रूप से इस संभावना को खारिज नहीं किया है कि खामनेई को निशाना बनाया जा सकता है, जबकि ट्रंप ने कथित रूप से, ऐसा कदम न उठाने की सलाह दी थी। जैसा कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने रिपोर्ट किया है।

रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी सरकार के शीर्ष अधिकारी भी सर्वोच्च नेता से सीधे संपर्क नहीं कर पा रहे हैं।

मंगलवार को, ईरान के सरकारी टेलीविजन पर एक प्राइम टाइम इन्टरव्यू के दौरान, एक एंकर ने खामनेई के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी मेहदी फाजेली से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछा, ‘‘लोग सर्वोच्च नेता के बारे में बहुत चिंतित हैं। क्या आप हमें बता सकते हैं कि वे कैसे हैं?’’ एंकर ने पूछा। फाजेली ने प्रश्न को टालते हुए केवल इतना कहा, ‘‘हमें सभी को प्रार्थना करनी चाहिए। जिन लोगों को सर्वोच्च नेता की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है, वे अपना काम कर रहे हैं।’’ तेहरान में सप्ताहांत के दौरान, अमेरिका और इज़रायल विरोधी प्रदर्शनों में महिलाएं खामनेई की तस्वीरें लिये हुये दिखाई दीं।

उनके समर्थन का यह प्रदर्शन उनकी अनुपस्थिति के बावजूद हुआ, और खामनेई की ओर से उन्हें ऐसा कोई संदेश या सीधा मार्गदर्शन नहीं मिला था।

ईरानी अखबारों ने भी चिंता जतानी शुरू कर दी है। दैनिक ‘‘खानेमैन’’ के संपादक मोहसिन खलीफेह ने कहा, ‘‘उनकी (खामनेई) कई दिनों की अनुपस्थिति ने हम सभी को, जो उन्हें प्यार करते हैं, बहुत चिंतित कर दिया है।’’ उन्होंने आगे कहा, ‘‘अगर खामनेई मर चुके होते, तो उनका अंतिम संस्कार बहुत शानदार और ऐतिहासिक होता।’’

‘‘रॉयटर्स’’ के अनुसार, बढ़ते हुए असमंजस को और बढ़ाते हुए, खामनेई द्वारा बनाई गई तीन धर्मगुरुओं की कमेटी, जिसे उनका उत्तराधिकारी चिन्हित करना था, ने भी अपने काम की गति तेज कर दी है।

ईरान के एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने एजेंसी को बताया कि खामनेई अब इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की विशेष सैन्य इकाई, ‘‘वली-ये-अम्र’’ के संरक्षण में हैं और अपने परिवार के साथ छुपे हुए हैं। 13 जून को इज़रायल द्वारा शुरू किया गया हवाई हमला ईरान के सैन्य नेतृत्व को भारी नुकसान पहुँचाने में सफल रहा, जिसमें कई शीर्ष कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई, जिसे पश्चिम एशिया के इतिहास में सबसे उल्लेखनीय और बड़ा कदम माना जा रहा है। ईरान ने जवाबी हमले में पहली बार इज़रायल की उन्नत हवाई रक्षा प्रणालियों को बड़ी संख्या में नष्ट करने में सफलता प्राप्त की। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हमलों के परिणामस्वरूप, उनकी सीमा के भीतर 627 लोग मारे गये और लगभग 5,000 घायल हुए हैं। हालांकि, इस कथन का स्वतंत्र सत्यापन कठिन है, क्योंकि मीडिया तक पहुंच पर कड़ी पाबंदियाँ हैं। इज़रायल में अधिकारियों ने 28 मौतों की पुष्टि की है।

संविधान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, ‘‘न्यायाधीश को हमेशा यह याद रखना चाहिए कि हमारा कर्तव्य है, और हम नागरिकों के अधिकारों तथा संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास सिर्फ अधिकार नहीं, बल्कि एक दायित्व भी है,’’ उन्होंने कहा। ‘‘हमें स्वतंत्र रूप से सोचना चाहिए। लोग क्या कहेंगे, यह हमारे निर्णय की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनना चाहिए।’’

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908